● वर्ष-3
● अंक-67
रायपुर, शुक्रवार
27 अक्टूबर 2023
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› कार्तिक माह 29 से

राम मंदिर पर राजनीति का नया दौर

मुख्य पुजारी का विपक्ष पर वार, बोले- भगवान राम का विरोध करने वाले सड़कों पर घूम रहे हैं

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 22 जनवरी, 2024 को अयोध्या में राम लला मंदिर के प्रतिष्ठा समारोह के लिए औपचारिक निमंत्रण मिलने के बाद, विपक्षी नेताओं ने सवाल उठाया है कि क्या यह लोकसभा चुनाव से ठीक पहले सिर्फ एक पार्टी का कार्यक्रम बन जाएगा। राम मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास ने विपक्षी नेताओं की टिप्पणियों की आलोचना करते हुए कहा कि लोग अपनी मानसिकता के अनुसार बात करते हैं। संजय राउत को सिर्फ चुनाव दिखता है लेकिन प्रतिष्ठा समारोह आस्था और श्रद्धा का विषय है।

आचार्य सत्येन्द्र दास ने कहा कि लोग अपनी मानसिकता के अनुसार बात करते हैं। संजय राउत को सिर्फ चुनाव दिखता है। उन्होंने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा आस्था का, विश्वास का, भक्ति का विषय है और इसके लिए पीएम को आमंत्रित किया गया है। इससे पहले भी उन्होंने भूमिपूजन किया

था। अब जब मंदिर लगभग बन चुका है और इसकी प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी (2024) को होगी, तो पीएम को आमंत्रित किया गया है और उन्होंने निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। यह बलिदानों के बारे में नहीं है, यह भक्ति और विश्वास के बारे में है। दास ने आगे कहा कि पीएम मोदी को भगवान राम का आशीर्वाद है इसलिए वह सत्ता में हैं लेकिन जिन्होंने भगवान राम के अस्तित्व को नकार दिया वे सड़कों पर घूम रहे हैं और आगे भी घूमते रहेंगे।

मुख्य पुजारी ने कहा कि जहां तक राजनीति और चुनाव का सवाल है तो ये आते-जाते रहेंगे लेकिन सभी राजनीतिक दलों को यह समझना चाहिए कि पीएम को भगवान राम का आशीर्वाद प्राप्त है। इसीलिए वह सत्ता में हैं और आगे भी रहेंगे। भगवान राम का विरोध करने वाले सड़कों पर घूम रहे हैं और आगे भी घूमते रहेंगे। इससे पहले आज, शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने प्रधान मंत्री पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पीएम मोदी मणिपुर को छोड़कर कहीं भी जा सकते हैं, उन्होंने कहा कि उन्हें अयोध्या में आमंत्रित करने की कोई आवश्यकता नहीं थी क्योंकि वह खुद वहां जाते।

खास योजना बनाने संघ की होगी खास बैठक

राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की घोषणा के तुरंत बाद आरएसएस के शीर्ष पदाधिकारियों की एक शीर्ष बैठक हो रही है। बैठक में राम मंदिर उद्घाटन समारोह को भव्य बनाने के लिए खास योजना तैयार की जाएगी। इस बैठक में आरएसएस प्रमख मोहन भागवत भी शामिल होंगे। वे पहले ही विजयादशमी पर राम मंदिर उद्घाटन के दिन पूरे देश के मंदिरों में खास पूजा कार्यक्रम आयोजित करने की बात कह चुके हैं। आरएसएस के वरिष्ठ पदाधिकारी सुनील आंबेकर ने बताया है कि इस बैठक में संघ के सभी वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल बैठक इस वर्ष गुजरात के कच्छ क्षेत्र भुज में हो रही है। यह बैठक 5, 6 और 7 नवंबर 2023 को होगी, जिसमें संघ के 45 सांगठनिक प्रांतों से प्रांत संघचालक, कार्यवाह एवं प्रांत प्रचारक, उनके सहसंघचालक, सहकार्यवाह और सह प्रांत प्रचारक सहभागी होंगे। आरएसएस के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले एवं सभी अखिल भारतीय पदाधिकारियों सहित कार्यकारिणी के सभी सदस्य भी उपस्थित रहेंगे।

बाला साहेब के सपनों को पूरा कर रहे मोदी

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने

गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनवाकर बालासाहेब ठाकरे के सपनों को पूरा किया। वह पीएम मोदी द्वारा कई परियोजनाओं के उद्घाटन के अवसर पर शिरडी में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री की सराहना करते हुए कहा कि वह देश के विकास के एजेंडे को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साल सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री और महाराष्ट्र के बीच समन्वय बना हुआ है। हमने निमंत्रण दिया और उन्होंने विनम्रतापूर्वक इसे स्वीकार कर लिया, जो उनकी ओर से एक महत्वपूर्ण कदम था। अब तक 200 अरब रुपये से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन हो चुका है।

भूजल की कमी के चरम बिंदु की ओर बढ़ रहा भारत

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र ने अपनी एक रिपोर्ट में चेतावनी दी है कि भारत, भूजल की कमी के चरम बिंदु की ओर बढ़ रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गंगा बेसिन के कुछ इलाके पहले से ही इस चरम बिंदु को पार कर चुके हैं और 2025 तक इसका असर दिखना भी शुरू हो जाएगा। इंटरकनेक्टेड डिजास्टर रिस्क रिपोर्ट 2023 नाम से प्रकाशित इस रिपोर्ट को संयुक्त राष्ट्र यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट फॉर एनवायरमेंट एंड ह्युमन सिक्योरिटी ने तैयार किया है।

भारत में तेजी से खाली हो रहे जलभृत

रिपोर्ट में बताया गया है कि 70 प्रतिशत भूजल का इस्तेमाल खेती के कामों में किया जाता है। सूखे या पानी की कमी की स्थिति में जमीन के अंदर मौजूद जलभृत पानी की कमी को पूरा करने में अहम योगदान देते हैं। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि अब भारत में कई जलभृत भी चरम सीमा को पार कर गए हैं। दुनिया के आधे से ज्यादा जलभृत तेजी से खाली हो रहे हैं। वहीं प्राकृतिक रूप से उनके फिर से भरने की गति बेहद धीमी है। रिपोर्ट में चेताया गया है कि जैसे ही पानी की कमी होगी उससे खाद्य उत्पादन बुरी तरह प्रभावित होगा। इससे दुनियाभर में खाद्य संकट गहरा जाएगा।

सऊदी अरब में पहले से ही भूजल चरम बिंदु से नीचे चला गया है और भारत उन देशों में शामिल है, जो जल्द ही चरम बिंदु को पार कर जाएंगे। बता दें कि भारत में दुनिया में सबसे ज्यादा भूजल का इस्तेमाल किया जाता है और यह अमेरिका और चीन दोनों के कुल इस्तेमाल से भी ज्यादा है। भारत का उत्तर पश्चिमी इलाका देश की खाद्य जरूरतों को पूरा करने के लिहाज से अहम है लेकिन यहां तेजी से भूजल का स्तर गिर रहा है और 2025 तक इसके नुकसान दिखने शुरू हो जाएंगे।

दिख सकते हैं विनाशकारी बदलाव

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में बताया गया है कि प्राकृतिक व्यवस्था में छह पर्यावरणीय प्रणालियां चरम बिंदु के करीब पहुंच रही हैं। जिनमें तेजी से जीव विलुप्त होंगे, भूजल का स्तर गिरेगा, ग्लेशियर तेजी से पिघलेंगे, अंतरिक्ष में कचरा समस्या पैदा करेगा, गर्मी सहनशक्ति की सीमा को पार कर जाएगी और भविष्य को लेकर चिंता बढ़ जाएगी। पर्यावरणीय चरम बिंदु, वह महत्वपूर्ण सीमाएं हैं, जिसके परे जाने पर तेजी से विनाशकारी बदलाव होते हैं।

चीन और रूस ने अमेरिका के प्रस्ताव को अपनी वीटो शक्ति का उपयोग करते हुए खारिज कर दिया। रूस और चीन की तरफ से इस वीटो के बाद सबसे बड़ा मैसेज ये देने की कोशिश की गई है कि वो अमेरिका की मनमानी को स्वीकार नहीं करते।

देश को विश्व गुरु बनाने ईडी और सीबीआई की जरूरत:हेमंत बिस्वा

■ **बिलासपुर में असम के सीएम ने भरी हुंकार : हेमंत बिस्वा ने कहा -**

बिलासपुर। विधानसभा चुनाव 2023 के लिए भाजपा के पक्ष में प्रचार करने छत्तीसगढ़ के बिलासपुर पहुंचे असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने गुरुवार को प्रदेश की भूपेश सरकार पर हमला किया है। शहर के वाजपेयी मैदान में सरमा ने कहा कि इस देश को विश्व गुरु बनाने के लिए शक्तिशाली ईडी और सीबीआइ की जरूरत है, नहीं तो गोठान घोटाला, कोयला घोटाला, शराब घोटाले का पैसा बाहर कैसे आएगा।

साथ ही कहा कि पूरे भारत में मदरसा बंद होना चाहिए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी चुनाव के समय मंदिर जाते हैं हम तो हमेशा मंदिर जाते हैं। देश के मुसलमान हिंदू से प्यार करते हैं लेकिन कांग्रेस मुसलमानों से प्यार नहीं करती।

मैं अब भी अपने इस बयान पर कायम हूं कि देश में मदरसे बंद होने चाहिए।

मैं किसी का विरोधी नहीं लेकिन मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि मदरसों के बजाय वहां पर इंजीनियरिंग और मेडिकल कालेज की स्थापना हो जहां पर मुसलमानों के बच्चे भी समान शिक्षा के साथ ही इंजीनियरिंग और मेडिकल की पढ़ाई कर सकें।

देश का कौन मुसलमान नहीं चाहेगा कि उनके बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त न करे। सरमा ने छत्तीसगढ़ के बिलासपुर, महासमुंद और खैरागढ़ में जनसभाओं को संबोधित किया। महासमुंद में सरमा ने आरोप लगाया कि कांग्रेसी बाबर के अनुयायी हैं। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और मुख्यमंत्री बघेल सनातन धर्म को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

कांग्रेसियों ने मचाई लूट सरमा

सरमा ने आरोप लगाया कि पांच साल के राज में कांग्रेसी नेताओं ने जमकर लूट मचाई है। पैसा तो इनके पास ही है। तभी तो ईडी और आइटी के छापे भी इनके ठिकाने पर पड़ रहे हैं। कांग्रेस के नेताओं को खुद आगे आकर अपनी संपत्ति का ब्यौरा देना चाहिए और ईडी व आइटी की जांच में सहयोग करना चाहिए। एक सवाल यह भी आया कि भाजपा नेताओं का क्या,उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता सचमुच में गरीब हैं। किसानों के कर्ज माफी को लेकर कांग्रेस की घोषणा पर कहा कि पांच साल सरकार चलाने के बाद भी किसानों की हालत में सुधार नहीं हो सका है अन्यथा किसानों को लोन लेने की जरूरत ही क्यों पड़ती।

भूपेश बघेल जैसा कलाकार पूरे भारत में नहीं

खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के छुईखदान स्कूल मैदान में सरमा ने भूपेश सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में शराब, कोयला घोटाला हुआ है। सरकार घोटालों में डूबी रही। कांग्रेस ने 22 विधायकों की टिकट काटकर सिद्ध कर दिया कि उनके विधायक लूटेरे थे। सरमा ने कहा कि भाजपा हिंदू-मुस्लिम की बात नहीं बोलती है। छत्तीसगढ़ में भाजपा शासनकाल में खुशहाली थी। लवजिहाद, रोहिंग्या, मतांतरण नहीं होते थे, लेकिन छत्तीसगढ़ में ये सब बढ़ गए हैं। जबरदस्ती हिंदुओं के मतांतरण पर चुप नहीं बैठेंगे।

प्रमुख समाचार

महुआ मोइत्रा विवाद में होगी गृह मंत्रालय की एंट्री

नईदिल्ली। एथिक्स पैनल गृह मंत्रालय से महुआ मोइत्रा की विदेश यात्राओं का ब्यौरा मांगा सकता है। सूत्रों ने कहा कि लोकसभा की आचार समिति गृह मंत्रालय से पिछले पांच वर्षों में

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा की विदेश यात्राओं का नक्शा मांगा जा सकता है। इसके अतिरिक्त, सूत्रों के अनुसार, मोइत्रा से जुड़े कैश-फॉर-क्वेरी विवाद में संसद के उक्त पैनल द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से पहले ही जानकारी का अनुरोध किया जा चुका है। पश्चिम बंगाल की कृष्णानगर सीट से टीएमसी सांसद इस आरोप के साथ विवाद के केंद्र में हैं कि उन्होंने संसद में सवाल उठाने के लिए रिश्वत ली थी। सूत्रों ने इंडिया टुडे को बताया कि गुरुवार को लोकसभा की आचार समिति ने महुआ मोइत्रा को उनके खिलाफ कैश-फॉर-क्वेरी आरोप के संबंध में 31 अक्टूबर को पेश होने के लिए समन जारी किया। सूत्र ने बताया कि महुआ मोइत्रा आधिकारिक समन की प्रति का इंतजार कर रही हैं, लेकिन पूरी संभावना है कि वह 31 अक्टूबर को एथिक्स कमेटी के सामने पेश होंगी।

दुष्कर्म पीड़िता की याचिका पर वेणुगोपाल को नोटिस

कोच्चि। केरल हाईकोर्ट ने ऑल इंडिया कांग्रेस समिति महासचिव केसी वेणुगोपाल को नोटिस भेजा है। मामला एक बलात्कार पीड़िता से जुड़ा है। पीड़िता ने हाईकोर्ट में मजिस्ट्रेट अदालत के फैसले

को चुनौती दी है। रिपोर्ट के अनुसार निचली अदालत ने मामले में सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार कर ली है, जिस पर पीड़िता ने आपत्ति दर्ज कराई है। मजिस्ट्रेट अदालत के फैसले को चुनौती देने वाली पुनरीक्षण याचिका पर गुरुवार को हाईकोर्ट ने कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल को नोटिस जारी किया। पीड़िता की तरफ से दायर याचिका पर हाईकोर्ट ने नोटिस जारी कर वेणुगोपाल से जवाब मांगा। इसने अपनी याचिका में यौन उत्पीड़न मामले में कांग्रेस नेता को क्लीन चिट देने पर आपत्ति दर्ज कराई है। सीबीआई जांच में वेणुगोपाल को दोषी नहीं पाया गया। फैसले से असंतुष्ट महिला ने जांच एजेंसी की क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार करने के अदालत के फैसले को चुनौती दी है। पीड़िता ने अपनी दलीलों में कहा कि तिरुवनंतपुरम में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने आपत्ति जताने वाली याचिका दायर करने के बावजूद क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार कर ली।

बिरसा मुंडा की जयंती पर विकसित भारत संकल्प यात्रा

नईदिल्ली। विकसित भारत संकल्प यात्रा%, जिसका उद्देश्य ग्रामीण भारत में केंद्र की कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करना है, 15 नवंबर को बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की जाएगी। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव अपूर्व चंद्रा ने इसकी जानकारी दी। अपूर्व चंद्रा ने कहा कि 2,500 से अधिक शिक्षा और संचार वैन, 14,000 से अधिक स्थानों पर 2.5 लाख ग्राम पंचायतों और 3700 शहरी स्थानीय निकायों को कवर करेंगी। यह सरकार द्वारा शुरू किया गया अब तक का सबसे बड़ा संचार आउटरीच है। यात्रा आदिवासी इलाकों से शुरू होकर दो महीने तक चलेगी। यात्रा का उद्देश्य उन लोगों तक पहुंचना भी है, जिन्हें किसी कारण से स्वच्छता सुविधाएं, बिजली कनेक्शन, एलपीजी सिलेंडर, स्वास्थ्य देखभाल, स्वच्छ पेयजल और अन्य जैसी केंद्र संचालित योजनाओं से लाभ नहीं मिला है। सरकारी योजनाओं के लाभों को प्रदर्शित करने के लिए 2700 से अधिक आईईसी (सूचना, शिक्षा और संचार) वाहन तैनात किए जाएंगे। संकल्प यात्रा के लिए उपयोग की जाने वाली आईईसी वैन वाई-फाई और सभी आधुनिक बहु-संचार उपकरणों से सुसज्जित हैं।

8 पूर्व नेवी ऑफिसर को कतर की अदालत ने दी मौत की सजा

नईदिल्ली। कतर की एक अदालत ने आठ पूर्व भारतीय नौसेना कर्मियों को एक साल से अधिक समय तक हिरासत में रखने के बाद मौत

की सजा सुनाई है। भारत सरकार ने फैसले पर गहरा आघात व्यक्त किया है और कहा है कि वह सभी कानूनी विकल्प तलाश रही है। सैन्य दिग्गज एक निजी फर्म के लिए काम कर रहे थे जब उन्हें पिछले साल अगस्त में कतरी खुफिया सेवा द्वारा अनिर्दिष्ट आरोपों पर हिरासत में लिया गया था। हम मौत की सज़ा के फैसले से गहरे सदमे में हैं और विस्तृत फैसले का इंतजार कर रहे हैं। हम परिवार के सदस्यों और कानूनी टीम के संपर्क में हैं, और सभी कानूनी विकल्प तलाश रहे हैं। हम इस मामले को बहुत महत्व देते हैं और इस पर बारीकी से नज़र रख रहे हैं। हम सभी कांसुलर और कानूनी सहायता देना जारी रखेंगे। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा, हम फैसले को कतर के अधिकारियों के समक्ष भी उठाएंगे। पहले की रिपोर्टों के अनुसार, समूह पर इज़राइल की ओर से एक पनडुब्बी कार्यक्रम पर जासूसी करने का आरोप लगाया गया था। कतरी अधिकारियों ने यह भी संकेत दिया है।

कुपवाड़ा में घुसपैठ नाकाम, 2 आतंकियों को मार गिराया गया

नईदिल्ली। कुपवाड़ा में चल रहे आतंकवाद विरोधी अभियान में एक महत्वपूर्ण विकास में सुरक्षा बलों ने निर्धारित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) संगठन से संबंधित तीन और आतंकवादियों को सफलतापूर्वक मार गिराया है, जिससे मारे गए आतंकवादियों की कुल संख्या पांच हो गई है। पुलिस ने कहा कि फिलहाल इन व्यक्तियों की पहचान की जा रही है। कश्मीर जोन पुलिस ने एडीजीपी कश्मीर विजय कुमार के हवाले से एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि लश्कर के तीन (03) और आतंकवादी मारे गए (कुल 05)। पहचान सुनिश्चित की जा रही है। सर्च ऑपरेशन जारी है. आगे की जानकारी दी जाएगी। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के माछिल में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करने के लिए दिन में मुठभेड़ शुरू हो गई। सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने एक पोस्ट में कहा कि 26 अक्टूबर 23 को भारतीय सेना, जम्मू पुलिस और खुफिया एजेंसियों द्वारा शुरू किए गए एक संयुक्त अभियान में एलओसी पर कुपवाड़ा सेक्टर में सतर्क सैनिकों द्वारा घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया गया है। कुपवाड़ा में पत्रकारों से बात करते हुए, जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) दिलबाग सिंह ने इस तरह के प्रयासों से उत्पन्न लगातार चुनौतियों पर प्रकाश डाला। पाकिस्तान की ओर से घुसपैठ की कोशिशें होती रहती

अब कराची की दिल्ली कॉलोनी का मो. सलीम मारा गया

पाकिस्तान में चुन-चुन कर खत्म हो रहे भारत के दुश्मन

जितेंद्र भारद्वाज

पाकिस्तान में छिपे भारत के मोस्ट वांटेड आतंकियों और उनके सहयोगियों को चुन-चुनकर खत्म किया जा रहा है। पड़ोसी मुल्क में इस साल भारत के कई दुश्मन मारे जा चुके हैं। अब इस कड़ी में 23 अक्तूबर को दाऊद इब्राहिम की %डी कंपनी% का एक गुर्गा मारा गया है। मोहम्मद सलीम, कराची की दिल्ली कॉलोनी का रहने वाला था। सलीम की हत्या करने के बाद उसकी बॉडी, दरगाह अली शाह सखी सरमस्त के निकट ल्यारी नदी में फेंक दी गई। पुलिस स्टेशन, ल्यारी ने सलीम की बॉडी को नदी से बरामद किया है। पिछले सप्ताह दाऊद मलिक, जिसे वैश्विक आतंकी संगठन %जैश-ए-मोहम्मद% के सरगना मसूद अजहर का करीबी बताया जाता है, वह पाकिस्तान के उत्तरी वजीरीस्तान में मारा गया था।

पिछले दिनों पाकिस्तान में मारे गए ये टॉप आतंकी ...

गत दिनों शाहीद लतीफ, जिसे पठानकोट हमले का मास्टर माइंड बताया जाता है, वह मारा गया था। दूसरा आतंकी और आईएसआई का एजेंट मुल्ला बाहौर उर्फ होर्मुज था, वह भी पाकिस्तान के भीतर अज्ञात लोगों की गोली का शिकार हो गया था। इसके बाद पिछले सप्ताह दाऊद मलिक मारा गया। उसे वैश्विक आतंकी संगठन %जैश-ए-मोहम्मद% के सरगना मसूद अजहर का करीबी बताया जाता है। %जैश-ए-मोहम्मद% के अलावा दाऊद मलिक, लश्कर-ए-जब्बर और लश्कर-आई-जांगवी से भी जुड़ा हुआ था। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मसूद अजहर, हाफिज सईद, लखवी और दाऊद इब्राहिम जैसे दहशतगर्दों को यूएपीए के तहत आतंकी घोषित किया गया है।

बालाकोट एयर स्ट्राइक में बच गया था मलिक ...

दाऊद मलिक, पाकिस्तान के उत्तरी वजीरीस्तान में मारा गया था। वह अज्ञात लोगों की गोली का निशाना बना। सूत्रों का कहना है कि इस साल पाकिस्तान में मौजूद भारत के कई मोस्ट वांटेड आतंकी मारे जा चुके हैं। इतना ही नहीं, भारत के मोस्ट वांटेड आतंकियों के मारे जाने का सिलसिला, केवल पाकिस्तान में ही नहीं, बल्कि दुनिया के दूसरे मुल्कों में भी चल रहा है। पुलवामा हमले के बाद जब भारतीय सेना ने बालाकोट पर एयर स्ट्राइक की थी तो उस वक्त दाऊद मलिक की वहां पर उपस्थिति बताई जाती है। हालांकि, बाद में ऐसी जानकारी सामने आई थी कि उस हमले में दाऊद मलिक बच निकला था। ये सभी आतंकी, आईएसआई की हिफाजत में रहते हैं। दुनिया की आंखों में धूल झोंकने के लिए पाकिस्तान, इन आतंकियों को लेकर नए पैंतरे चलता रहता है।

भारत का मोस्ट वांटेड आतंकी शाहीद लतीफ, पाकिस्तान के गुजरांवाला का रहने वाला था। उसे अज्ञात हमलावरों ने बहुत करीब से गोली मारी थी। 2016 का पठानकोट हमला, जिसमें भारतीय सेना के सात जवान शहीद हुए थे, शाहीद लतीफ ही उस अटैक का मास्टर माइंड बताया जाता है। उसे आईएसआई से विशेष ट्रेनिंग मिली थी। लतीफ को आतंकी संगठन, जैश-ए-मोहम्मद ने सियालकोट सेक्टर के प्रमुख की जिम्मेदारी सौंपी थी। दूसरा आतंकी, आईएसआई का एजेंट मुल्ला बाहौर उर्फ होर्मुज है। उसे बलूचिस्तान के क्षेत्र में गोली मारी गई थी। बाहौर के बारे में कहा जाता है कि उसने ही ईरान से कुलभूषण जाधव को अगवा कर आईएसआई के हवाले किया था। भारतीय नौसेना से रिटायर हुए कुलभूषण जाधव इस वक्त पाकिस्तान की जेल में है। कुलभूषण जाधव को पाकिस्तान की कोर्ट ने मौत की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ भारत ने हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में दस्तक दी थी। वहां से कुलभूषण की मौत की सजा पर रोक लगाई गई है।

20 फरवरी को बशीर अहमद पीर उर्फ इम्तियाज को रावलपिंडी में गोली मारी गई थी। वह केंद्र सरकार के आतंकियों की सूची में शामिल था। उसका काम पाकिस्तान से जम्मू कश्मीर में घुसपैठ कराना था। आईएसआई ने उसे हिजबुल मुजाहिदीन का लांच पैड संभालने की जिम्मेदारी दी थी। पिछले माह %लश्कर ए तैयबा% के प्रमुख हाफिज सईद के करीबी अबु कासिम को रावलकोट में गोली मारी गई थी। खालिस्तान कमांडो फोर्स का दुर्दांत आतंकी और भारत में मोस्ट वांटेड परमजीत सिंह पंजवड़ की भी पाकिस्तान में अज्ञात लोगों ने गोली मारकर हत्या की थी। उसके अलावा पाकिस्तान में हिजबुल मुजाहिदीन का टॉप आतंकी बशीर मीर उर्फ इम्तियाज आलम और जैश का खूंखार आतंकी जहूर मिस्त्री की भी हत्या हुई थी। जहूर मिस्त्री कंधार विमान अपहरण कांड में शामिल था। कनाडा में भारत विरोधी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या हो गई थी। उस बाबत कनाडा और भारत के बीच विवाद चल रहा है।

बस्तर संभाग में आदिवासियों के धर्मांतरण का मुद्दा विधानसभा चुनाव में रहेगा प्रभावी?

जगदलपुर। बस्तर संभाग में विधानसभा चुनाव में धर्मांतरण का मुद्दा आदिवासियों के बीच बना हुआ है, यदि आदिवासी समुदाय ग्रामीण इलाकों में धर्मांतरण को जहन में रखकर मतदान करता है तो विधानसभा चुनाव का परिणाम में कितना प्रभाव डालता है, यह पाणिाम के बाद ही पता चलेगा। बस्तर में धर्मांतरण के मुद्दे को देखते हुए कांग्रेस ने एक बार फिर से कर्जामाफी का दांव खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा है, यह चर्चा ग्रामीण इलाकों में होने लगी है। इस मुद्दे को लेकर भाजपा के अनुसांगिक हिंदू संगठनो के ग्रामीण इलाकों में सक्रियता देखी जा सकती है।

विदित हो कि बस्तर संभाग के 500 से अधिक गांवों के ग्रामसभा ने धर्मांतरण के विरुद्ध प्रस्ताव पारित किया है। जिसे लेकर ईसाई समुदाय ने प्रर्दशन और ज्ञापन तक सौंप चुके हैं। कांग्रेस सरकार धर्मांतरण के मामले को दबाने का प्रयास करता रहा है, और इसके काट के लिए कांग्रेस आदिवासियों की आस्था उनकी संस्कृति से जुड़े 3,000 से अधिक देवगुड़ी और मातागुड़ी बनाने का दावा करती है। वहीं बैगा, सिरहा, गुनिया, पुजारी को सात हजार रुपये मानदेय देने के साथ ही 7,000 आदिवासी आस्था केंद्र को पट्टा आबंटित कर संरक्षित करने का दावा करती है। वहीं भाजपा आरोप लगा रही है कांग्रेस सरकार धर्मांतरण को बढ़ावा दे रही है।

बस्तर दशहरा में एड़का से आए मांझी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि मतांतरण को लेकर

आदिवासियों में बहुत गुस्सा है। इसका असर चुनाव परिणाम पर पड़ सकता है। विदित हो कि नारायणपुर के एड़का गांव में धर्मांतरण विवाद के बाद यहां प्रदर्शन में भीड़ अनियंत्रित हो गई थी और हमले में नारायणपुर एसपी सदानंद कुमार का सिर फूट गया था। चित्रकोट के करेंकोट के मंगलू मांझी ने बताया कि उनके गांव में देवगुड़ी बन रही है। आदिवासियों के देवी-देवताओं के नाम पर पट्टा बना है, जिसे लेकर ग्रामीण उत्साहित हैं। छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज के प्रांताध्यक्ष राजाराम तोड़ेम कहते हैं कि विगत वर्षों में बस्तर संभाग में आदिवासी समाज के भीतर अपनी संस्कृति व परंपरा के संरक्षण को लेकर जागरूकता आई है। ग्राम सभा में धर्मांतरण के विरुद्ध प्रस्ताव पारित कर धर्मांतरण पर अंकुश लगाया गया है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता केदार कश्यप ने कहना है कि आदिवासियों का मतांतरण करने वाले विघटनकारी तत्वों को संरक्षण देकर कांग्रेस सरकार ने आदिवासी परंपरा और संस्कृति को खत्म करने का काम किया है। आईएएस-आइपीएस अधिकारी ने पत्र लिखकर आदिवासी मतांतरण पर चिंता जताई तो कांग्रेस ने उन्हें ही बस्तर से हटा दिया। बस्तर में धर्मांतरण की शिकायतें थानों तक पहुंच रही हैं, लेकिन कार्रवाई नहीं हो रही है। इसके चलते धर्मांतरण कराने वाले और धर्मांतरित यहां के आदिवासियों के साथ मारपीट कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज का कहना है कि कांग्रेस सरकार ने आदिवासी संस्कृति और परंपरा को संरक्षित करने का काम करते हुए देवी-देवताओं के नाम पर पट्टा देकर देवस्थलों का संरक्षण किया है। गांव-गांव में देवगुड़ी-मातागुड़ी बनाया है। उल्लेखनिय है कि धर्मांतरण के मुद्दे पर भाजपा के द्वारा राज्य गठन के बाद बस्तर में 25 हजार से अधिक आदिवासियों का धर्मांतरण का दावा करने एवं 5 हजार से अधिक आदिवासियों की जनजागरण के बाद विगत दो वर्षों में घर वापसी का दावा और बस्तर में दो वर्षों में 180 से अधिक धर्मांतरण के विवाद होने के दावे के साथ लगातार हमलावर होने पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को बचाव में बयान देना पड़ा था तब मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा था कि धर्मांतरण और सांप्रदायिकता की बातें करने में भाजपा की मास्टरी और पीएचडी है। जबकि भाजपा के 15 वर्षों की सरकार में ही आदिवासियों का सर्वाधिक मतांतरण हुआ।

कोरिया में चुनाव से पहले कांग्रेस को लगा झटका

तीन नेताओं ने थामा गोंगपा का दामन

मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव से पहले दलों के अंदर बगावत का दौर जारी है। बैकुंठपुर विधानसभा की राजनीति का मुख्य केंद्र पटना क्षेत्र को माना जाता है। जहां से प्रत्याशी की हार-जीत तय होती है। हाल ही में जोगी कांग्रेस के बचे कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस प्रवेश किया। वहीं कांग्रेस के तीन दिग्गज नेताओं ने गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ज्वाइन कर ली है।कांग्रेस के ये नेता पार्टी के अंदर उपेक्षा से नाराज हैं।

गोंगपा प्रत्याशी संजय सिंह कमरों के मुताबिक पटना गांव में पार्टी नेतृत्व के सामने युवा कांग्रेस के सागर शर्मा, मोहम्मद फिरोज खान उर्फ राजा और अरविंद सिंह ने गोंडवाना गणतंत्र पार्टी में प्रवेश किया है। संजय कमरों ने आशा व्यक्त की है कि आने वाले चुनाव में नए लोगों की मदद से पार्टी चुनाव में अभूतपूर्व प्रदर्शन करेगी। वहीं अभी भी कांग्रेस विधायक विनय जायसवाल के गोंगपा से चुनाव लड़ने को लेकर संशय बरकरार है।

राष्ट्रीय महामंत्री गोंगपा एलएस उदय ने कहा यदि गोंडवाना गणतंत्र पार्टी से विनय जायसवाल चुनाव लड़ते हैं तो हम अपना फॉर्म वापस ले लेंगे। गोंडवाना पार्टी से जो तीन पदाधिकारियों ने नामांकन फॉर्म लिए हैं। उसमें पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री डॉक्टर एल। एस। उदय, संभागीय प्रवक्ता गुरुजलाल नेटी और शहर अध्यक्ष शेख इस्माइल हैं।

मनेन्द्रगढ़ विधानसभा से कांग्रेस विधायक डॉक्टर विनय जायसवाल की टिकट कटने के बाद गोंडवाना पार्टी से चुनाव लड़ने के अटकलें के बीच गोंडवाना पार्टी के तीन पदाधिकारियों ने नामांकन फॉर्म ले लिया है। इसके साथ ही गोंडवाना पार्टी के नेताओं ने मनेन्द्रगढ़ विधायक पर निर्णय लेने में विलंब करने का आरोप लगाया है।गोंडवाना पार्टी की माने तो उन्हें आशंका लग रही है कि कहीं नामांकन खतरे में ना आ जाए।इसलिए डमी कैंडिडेट के तौर पर नामांकन भर रहे हैं।

भाजपा प्रत्याशी रेणुका सिंह को चुनाव आयोग ने भेजा तीसरा नोटिस

मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर। भारतीय जनता पार्टी की तेजतर्रार नेता और केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह को बीजेपी ने भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र से अपना प्रत्याशी बनाया है। प्रत्याशी घोषित होने के बाद से ही रेणुका सिंह क्षेत्र में सक्रिय नजर आ रही हैं, लेकिन निर्वाचन आयोग से उन्हें लगातार तीसरा नोटिस जारी हो चुका है।

जानकारी के मुताबिक, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 01 भरतपुर सोनहत सीट से बीजेपी प्रत्याशी रेणुका सिंह द्वारा बिना पूर्व अनुमति लिये ही प्रचार प्रसार किया गया। जिसके कारण एमसीबी कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी ने उन्हें नोटिस जारी किया है। रेणुका सिंह ने 18 अक्टूबर 2023 को ग्राम पंचायत मंटोलिया, ग्राम पंचायत धोवाताल, ग्राम पंचायत भवरखोह, ग्राम पंचायत चुटकी ग्राम पंचायत खेतौली, ग्राम पंचायत बहरासी, ग्रमा पंचायत जनकपुर, ग्राम पंचायत खादाखोह में प्रचार-प्रसार किया था।

जिसकी शिकायत रिटर्निंग अधिकारी भरतपुर सोनहत द्वारा जिला निर्वाचन अधिकारी को लिखित प्रतिवेदन के साथ की थी। जिसके बाद जिला निवार्चन अधिकारी ने प्रत्याशी को 03 दिवस के भीतर जवाब प्रस्तुत करने कहा है।

रेणुका सिंह का विवादों से चोली दामन का साथ है। दरअसल बिना अनुमति रैली निकालने पर कोरिया जिले के निर्वाचन अधिकारी ने उन्हें पहला नोटिस दिया था। इसके बाद एक सभा में हेट स्पीच को लेकर एमसीबी जिला निर्वाचन अधिकारी ने उन्हें दूसरा नोटिस जारी किया था। इसके बाद उन्हें बिना अनुमति के प्रचार-प्रसार करने पर एमसीबी जिला निर्वाचन अधिकारी ने बुधवार को तीसरा नोटिस भी जारी किया है।

आपको बता दें कि बीजेपी प्रत्याशी रेणुका सिंह के खिलाफ कांग्रेस से गुलाब कमरों चुनावी मैदान में हैं। गुलाब कमरों अभी भरतपुर सोनहर सीट से विधायक है। कांग्रेस पार्टी ने दोबारा उन्हें टिकट देकर चुनावी मैदान में उतारा है। जिसके बाद से ही कांग्रेस प्रत्याशी गुलाब कमरों अपने विकास कार्यों के दम पर लगातार जनसंपर्क कर मतदाताओं के बीच पहुंच रहे हैं। हालांकि भाजपा ने केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह को मैदान में उतर कर चुनाव को काफी रोचक बना दिया है। अब देखना होगा कि इस जंग में कौन बाजी जीतता है।

बीजापुर में नक्सलियों ने बुलाया बंद, यात्री बसों के पहिये थमे

बीजापुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 के लिए चुनाव प्रचार तेज हो गया है। पहले चरण के लिए बस्तर संभाग की 12 सीटों पर 7 नवंबर को वोटिंग है। लेकिन इससे पहले नक्सली लगातार उत्पात मचा रहे हैं। हर बार की तरह चुनाव से पहले नक्सली छोटी बड़ी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। आज भी नक्सलियों ने बंद बुलाया है।

8 लाख के इनामी नक्सली नागेश की मौत के बाद नक्सलियों ने बीजापुर बंद का आह्वान किया है। दरअसल पुलिस ने 17 अक्टूबर को खूंखार नक्सली नागेश पदम को मुठभेड़ में मार गिराया था। इस नक्सली पर 8 लाख का इनाम घोषित था। नागेश पदम की मौत के बाद नक्सली बौखलाए हुए हैं। बुधवार को पश्चिम बस्तर डिवीजनल कमेटी के सचिव मोहन ने एक पर्चा जारी किया था। जिसमें इनामी नक्सली नागेश पदम की मौत पर 26 अक्टूबर यानी आज बीजापुर जिला बंद का आह्वान किया है।

बुधवार को भी बीजापुर में नक्सलियों ने उत्पात मचाया। बीजापुर

जिले के बरदेला और जेवारम गांव के पास नक्सलियों ने लकड़ी के लट्ठे डालकर राष्ट्रीय राजमार्ग को बाधित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचकर लकड़ियों को हटाया और यातायात को बहाल किया। वहीं सुरक्षाबल के जवान आसपास के इलाके में लगातार सर्चिंग कर रहे हैं।

नक्सलियों ने बुधवार को बीजापुर से रायपुर जा रही यात्रियों से भरी महिंद्रा बस को रोककर बैनर पोस्टर बांधा और बस को वापस बीजापुर भेज दिया था। ऐसे में नक्सलियों के आज बुलाए बंद से लोग दहशत में हैं। हालांकि बीजापुर पुलिस अधीक्षक ने लोगों से अपील की है, कि वे घबराएं नहीं। उन्होंने भरोसा दिया है कि नक्सलियों की किसी भी हरकत से निपटने के लिए पुलिस फोर्स तैयार है।

पुलिस अधीक्षक आंजनेय वार्ष्णेय ने कहा पुलिस लगातार पुलिस पेट्रोलिंग कर रही है। डरने या घबराने की जरुरत नहीं है। सुरक्षा की दृष्टि से हम पूरी तरीके से तैयार हैं।

बीजापुर जिले में नक्सलियों के बंद का असर दिख रहा है।आज यात्री बसों के पहिए थमें हैं। रायपुर, जगदलपुर, महाराष्ट्र और तेलंगाना जाने वाली यात्री बसों के पहिये बीजापुर में ही थम गए हैं। सभी यात्री बसें दहशत के कारण बस स्टैंड में ही खड़ी हैं। जिले के अंदरूनी इलाकों में भी यात्री बसें नही चल रही हैं। नक्सली चेतावनी के बाद दहशत की वजह से बीजापुर जिला मुख्यालय समेत अंदरूनी इलाकों के सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद हैं।

2 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान लोन वर्राटू (घर वापस आईये) के तहत विधानसभा चुनाव से पहले सक्रिय 2 नक्सलियों मार्जूम पंचायत मिलिशिया सदस्य पेजाराम मंड़ावी पिता स्व. कोसा राम मंड़ावी एवं मार्जूम डीकेएमएस सदस्य हांदा मंड़ावी पिता स्व.कोसा राम मंड़ावी ने दंतेवाड़ा पुलिस अधीक्षक गौरव रॉय के समक्ष किया आत्मसमर्पण कर दिया है। आत्मसमर्पित दोनो नक्सली कटेकल्याण एरिया कमेटी के मार्जूम पंचायत में सक्रिय थे। नक्सली बंद के दौरान रोड खोदना, पेड काटना एवं नक्सली बैनर, पोस्टर एवं पाम्पलेट लगाने की वारदातों में शामिल थे। लोन वर्राटू अभियान के तहत अब तक 166 ईनामी नक्सली सहित कुल 652 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर समाज के मुख्यधारा में जुड़ चुके हैं।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

साजा तहसील कार्यालय में दल का झंडा लेकर पहुंचा व्यक्ति

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव को लेकर आचार संहिता लागू है। इस दौरान किसी भी सरकारी कार्यालय में कोई भी दल अपना प्रचार-प्रसार नहीं कर सकता है, लेकिन गुरुवार को बेमेतरा जिले के साजा तहसील में एक व्यक्ति राजनीतिक दल का झंडा लेकर पहुंच गया। इस दौरान वहां हड़कंप मच गया। मौके पर मौजूद पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया है। जानकारी अनुसार, भावसिंह यादव (60) तहसील कार्यालय साजा में आपत्तिजनक स्थित में राजनीतिक दल का झंडा लेकर पहुंचा। काफी समझाने के बाद भी वह वहां से नहीं गया। इसे देखते हुए साजा एसडीएम ने भावसिंह यादव को धारा 151, 107/116 (3) के तहत कार्रवाई कर हिरासत में लिया है। बेमेतरा जिले में दूसरे चरण अंतर्गत 17 नवंबर को मतदान होना है। इस जिले में कुल तीन विधानसभा हैं, जिसमें बेमेतरा, साजा व नवागढ़ शामिल हैं। जिले में 6 लाख 58 हजार 593 मतदाता हैं। इनमें 3 लाख 31 हजार 143 पुरुष मतदाता और 3 लाख 27 हजार 446 महिला मतदाता हैं।

राज्य युवा आयोग के पूर्व सदस्य को एक वर्ष के लिए किया गया जिला बदर

बीजापुर। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी राजेन्द्र कटारा ने राज्य युवा आयोग के पूर्व सदस्य अजय सिंह पर एक वर्ष के लिए जिला बदर का आदेश जारी कर दिया है। अजय के विरुद्ध कई आपराधिक प्रकरण के मद्देनजर न्यायलय कलेक्टर में सुनवाई के बाद कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी ने आदेश जारी किया है। विदित हो कि कांग्रेस पीसीसी सदस्य रहे अजय सिंह को वर्तमान बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगाने तथा लगातार बयान बाजी के मद्देनजर पहले पार्टी से निष्कासित किया जा चुका है। इसके अलावा राज्य युवा आयोग सदस्य के पद से भी हटाया जा चुका है। अब चुनाव आचार संहिता के बीच जिला बदर की कार्रवाई की गई है। अजय ने अपने विरुद्ध कार्रवाई को गलत ठहराते उच्च न्यायालय में फैसले को चुनौती देने की बात कही है। साथ ही फैसले को दुर्भावनापूर्ण ठहराते कलेक्टर पर विधायक के इशारे पर काम करने का आरोप भी लगाया है।

मंत्री रविंद्र चौबे को टक्कर देने जेसीसीजे ने संभाला मोर्चा

बेमेतरा। बेमेतरा जिला में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर चुनावी मैदान सजा गया है। साजा विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस और भाजपा के अलावा जोगी कांग्रेस पार्टी ने भी ताल ठोक दी है। जेसीसीजे अब जगह-जगह कार्यकर्ता सम्मेलन कर रही है ताकि क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत कर सके। जेसीसीजे नेता ईश्वर उपाध्याय ने कांग्रेस और भाजपा को आड़े हाथों लेते हुए दोनों ही पार्टी को छत्तीसगढ़ की जनता के साथ छल करने वाली पार्टी बताया। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों पार्टियों में प्रदेश का फैसला दिल्ली में तय किया जाता है। जोगी कांग्रेस की सरकार बनी तो सारे फैसले छत्तीसगढ़ की जनता के बीच होंगे। ईश्वर उपाध्याय ने कहा हम सभी केवल विधानसभा क्षेत्र के निवासी या कार्यकर्ता नहीं हैं। हम सभी जोगी परिवार के अहम सदस्य हैं। हमारे नेता अमित जोगी ने 10 कदम गरीबी खत्म का नारा देते हुए चुनावी मैदान में उतरने की घोषणा की है। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) ने शपथ पत्र देकर जनता के बीच जाने की बात कही है। जोगी कांग्रेस ने मैदानी इलाकों में पूर्ण शराब बंदी का वादा किया है।

भाजपा से इस्तीफा देकर जोगी की पार्टी में शामिल हुए राजेंद्र

बालोद। बालोद जिले में भाजपा के प्रत्याशियों की घोषणा के बाद अब बिखराव का दौर शुरू हो चुका है। कांग्रेस से लेकर जेसीसीजे और भाजपा तक के सफर कर चुके पूर्व विधायक राजेंद्र कुमार राय अब फिर से जोगी कांग्रेस की पार्टी में शामिल हो चुके हैं। उन्होंने कल विधिवत अपना इस्तीफा सौंप दिया है अब राजेंद्र कुमार राय फिर से जोगी के राय बन चुके हैं। जेसीसीजे न उन्हें दूसरी बार पार्टी से उम्मीदवार बनाया है। आइए जानते हैं उनकी राजनीति जो दलों में लगातार बंटती रही। उन्होंने भाजपा के ऊपर आदिवासी नेता की उपेक्षा का आरोप लगाया है और प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। पूर्व विधायक राजेंद्र राय राज परिवार के वंशज हैं राय ने वर्ष 2011 में अपने पुलिस विभाग के डीएसपी पद से इस्तीफा दिया और 2013 में कांग्रेस से प्रत्याशी बनकर चुनाव लडे। जहां उन्होंने जीत दर्ज करते हुए 72,720 वोट हासिल किया था और भाजपा से चुनाव लड़ रहे वीरेंद्र साहू को 21 हजार 280 मत के अंतर से हराया था।

कवर्धा में साहू समाज के तीन नेताओं ने थामा कांग्रेस का हाथ

कवर्धा। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव से पहले दलबदल का सिलसिला भी जारी है। हर पार्टी अपना-अपना कुनबा मजबूत करने में जुटी हुई है। इस बीच गुरुवार को कवर्धा में भाजपा को बड़ा झटका लगा है। कवर्धा विधानसभा की सबसे बहुल्य समाज के मुख्य जिला साहू समाज अध्यक्ष शीतल साहू ने कांग्रेस का दामन थाम लिया है। इसके साथ ही उपाध्यक्ष कौशल साहू, महामंत्री बलीराम साहू भी भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गए है। मंत्री मोहम्मद अकबर की अध्यक्षता में तीनों ने कांग्रेस पार्टी में प्रवेश किया। तीनों को मोहम्मद अकबर ने गमछा पहना कर पार्टी में प्रवेश कराया। कांग्रेस पार्टी में प्रवेश के बाद साहू समाज के जिलाअध्यक्ष शीतल साहू ने मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा कि, कवर्धा विधानसभा में साहू समाज के लगभग 60 हजार मतदाता हैं। यही कारण है कि भाजपा हमेशा से कवर्धा विधानसभा सीट से साहू समाज का प्रत्याशी चुनाव में उतारती रही है। समाज के लोग बेहद निष्ठा और ईमानदारी से पार्टी के लिए काम भी करते आए हैं।

चुनाव में बूथ कार्यकर्ताओं की भूमिका महत्वपूर्ण : कुमारी सैलेजा

कोंडागांव। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस महासचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलेजा कोंडागांव कांग्रेस भवन पहुंची जहां विधानसभा स्तर के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि चुनाव में बूथ के कार्यकर्ताओं की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण हैं। बूथ स्तर के कार्यकर्ता से बड़ा कोई नेता नहीं हैं, आपके मेहनत का परिणाम हैं कि मोहन मरकाम को आज संगठन से लेकर सरकार में काम करने का अवसर मिला हैं।

उन्होंने कहा कि आप लोगों के कार्यों को देख विपक्षियों ने राष्ट्रीय स्तर में पदाधिकारी बनाया हैं और उसे ही मैदान में उतारा हैं। आप लोगों ने जैसे पहले जवाब दिया था, इस बार बार भी वैसे ही जवाब देकर वोट की चोट लगानी हैं। विकास किये हैं विकास करेंगे, अब की बार 75 पार के तर्ज पर पुनः सरकार स्थापित करने पुरी तन्मयता के साथ काम करें और अपने क्षेत्र के विकास मे सहभागी बनें।

सैलेजा के साथ बैठक में सह प्रभारी द्वय चंदन

यादव, विजय जांगिड़, राज्य सभा सांसद फूलो देवी नेताम, प्रदेश कांग्रेस महामंत्री मलकीत गैदू, जिला कांग्रेस प्रभारी करण देव, विधानसभा प्रभारी यशवर्धन राव, मँहगु मरकाम, पीसीसी सदस्य शांतिलाल सुराना, मोहन मरकाम, जिला कांग्रेस अध्यक्ष झूमूकलाल दिवान के साथ ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष, शहर कांग्रेस अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, महिला कांग्रेस युवा कांग्रेस एनएसयूआई, सेवादल मंडल व सेक्टर के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जयसिंह अग्रवाल के नामांकन में शामिल हुई कुमारी शैलजा

कोरबा। कोरबा विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी व राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल के नामांकन दाखिले को लेकर छत्तीसगढ़ की कांग्रेस प्रभारी कुमारी शैलजा कोरबा पहुंची। मुड़ापार हेलीपैड पर प्रत्याशी सहित पार्टी के पदाधिकारी व सदस्यों ने उनका स्वागत किया। यहां से वह नामांकन दाखिल करने के प्रत्याशियों के साथ कलेक्ट्रेट के पहुंची। नामांकन दाखिले के दौरान हजारों की संख्या में कांग्रेसी नेताओं और कार्यकर्ताओं की भीड़ घंटाघर ओपन थियेटर के मैदान में मौजूद रही। कोरबा विधानसभा से राजस्व मंत्री जय सिंह अग्रवाल, पालीतानाखार से दिलेश्वरी सिदार, रामपुर विधानसभा से फूल सिंह राठिया, कटघोरा से पुरुषोत्तम कंवर चारों विधानसभा से प्रत्याशी कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां नामांकन दाखिल किया। इस दौरान प्रदेश प्रभारी के साथ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरण दास महंत, सांसद ज्योत्सना महंत,

कोरबा प्रत्याशी जय सिंह अग्रवाल, रामपुर प्रत्याशी फुल सिंह राठिया, कटघोरा प्रत्याशी पुरुषोत्तम कंवर भी साथ में मौजूद रहे। प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा ने कहा कि सब मिलकर चुनाव लडेंगे, जो टिकट नहीं मिलने से असंतुष्ट हैं, उनसे चर्चा की जा रही है। सभी साथ मिलकर काम करेंगे और इस बार भी जीत सुनिश्चित है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बन रही है। काफी वोटों से लीड कर रही है। कांग्रेस मजबूत स्थिति में है।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस के सातों प्रत्याशियों ने एक साथ दाखिल किया नामांकन

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में

रायपुर जिले के सात विधानसभा क्षेत्रों के कांग्रेस प्रत्याशियों ने गुरुवार को नाामांकन दाखिल किया। नामांकन दाखिल करने वालों में धरसींवा से छाया वर्मा, रायपुर ग्रामीण से पंकज शर्मा, रायपुर उत्तर से कुलदीप जुनेजा, पश्चिम से विकास उपाध्याय, रायपुर दक्षिण से महंत रामसुंदर दास, अभनपुर से धनेंद्र साहू और आरंग से शिव डहरिया शामिल थे। नामांकन दाखिल से पहले सभी प्रत्याशी शहर जिला कांग्रेस कार्यालय गांधी मैदान में में एकत्र हुए जहां मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जनसभा को संबोधित किया गया। इसके बाद सभी प्रत्याशी अपने-अपने समर्थक कार्यकर्ताओं के साथ कलेक्टोरेट परिसर पहुंचे और नामांकन पत्र दाखिल किया।

भाजपा के राष्ट्रीय नेता आज करेंगे आमसभा को संबोधित

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव का

बिगुल बचने के साथ ही भारतीय जनता पार्टी ने भी अपनी कमर कस ली है और लगातार राष्ट्रीय नेता छत्तीसगढ़ दौरे पर आ रहे है और नामांकन रैली में शामिल होने के साथ ही जनसभा को संबोधित भी करते हुए आम जनता को अपनी ओर रीझाने की कोशिश कर रहे है। इसी बीच कल पूर्व केंद्रीय क़ानून मंत्री रविशंकर प्रसाद सूरजपुर और दुर्ग के दौरे पर रहेंगे। श्री प्रसाद सुबह 11 बजे सूरजपुर में और दुर्ग में दोपहर 3 बजे आम सभा को संबोधित करेंगे। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा कल सुबह 11 बजे मनेंद्रगढ़ में व एक बजे कोरबा में आम सभा को संबोधित करेंगे। वहीं केंद्रीय मंत्री व सांसद मीनाक्षी लेखी सुबह 11.30 बजे गरियाबंद में नामांकन कार्यक्रम में शामिल होकर आम सभा को संबोधित करेंगी।

कांग्रेस ने नियुक्त किया चुनावी प्रचार-प्रसार के लिए पर्यवेक्षक

रायपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने विधानसभा चुनाव को देखते हुए प्रदेश के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में चुनावी प्रचार- प्रसार के लिए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है।नियुक्त किए गए पर्यवेक्षकों में विधानसभा दुर्ग ग्रामीण- ओमवीर सिंह पंवार, कोरबा- मनोज गोहाना, अहिवारा- तोता राम कोहली, सुशील धनक, रायपुर दक्षिण- सुरेन्द्र वाटिया, नवागढ़- दिनेश दलाल, सतेन्दर मान, साजा- मुकेश अंतिल पंडरिया- राजकुमार, सुखबीर जंती, दुर्ग सिटी- एस.एल. शर्मा, रायपुर- योगेश कुमार धिंगरा, मोहन ढिल्लन, गौरव धिंगरा, गौतम पराग, संजीव चौधरी, आरंग- वंदना सिंह, सविता चौधरी, बिलासपुर- सतबीर डगर, मोहद. बिलाल, बेलतरा- मनोज अग्रवाल, प्रियंका अग्रवाल, दिनेश सैन, दयाराम सैन, मुंगेली- राकेश तनवर, डोंगरगांव- कृष्ण सतरोड़, खुज्जी- मंजीत जुलाना, वैशाली नगर- सन्नी मलिक, डोंगरगढ़- आनंद जखर, बिलासपुर सिटी- धरमलाल गुप्ता, बेमेतरा- रणधीर धीरा, भिलाई- सतपाल चौहान, अमन तनवर, अशोक राघव, कर्मवीर सरोहा, मनवेन्द्र सिंह चौहान, कुरूद- बलवान सिंह दौलतपुरिया, धमतरी- चरणजीत सिंह रोरी, सिहावा- राजेश चाडीवाल, तखतपुर- प्रियंका हुड्डा, अकलतरा- भूपिंदर गंगवा, कवर्धा- हरि ओम कौशिक, रायपुर ग्रामीण- संजीव भारद्वाज, लाल बहादुर खोवाल, मंदीप पुनिया, एस.के. वर्मा, अभनपुर- रोहतस बेदी, धरसीवा- रोहित जैन, खैरागढ़- मयंक दुर्ग, कोटा- राहुल राव कोसली, सक्ती- नितेश भारद्वाज, रायगढ़- रणदीप लोहचाब, मास्टर हरि सिंह, बिलासपुर- अनिल सैनी, बिल्हा ललित बुटाना शामिल है।

29 व 30 को भगवंतमान का रोड शो

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आम आदमी पार्टी के द्वारा अब तक 45 उम्मीदवारों की घोषणा एवं नाम निर्देशन पत्र जमा किया जा चुका है, जिसमें भानुप्रतापपुर में प्रदेश अध्यक्ष कमल हुपेंडी शामिल हैं। कुछ उम्मीदवारों की घोषणा जल्द होने की संभावना है। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रमुख प्रवक्ता सूरज उपाध्याय एवं प्रवक्ता विजय कुमार झा ने बताया है कि 30 अक्टूबर को नाम निर्देशन पत्र दाखिला की अंतिम तिथि है। 28 और 29 अवकाश होने के कारण नामांकन नहीं भरे जाएंगे, नामांकन के अंतिम चरण में पंजाब के मुख्यमंत्री श्री भगवत मान दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास पर आ रहे हैं। वह चांपा जांजगीर भानु प्रतापपुर जिले में रोड शो करने के बाद 30 अक्टूबर को संध्या रायपुर राजधानी में रोड शो करेंगे।

चुनाव से पहले हवाला के 22 लाख जब्त

रायपुर। राजधानी रायपुर के गोलबाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत जवाहर मार्केट के पास पुलिस ने दोपहिया चालक से हवाला के 22 लाख रुपये जब्त किए हैं। वहीं गंज थाना क्षेत्र में 7.58 लाख जब्त किए गए हैं। जानकारी के अनुसार प्रोफेसर कालोनी सेक्टर-4, शिवकृपा बंगले के पास रहने वाला जसवंत कुमार कारिया (25) मूल निवास ग्राम रखियाल, थाना राखियाल, तहसील गांधीनगर, जिला गांधीनगर (गुजरात) बाइक से 22 लाख रुपये लेकर जा रहा था। पूछताछ के दौरान वह संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया।

छत्तीसगढ़ को बेचने वालों के हाथ में देना है या बचाने वालों के हाथ में जनता करें तय: बघेल

किसानों की कर्जमाफी से भाजपा के पेट में दर्द होता है, छत्तीसगढ़ को लूटने वालों से लड़ाई लड़ रही है कांग्रेस

रायपुर। कांग्रेस ने हिंदुस्तान को लूटने वालों अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी थी। कांग्रेस आज भी छत्तीसगढ़ को लूटने वालों से लड़ाई लड़ रही है। इस चुनाव में आपको तय करना है कि छत्तीसगढ़ बेचने वालों के हाथ में देना है या बचाने वालों के हाथ में। यह बात मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रायपुर के गांधी मैदान में आयोजित जनसभा में कही। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि हम किसानों का कर्ज माफ करते हैं तो बीजेपी के पेट में दर्द होता है, जबकि मोदी जी ने साढ़े 14 लाख करोड़ रुपये उद्योगपतियों का कर्ज माफ कर दिया, किसी ने सवाल नहीं खड़ा किया। उन्होंने कहा कि यदि गलती से भी बीजेपी की सरकार आ गई तो छत्तीसगढ़ के खदान, नगरनार स्टील प्लांट सब निजी हाथों में बेच दिया जाएगा। कांग्रेस की लड़ाई हमेशा अन्याय और अत्याचार के खिलाफ रही है। हमने पहले पहले अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी। हमारे नेता राहुल गांधी जी और खडग़े जी आज भी हिंदुस्तान और छत्तीसगढ़ को लूटने वालों से लड़ाई लड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सवाल खड़ा किया कि आज खदान, रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट, फैक्ट्री किसे बेचा जा रहा है। इस पर जनता ने जवाब दिया अडानी को।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक तरफ नेहरू जी का बनाया हुआ भिलाई स्टील प्लांट है, जिससे लाखों परिवार चल रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ नगरनार स्टील

प्लांट का उद्घाटन करने मोदी जी आए थे, जिसके निजीकरण के विरोध में बस्तर बंद था। नगरनार स्टील प्लांट का निजीकरण न हो इस पर मोदी जी ने एक शब्द नहीं बोला।

हार के सदमे से उबर नहीं पाई भाजपा

बघेल ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं के भीषण संघर्ष के कारण 15 साल तक सरकार में रहने के बाद भी बीजेपी 15 सीटों पर सिमट गई। बीजेपी अभी तक हार के सदमे से उबर नहीं पाई है। छत्तीसगढ़ में इतनी बुरी हार किसी राजनीतिक दल की कभी नहीं हुई।

रमन सिंह सबसे बड़े भ्रष्टाचारी

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि सबसे बड़े भ्रष्टाचारी तो रमन सिंह हैं, जिन्होंने चिटफंड कंपनी के पैसे खाए, नान घोटाला, चावल घोटाला किया। यहां तक कि टिफिन, चप्पल, मोबाइल वितरण तक में घोटाला किया। राजनांदगांव में उनके नामांकन में आए गृहमंत्री अमित शाह भ्रष्टाचारियों को उल्टा लटकाने की बात कह रहे थे जबकि रमन सिंह उनके बगल में ही खड़े थे।

हमारे बटन दबाने से हितग्राहियों की जेब में पैसा जाता है

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार में आम जनता की आय बढ़ी है। हम बटन दबाते हैं तो किसानों, भूमिहीन मजदूरों, गोबर विक्रेताओं की जेब में पैसा जाता है। कोरोना के समय में कांग्रेस की सरकार ने तीन महीने का राशन एडवांस में जरूरतमंदों को पहुंचाया। 26 लाख लोगों को मनरेगा से काम दिया। आज हर परिवार को 35 किलो चावल, स्वामी आत्मानंद स्कूल, अंग्रेजी कॉलेज, हाफ बिजली बिल, हाट बाजार क्लिनिक का लाभ मिलता रहे इसलिए फिर से कांग्रेस की सरकार लाना जरूरी है।

ईडी, आईटी से हम डरने वाले नहीं

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ईडी, आईटी के छापे से कांग्रेस और छत्तीसगढ़ की जनता को डराते हैं। लेकिन यह छत्तीसगढ़ है यहां लोहे का उत्पादन होता है, हम फौलादी लोग हैं किसी से डरने वाले नहीं हैं।

कर्ज माफी और धान खरीदी का भाजपा के पास नहीं है कोई तोड़ : मुख्यमंत्री

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 में पहले चरण के

मतदान से पहले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मास्टरस्ट्रोक खेला है। सीएम बघेल ने ऐलान किया है कि छत्तीसगढ़ में दोबारा कांग्रेस सरकार बनी तो फिर कांग्रेस प्रदेश के किसानों का कर्ज माफ करेगी। गुरुवार को मीडिया से बातचीत में सीएम भूपेश बघेल ने कहा है कि कांग्रेस के इस मास्टर स्ट्रोक का बीजेपी के पास कोई भी जवाब नहीं है। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में पहले चरण की वोटिंग की तारीख करीब आते आते चुनावी घमासान तेज हो गया है। खासकर भाजपा और कांग्रेस के बीच जमकर जुबानी जंग चल रही है। आरोप प्रत्यारोप का सिलसिला भी तेज हो गया है। आज सीएम भूपेश बघेल ने एक बार फिर बीजेपी पर निशाना साधा है। सीएम भूपेश बघेल ने कहा किसानों, मजदूरों, युवाओं, महिलाओं में जबरदस्त उत्साह है। किसानों की कर्ज माफी और धान खरीदी का बीजेपी के पास कोई तोड़ नहीं है। सीएम भूपेश बघेल ने रमन सिंह पर भी निशाना साधा। भूपेश बघेल ने कहा कि भाजपा में सिर्फ रमन सिंह की चल रही है। उन्होंने कहा रमन सिंह ही चुनाव लड़ रहे हैं, भाजपा चुनाव नहीं लड़ रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल गुरुवार को कलेक्ट्रेट पहुंचे और कांग्रेस उम्मीदवारों का नामांकन दाखिल कराया।

जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी ने जारी की प्रत्याशियों की दूसरी लिस्ट

अमित बघेल धरसींवा से लड़ेंगे चुनाव

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी (जेसीपी) ने अपने उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में 5 उम्मीदवारों को चुनावी मैदान में उतारा है। इससे पहले जेसीपी ने 24 अक्टूबर को पहली लिस्ट जारी की थी, इसमें 31 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे थे। इसके साथ ही पार्टी ने 44 बिंदुओं पर घोषणा पत्र भी जारी की थी।

जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के दूसरी लिस्ट जारी हो गई है। इस लिस्ट में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अमित बघेल का भी नाम शामिल है। वे धरसींवा विधानसभा से चुनावी मैदान में उतरेंगे। इसके साथ ही दुर्ग ग्रामीण से कामेश साहू को टिकट मिला है। जेसीपी ने अब तक कुल 36 सीटों पर अपने प्रत्याशी घोषित कर दी है।

पार्टी ने 44 बिन्दुओं पर अपना घोषणा पत्र भी जारी किया था। इस दौरान पार्टी ने कहा था कि धान का समर्थन मूल्य बढ़ाकर 3200 रुपए करेंगे। वहीं छत्तीसगढ़ियों को आर्थिक सुरक्षा की गारंटी दी जाएगी।

पहली सूची में 31 प्रत्याशियों के लिस्ट में पाटन से मघुकांत साहू, कसडोल से डॉ. देवेश वर्मा, राजनांदगांव से मनीष देवांगन को टिकट दिया गया है। इस पार्टी का चुनाव चिन्ह छड़ी है। जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी की दूसरी लिस्ट में पाली-तानाखार से शिवराज सिंह पैकरा, जांचगीर चांपा से बीना साहू, धरसीवां से अमित बघेल, संजारी बालोद से चंद्रभान साहू, दुर्ग ग्रामीण से कामेश साहू को टिकट दिया गया है।

भाजपा 13 विधायकों का आंकड़ा भी मेंटेन कर पाएंगे या नहीं : भूपेश बघेल

भाजपा मानसिक रूप से विपक्ष पर बैठने को तैयार

रायपुर। चुनावी समर में शब्दभेदी बाण जमकर चल रहे हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा और केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि कांग्रेस ने चार वादे किए। इससे भाजपा की बोलती बंद हो गई है। कर्ज माफी की घोषणा को लेकर मुख्यमंत्री ने मीडिया से चर्चा में कहा कि कोरोना काल के कारण किसानों के हित में कर्ज माफी का फैसला लिया गया है। इसके अलावा पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह की भाजपा सरकार आने पर गरीबों को आवास देने की घोषणा पर मुख्यमंत्री ने प्रश्न उठाया है कि रमन सिंह किस आधार पर आवास देगे, क्योंकि भारत सरकार ने न तो कोई आर्थिक सर्वेक्षण कराया है और न ही जनगणना कराई है।

गौरतलब है कि कांग्रेस ने कर्ज माफी, 20 क्विंटल धान खरीदी, जातिगत जनगणना और 17.50 लाख गरीबों को आवास देने का वादा किया है। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि भाजपा को धन्यवाद देना चाहता हूं कि वह विपक्ष में बैठने की मानसिकता लेकर बैठने को तैयार हैं। उन्होंने चुटकी ली कि 13 विधायकों का आंकड़ा भी मेंटेन कर पाएंगे या नहीं या उससे भी नीचे जाएंगे। बालोद की चुनावी सभा मुख्यमंत्री ने कहा कि डा. रमन सिंह ने 15 साल तक छत्तीसगढ़ की जनता को झूठे दावों में भुलाए रखा और अदाणी को राज्य की खनिज संपदा और खदानों को सौंप दिया। आज भी चुनाव भाजपा नहीं बल्कि डा. रमन सिंह लड़ रहे है और रमन सिंह अदाणी के इशारों पर काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने भाजपा नेताओं पर तंज कसते हुए सवाल पूछा कि आम जनता को मिलने वाली सौगातों को भाजपाई रेवड़ी कहते है तो फिर अदाणी को जो दिया जा रहा है क्या वो रबड़ी है?

खोखले दावों-वादों से कुछ नहीं होता : रमन सिंह

पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह ने मुख्यमंत्री के बयान पर पलटवार कर कहा कि कि ऐसे खोखले दावों-वादों से कुछ नहीं होता है, प्रदेश में चुनाव का बिगुल बज चुका है और जनता कांग्रेस से हिसाब करने के लिए तैयार है । पांच दिसंबर को तय हो जाएगा कि कांग्रेस के भ्रष्टाचार और भाजपा के सुशासन में किसकी जीत होती है। भूपेश पूछ रहे हैं हम किस आधार पर आवास देने की बात कर रहे हैं तो मैं उन्हें बता दूं कि गरीबों को उनका अधिकार दिलाने के लिए आंकड़ों की नहीं सच्ची नीयत की ज़रूरत होती है। बाक़ी जहां तक आवास का प्रश्न है तो मैं भूपेश को याद दिलाना चाहता हूं कि यह वही 16 लाख आवास हैं , जिसे आपकी सरकार ने गरीबों से छीन लिया था और भाजपा की सरकार बनते ही हम हर जरूरतमंद को पक्की छत देंगे।

जेसीसीजे की तीसरी लिस्ट जारी, लोरमी से सागर और महासमुंद से राशि को मिला टिकट

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जोगी) ने अपने प्रत्याशियों की तीसरी लिस्ट जारी कर दी है। इस सूची में कुल 5 प्रत्याशियों के सियासी रण में उतारा गया है। इसमें सामरी से प्रभा बेला मरकाम, लोरमी से सागर सिंह बैस , मुंगली से डॉ. सरिता भारद्वाज, जांजगीर चांपा से रविंद्र द्विवेदी (गुड्डू महाराज) और महासमुंद से राशि महिलांग शामिल हैं।

जेसीसीजे की 11 प्रत्याशियों की दूसरी सूची में जोगी परिवार से दो नाम थे। इनमें पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी की पत्नी ऋचा जोगी को अकलतरा से चुनावी मैदान में उतारा गया है। वहीं उनकी मां और स्व. अजीत जोगी की पत्नी रेणु जोगी कोटा से चुनाव लड़ेंगी। इससे पहले जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) ने छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पहली लिस्ट 20 अक्टूबर को जारी की थी। इसमें 16 प्रत्याशियों को चुनावी मैदान में उतारा गया था। पहले चरण में होने वाली 20

सीटों पर चुनाव के लिए जेसीसीजे ने प्रत्याशियों की घोषणा की थी। इस तरह से जेसीसीजे अब तक कुल 32 प्रत्याशियों को टिकट दे चुकी है।

तीसरी सूची में इन प्रत्याशियों को मिला मौका

सामरी से प्रभा बेला मरकाम, लोरमी से सागर सिंह बैस, मुंगली से डॉ. सरिता भारद्वाज, जांजगीर चांपा से रविंद्र द्विवेदी (गुड्डू महाराज), महासमुंद से राशि महिलांग शामिल है।

कांग्रेस विधायक किस्मत लाल ने छोड़ी पार्टी, जनता कांग्रेस से लड़ेंगे चुनाव

कांग्रेस के एक और बागी विधायक किस्मत लाल नंद ने जनता कांग्रेस में प्रवेश कर लिया है। अमित जोगी ने आज जोगी बंगले में किस्मत लाल नंद को जनता कांग्रेस की सदस्यता दिलायी। किस्मत लाल नंद कांग्रेस की टिकट पर 2018 में सरायपाली से चुनाव लड़े थे। पुलिस विभाग में डीएसपी के पद से रिटायर हुए किस्मत लाल नंद को पार्टी ने टिकट दिया था। वो सरायपाली से चुनाव जीते भी थे, लेकिन पिछले दिनों कांग्रेस की जारी हुई लिस्ट में किस्मत लाल नंद को पार्टी ने टिकट नहीं दिया। चर्चा थी कि किस्मतलाल नंद अपना पाला बदल सकते हैं। कयास आज सच साबित हुए हैं। किस्मत लाल नंद को जनता कांग्रेस ने अपनी पार्टी में शामिल कराया है। खबर है कि सरायपाली से ही जोगी कांग्रेस के प्रत्याशी भी बनेंगे।

आदर्श आचार संहिता में आबकारी विभाग कर रहा संवेदनशील स्थानों की सघन जांच

रायपुर। राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिये आदर्श आचार संहिता के दौरान आबकारी विभाग द्वार रेल्वे स्टेशन, बस स्टैण्ड, होटल ढाबा सहित अन्य संवेदनशील स्थानों में सघन जांच की जा रही है। सचिव सह आबकारी आयुक्त महादेव कावरे के निर्देशानुसार आबकारी टीम के द्वारा विधान सभा निर्वाचन 2023 में अवैध मदिरा के धारण / विक्रय / परिवहन की सूचना पर त्वरित विधिवत प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में रेल्वे स्टेशन, बस स्टैण्ड, होटल ढाबा सहित अन्य संवदनशील स्थानों में भी सघन जांच की जा रही है। आबकारी विभाग एवं रेल्वे सुरक्षा बल की संयुक्त टीम द्वारा सोमवार को रायपुर रेल्वे स्टेशन एवं स्टेशन से गुजरने वाली गाडियों की सघन जांच की गई। इसी कड़ी में आबकारी विभाग की संयुक्त टीम द्वारा भाठागांव स्थित बस स्टैण्ड में बसों की सघन जांच की गई। आचार संहिता के दौरान होटल एवं ढाबों में लगातार छापा मार कार्यवाही कर प्रकरण कायम किये जा रहे है। श्री ढाबा (रीवा/लखोली). खुशी ढाबा (रसनी), हाईवे फैमिली ढाबा (हीरापुर), इंडियन डाबा (केन्द्री). यारा द ढाबा (अभनपुर), गुरू कृपा ढाबा (अमनपुर), महराजिन ढाबा (तिल्दा), ओम साई बाबा (भनपुरी), चौधरी ढाबा (आरंग). पांडेय ढाबा (तिवरैया / धरसींवा). बंजारा होटल (नायकांड / खरोरा), राकेश निषाद होटल (समोदा) में छापामार कार्यवाही करते हुये आबकारी अधिनियम के विभिन्न धाराओं के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। आदर्श आचार संहिता लगने के पश्चात से आबकारी विभाग द्वारा कुल 77 प्रकरण पंजीबद्ध कर कुल 79 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनसे कुल 577:16 बल्क लीटर मदिरा (जिसका बाजार मूल्य लगभग 353461 रुपये) तथा 12 दोपहिया वाहन (जिसका बाजार मूल्य 554000 रूपये) जप्त किया गया है। जिले में शराब एवं मादक पदार्थों के अवैध विक्रय परिवहन एवं धारण पर रोकथाम हेतु शिकायत दर्ज कराये जाने हेतु टेलीफोन नंबर 0771-2428201 एवं टोल फ्री नंबर 14405 जारी किया गया है जिसमें कोई भी आम नागरिक शिकायत कर सकते हैं ।

जुमलों की बारिश कर रही भाजपा, अडानी को रबड़ी परोसी : सुप्रिया

- **कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता ने प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह पर कसा तंज**

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव को लेकर सियासत गरमाई हुई है। राजनीतिक पार्टियां एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रही हैं। इसी क्रम में कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता और सोशल मीडिया चेयरमैन सुप्रिया श्रीनेत ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में प्रेस-कॉन्फ्रेंस ली। इस दौरान उन्होंने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। इसके साथ ही पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह में तंज कसा।

कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि छत्तीसगढ़ का चुनाव मुहाने पर है, तो कांग्रेस सरकार अपने काम के दम पर, अपने रिपोर्ट कार्ड पर जनता से वोट मांग रही है। हमारी प्रतिद्वंदी भारतीय जनता पार्टी एक बार फिर से जुमलों की बारिश कर रही है। उन्होंने मोदी और शाह पर तंज कसते हुए कहा कि फेंकने में पीएम मोदी और उनके परम चेले अमित शाह का कोई जवाब ही नहीं है, पर इस चुनाव की सारी लड़ाई अंततोगत्वा-रेवड़ी और रबड़ी पर आकर टिक गई है।

उन्होंने कहा कि हमने गरीबों, शोषितों, वंचितों और आदिवासियों के लिए पूरी ईमानदारी से काम किया है। इसे नरेंद्र मोदी रेवड़ी बताते हैं। उन्होंने अडानी के लिए दिन रात मेहनत की, लेकिन उस रबड़ी पर चर्चा नहीं करते। इस दौरान श्रीनेत ने कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार की बड़ी उपलब्धियां गिना गिनाई है।

श्रीनेत ने कहा कि इस दौरान केंद्र सरकार ने सिर्फ और सिर्फ रोड़ा लगाने का काम किया। यहां तक कि हमारी सरकार की ज्यादा दाम पर धान खरीदने की पहल को भी रोकने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। उन्होंने कहा कि लेकिन हम भी कम नहीं है, तू डाल-डाल तो मैं पात-पात। श्रीनेत ने कहा मोदी सरकार ने ऑर्डर निकाल कर कहा कि अगर कोई

सरकार एमएसपी से ज्यादा पर धान खरीदेगी तो केंद्र सरकार के पूल में वो नहीं खरीदा जाएगा। पीएम मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि रेवड़ी रेवड़ी चीखने वाले अडानी के लिए लगातार रबड़ी परोसी है। बस्तर में एनएमडीसी के नगरनार स्टील प्लांट को अडानी को सौंपने की पूरी तैयारी के बावजूद अब कहा जा रहा है ऐसा नहीं होगा। तो फिर वित्त मंत्रालय की विनिवेश वेबसाइट पर अभी तक इसका नाम क्यों है। यह वही चुनावी जुमला है, जिनकी बौछार करके प्रधानमंत्री खुद उनके बारे में अगले पल ही भूल जाते हैं।

गिनाई उपलब्धियां

40 लाख लोग गरीबी की सीमा रेखा से ऊपर आए, 44 लाख परिवारों का बिजली बिल हाफ होने से 4000 करोड़ का फायदा मिला, 6.5 लाख किसानों को 10,200 करोड़ की नि:शुल्क बिजली दी, 85,000 नौकरियां दी गई, 5 लाख रोजगार बनाए गए, 2018 के पहले मात्र 12 लाख किसान धान बेचने के लिए रजिस्टर होते थे, अब करीब 25 लाख किसान रजिस्टर्ड हैं, तमाम कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से 1.75 लाख करोड़ लोगों के खाते में सीधे डाले, 700 से ऊपर स्वामी आत्मानंद विद्यालय बनवाए, मेडिकल कॉलेज 7 से बढ़कर 11 हुए, 3 निजी कॉलेज, 4 और खुलेंगे, एमबीबीएस की सीटें दोगुनी हो गई, कौशल्या माता मंदिर का जीर्णोद्धार किया, राम वन गमन पथ बनवाया।

इन वादों को पूरा करने का किया दावा

कांग्रेस सरकार हर किसान का एक बार फिर से कर्जा माफ करेगी, प्रति एकड़ 20 क्विंटल धान की खरीदी की जाएगी, 17.5 लाख आवासहीनों के लिए मकान बनाएंगे, 5 सालों में 15 लाख लोगों को रोजगार के लिए रोजगार मिशन लक्ष्य को प्राप्त किया जाएगा, जातिगत जनगणना कर लोगों को उनका हक दिया जाएगा, आबादी के अनुपात में बनाए गए आरक्षण संशोधन विधेयक के 76 प्रतिशत आरक्षण को लागू किया जाएगा, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूलों की संख्या बढ़ाई जाएगी, बिजली बिल हाफ योजना को आगे बढ़ाया जाएगा।

राजस्थान में कांग्रेस को प्रियंका गांधी की जरूरत

अंकित सिंह

झुंझुनू में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा, इन दिनों हर कोई महिलाओं के बारे में बात कर रहा है क्योंकि राजनेता समझ गए हैं कि एक महिला का वोट कीमती है। राजस्थान में यह मामला और भी अधिक है, जहां 2018 के विधानसभा चुनावों में महिला मतदाताओं का मतदान प्रतिशत 74.66त्न था, जो पुरुष मतदाताओं 73.49त्न से अधिक था। अपनी झुंझुनू रैली में प्रियंका की उपस्थिति में, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने महिला-केंद्रित योजनाओं पर अपना ध्यान केंद्रित करते हुए, दो नई गारंटी की घोषणा की - प्रत्येक परिवार की महिला मुखिया को सालाना 10,000 रुपये और राज्य में 500 से 1.05 करोड़ लाभार्थी परिवारों के लिए सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडर का दायरा बढ़ाया गया। 25 नवंबर को होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों से पहले, आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) लागू होने के बाद से राहुल गांधी ने अभी तक राजस्थान का दौरा नहीं किया है और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केवल एक बार दौरा किया है, प्रियंका ने दो बार राज्य का दौरा किया है॒ पहले पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के गृह क्षेत्र दौसा और अब झुंझुनू। दिलचस्प बात यह है कि सितंबर की शुरुआत में इस चुनावी सीजन में प्रियंका की पहली रैली टोंक जिले में हुई थी, जहां से पायलट विधायक हैं, और जहां उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में किफायती भोजन उपलब्ध कराने के लिए इंदिरा रसोई ग्रामीण योजना शुरू की थी। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि पार्टी के राष्ट्रीय संगठन में उनकी नेतृत्वकारी भूमिका के अलावा, कांग्रेस ने राज्य में प्रियंका को तैनात करने के दो प्रमुख कारण हैं। पहला, राजस्थान कांग्रेस में महिला नेताओं की कमी। भाजपा के विपरीत, कांग्रेस के पास एक भी महिला नेता नहीं है जो पूरे राज्य में पहचानी जा सके। भाजपा के पास पिछले दो दशकों से पूर्व सीएम वसुंधरा राजे प्रमुख नेता हैं, हालांकि हाल ही में उनका प्रभाव कम हो रहा है। पिछले कुछ वर्षों में, कांग्रेस में महिला नेता रही हैं, लेकिन कोई भी अपने विभाग या जिले से परे एक प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में उभरने में सक्षम नहीं हो पाई है। गहलोत ने हाल ही में कई महिला-केंद्रित योजनाओं की घोषणा की है, जिनमें इंदिरा गांधी स्मार्टफोन योजना शामिल है, जिसके तहत 40 लाख महिलाओं को फोन दिए गए हैं, कुछ आवश्यक खाद्य सामग्री वितरित करने के लिए मुफ्त अन्नपूर्णा खाद्य पैकेट योजना और तलाकशुदा महिलाओं के लिए एकल नारी सम्मान पेंशन या विधवा जिसकी वार्षिक आय 48,000 रुपये से कम हो। इसी तरह, 55 वर्ष से अधिक आयु की महिलाएं भी सीएम वृद्धजन पेंशन योजना के तहत पेंशन के लिए पात्र हैं। मेधावी बच्चों के लिए स्कूटर और छात्रवृत्ति और मुफ्त सैनिटरी नैपकिन से लेकर आदिवासियों, पिछड़े वर्गों और विकलांग लोगों सहित महिलाओं के विशिष्ट वर्गों को लक्षित करने वाले कार्यक्रमों तक कई योजनाएं हैं। कांग्रेस सरकार ने महिलाओं सहित सभी वर्गों के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। प्रति परिवार 25 लाख रुपये का कवर प्रदान करने वाली चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, आंतरिक और बाह्य रोगी को मुफ्त दवाएँ और परीक्षण प्रदान करने वाली मुख्यमंत्री निशुलक निरोगी राजस्थान योजना और पुरानी पेंशन योजना की बहाली कांग्रेस सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों में से हैं। इन योजनाओं के माध्यम से और प्रियंका को राज्य में लाकर, कांग्रेस महिलाओं तक पहुंचने की उम्मीद कर रही है, जो 2018 के चुनावों में पुरुषों की तुलना में अधिक मुखर मतदाता थीं। राज्य में प्रियंका की बढ़ती उपस्थिति के पीछे दूसरा कारण यह धारणा है कि उनके मन में पायलट के प्रति नरम रुख है और उनके रहते हुए पायलट को गहलोत खेमे द्वारा दरकिनार नहीं किया जाएगा। हालांकि खड़गे सहित पार्टी नेतृत्व का झुकाव गहलोत की ओर हो सकता है, लेकिन प्रियंका के साथ ऐसा नहीं है, जो अपने संबोधनों में पायलट को स्वीकार करना और उनकी प्रशंसा करना नहीं भूलती हैं।

वसुंधरा के समर्थकों को टिकट

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने अभी तक दो सूचियों में 124 प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की है। भाजपा की पहली सूची में 41 व दूसरी सूची में 83 नाम घोषित किए गए हैं। पहली सूची में जहां भाजपा ने कर्नाटक फार्मूला अपनाते हुए कई दिग्गजों के टिकट काट दिए थे। वैसा कुछ दूसरी सूची में देखने को नहीं मिला। पहली सूची में भाजपा ने छह लोकसभा सदस्य, एक राज्यसभा सदस्य व दो पूर्व सांसदों को भी मैदान में उतारा था। मगर दूसरी सूची में किसी भी सांसद को प्रत्याशी नहीं बनाया गया।

राजनीतिक क्षेत्रों में चर्चा है कि भाजपा की पहली सूची जारी होने के साथ ही शुरू हुआ विवाद अभी तक थमने का नाम नहीं ले रहा है। दूसरी सूची में शामिल बहुत से प्रत्याशियों का भी विरोध हो रहा है। पहली सूची में तो जालौर से सांसद देवजी पटेल को सांचैर से प्रत्याशी बनाने का इतना अधिक विरोध हुआ की स्थिति मारपीट तक पहुंच गई। देवजी पटेल की गाड़ी को रास्ते में रोक कर उनके साथ मारपीट तक करने का प्रयास किया गया था। वहां पर पिछली बार दानाराम चौधरी चुनाव में हार गये थे। इस बार जीवाराम चौधरी दावेदारी जता रहे थे। देवजी पटेल को प्रत्याशी बनाने से दोनों नेता मिलकर विरोध कर रहे हैं।

जयपुर के विद्याधर नगर सीट से मौजूदा विधायक नरपत सिंह राजवी का टिकट काट कर राजसमंद से सांसद दिया कुमारी को दिया गया था। उसके बाद से राजवी के समर्थक दीया कुमारी का विरोध कर रहे थे। मगर दूसरी सूची में राजवी को चित्तौड़गढ़ से प्रत्याशी बनाकर उनका विरोध शांत कर दिया गया है। मगर चित्तौड़गढ़ से दो बार के मौजूदा विधायक चन्द्रभान सिंह आक्या अपनी टिकट कटने से इतने अधिक नाराज हैं कि आने वाले समय में वह निर्दलीय भी ताल ठोक सकते हैं। आक्या का कहना है कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी से मेरी पुराने समय से राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता है। जिस कारण जोशी ने मेरी टिकट काटी है।

राजसमंद से विधायक दीप्ती माहेश्वरी का भी जमकर विरोध हो रहा है। दीप्ती माहेश्वरी अपनी माता किरण माहेश्वरी के निधन के बाद

हुए उपचुनाव में जीत कर विधायक बनी थीं। अब पार्टी ने उन्हें दूसरी बार प्रत्याशी बनाया है तो स्थानीय लोग उनके खिलाफ मुखर होकर विरोध कर रहे हैं। वहां के अन्य दावेदारों का कहना है कि बाहरी प्रत्याशी को कब तक सहेंगे। असम का राज्यपाल बनाए जाने से खाली हुई उदयपुर शहर विधानसभा सीट पर पार्टी ने पूर्व जिला अध्यक्ष ताराचन्द जैन को प्रत्याशी बनाया है। वहां से टिकट के दावेदारी कर रहे उदयपुर नगर निगम के उप महापौर पारस सिंघवी ने मोर्चा खोल दिया है। सिंघवी ने आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी की तरफ से उदयपुर में ऐसे व्यक्ति को टिकट दिया गया है जो सनातन विरोधी हैं और पूजा पद्धति में विश्वास नहीं रखता है। सिंघवी का कहना है कि असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने मेरी टिकट कटवा कर जैन को प्रत्याशी बनवाया है।

जयपुर की झोटवाड़ा सीट पर पूर्व मंत्री राजपाल सिंह शेखावत का टिकट काटकर पूर्व केंद्रीय मंत्री व जयपुर ग्रामीण सीट से दूसरी बार के सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ को मैदान में उतारा गया है। इस सीट पर भी राज्यवर्धन राठौड़ को राजपाल समर्थकों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। भाजपा द्वारा घोषित 124 प्रत्याशियों में से तीन दर्जन प्रत्याशियों को अपने प्रतिद्वंद्वियों के कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा है। कई सीटों पर तो स्थिति इतनी खराब हो रही है कि पार्टी पदाधिकारियों की भी कोई नहीं सुन रहा है।

विधानसभा चुनाव में टिकटों की घोषणा से पूर्व भाजपा द्वारा बार-बार सामूहिक नेतृत्व व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर चुनाव लड़ने की बात कही जा रही थी। भाजपा आलाकमान बार-बार इस बात का संकेत भी दे रहा था कि राजस्थान में पुराने नेताओं के स्थान पर नए लोगों को मौका दिया जाएगा। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भी लगातार हाशिये पर धकेली जा रही थीं। सभी राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना था कि इस बार के चुनाव में भाजपा आलाकमान वसुंधरा राजे व उनके समर्थकों को तवज्जो नहीं देगा।

मगर पहली सूची जारी होने के बाद मचे बवाल को शांत करने के लिए दूसरी सूची में वसुंधरा राजे व उनके करीबन दो दर्जन समर्थकों को टिकट दिया गया है। वसुंधरा राजे को भी उनकी परंपरागत झालरापाटन सीट से ही पांचवीं बार प्रत्याशी बनाया गया है। भाजपा की दूसरी सूची को देख कर लगता है कि भाजपा आलाकमान ने अपने रुख में बदलाव कर लिया है। भाजपा ने दूसरी सूची में 51 मौजूदा विधायकों को टिकट दिया है। इसके साथ ही इस सूची में 27 सीटें ऐसी हैं जिन पर 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा हार गई थी। 16 सीटों पर प्रत्याशी बदले गए हैं।

भाजपा ने दूसरी सूची में आठ विधायकों के टिकट काटे हैं। इसमें सूरसागर से सूर्यकांता व्यास, सांगानेर से अशोक लाहोटी, चित्तौड़गढ़ से चंद्रभान सिंह आक्या, सूरजगढ़ से सुभाष पूनिया, नागौर से मोहन राम चौधरी, मकराना से रूपाराम, बड़ी सादड़ी से ललित कुमार ओस्तवाल, व घाटोल से हरेंद्र नीनामा शामिल हैं। नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ की सीट बदल कर उन्हें चूरू की बजाय तारानगर से टिकट दी गई है। वे पहले भी तारानगर से चुनाव लड़ कर जीत चुके हैं। कुछ दिन पहले ही भाजपा में शामिल हुए उदयपुर राजघराने के सदस्य विश्वराज सिंह मेवाड़ को नाथद्वारा से टिकट दिया गया है। उनका मुकाबला विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी से होगा। दिग्गज जाट नेता रहे नाथूराम मिर्धा की पोती व नागौर से कांग्रेस सांसद रही डॉ. ज्योति मिर्धा को नागौर सीट से प्रत्याशी बनाया गया है।

भाजपा की अभी तक जारी की गई सूची को देखकर लगता है कि सबसे अधिक टिकट वसुंधरा समर्थकों को दी गई है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा सांसद डॉक्टर किरोडीलाल मीणा, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के समर्थकों को भी प्रत्याशी बनाया गया है। भाजपा प्रत्याशियों की सूची पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की छाप भी दिखाई दे रही है। संघ से जुड़े कई लोगों को प्रत्याशी बनाया गया है।

भाजपा की सूची को देखकर लगता है कि भाजपा आलाकमान द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को प्रदेश की राजनीति से दूर करने के प्रयास सफल नहीं हो पाए हैं। वसुंधरा राजे राजस्थान में भाजपा की मजबूरी बन गई हैं। वसुंधरा समर्थक उन विधायकों के नाम भी सूची में शामिल हो गए हैं जिन पर गहलोत सरकार पर आये संकट के दौरान पार्टी लाइन से अलग रहने के आरोप लगे थे। हाड़ौती, मेवाड़ क्षेत्र में वसुंधरा राजे ने अपने ज्यादातर समर्थकों के टिकट क्लियर करवा कर भाजपा आलाकमान को झुका कर यह दिखा दिया है कि राजस्थान में वसुंधरा है तो भाजपा है। वसुंधरा के बिना राजस्थान में भाजपा की सरकार बनना मुश्किल ही नहीं असंभव है।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

महोपनिषद् (भाग-25)

गतांक से आगे...

हे विप्र! शून्य से भी शून्य की उत्पत्ति होती है, जैसे- आकाश शून्य है, परन्तु इसी से मनोहर दिखलाई पड़ने वाली नीलिमा प्रकट होती है। संकल्प के विनष्ट हो जाने पर चित्तवृत्तियाँ गल जाती हैं और इसी के साथ संसार का मोहरूपी कुहरा भी छँट जाता है। ऐसे में शरदऋतु के आगमन पर स्वच्छ आसमान की तरह वह अजन्मा, आद्य, अनन्त, एक, चिन्मात्ररूप ब्रह्म ही अन्तिम रूप से सुशोभित होता है।

बिना कर्ता और रङ्ग के आकाश चित्रित सा प्रतीत होता है। बिना द्रष्टा के स्वयं अनुभूत निद्राहीन स्वप्न दिखलाई देता है। यह चिदात्मा साक्षिरूप, सम (सबके प्रति समान रहने वाला), स्वच्छ, निर्विकल्प तथा दर्पणवत् है, उसमें बिना किसी आकांक्षा के तीनों लोक प्रतिबिम्बित हो रहे हैं।

सर्वस्वरूप, चिदाकाशरूप और अखण्डित ब्रह्म एक है, चित्त की चपलता शान्त करने के लिए प्रयत्नपूर्वक ऐसी भावना करनी चाहिए। तीनों लोकों से युक्त ब्रह्म के दर्शन उसी प्रकार करने चाहिए, जैसे एक मोटी पत्थरशिला पर रेखायें उपरेखाएँ खिची होती हैं।

ब्रह्म से भिन्न किसी अन्य कारण के न होने पर इस जगत् की उत्पत्ति नहीं हुई (खरगोश के सींग की तरह यह त्रिकालबाधित है)। इस प्रकार मैंने (ऋभु का आत्मकथन) जो ज्ञातव्य था, उसे जान लिया, जो विलक्षणता देखनी थी, उसे देख लिया और चिरकाल से थका मैं अब विश्रान्ति को प्राप्त हो चुका हूँ। (हे निदाघ !) इस सम्पूर्ण जागतिक माया से विमुक्त होकर तथा संशयविहीन होकर तुम चिन्मात्र के दर्शन करो। चिन्मात्र के अतिरिक्त कुछ है ही नहीं, ऐसा समझो। जिन्होंने संकल्प-बन्धन को काट दिया है, जो चित्तत्वरहित महान् पद पा चुके हैं, ऐसे ही साधक निष्पाप होकर ब्रह्म को प्राप्त करते हैं। मन को वश में करके जो विमनस्क हो गये हैं, शान्तचित्तता उनकी प्रखर मेधा की परिचायिका है। वेदान्त के विषय में चिन्तनशील मनुष्य, जिनकी चित्तवृत्तियों का क्षय हो चुका है और मानसिक संकल्पों के त्याग में अभ्यस्त होने से जिनका मन सुस्थिर हो चुका है। जो मुमुक्षु पुरुष हेय और उपादेय दोनों तरह के दृश्यों का परित्याग कर रहे हैं, जो नित्य द्रष्टा अर्थात् आत्मज्ञान के साक्षात्कार में संलग्न तथा अद्रष्टा अर्थात् प्रपञ्च को न देखने वाले हैं, जो ज्ञातव्य परमतत्त्व में विशेषरूप से जागरूक रहकर जीवन- यापन करते हैं, जो रसयुक्त तथा रसहीन इन सभी पदार्थों के प्रति अति सुस्थिर वैराग्य भाव से सघन मोहात्मक संसार पथ में सोये हुए हैं। वैराग्य की प्रबल भावना से चूहे द्वारा काटे गये पक्षी के पाश की तरह जिनकी सांसारिक वासना तृष्णा का पाश कट चुका है और हृदय की ग्रन्थियाँ ढीली पड़ गई हैं, ऐसे साधकों का स्वभाव विशिष्ट ज्ञान से उसी प्रकार परिष्कृत निर्मल हो जाता है, जिस प्रकार कातक (निर्मली) फल से जल निर्मल हो जाता है।

क्रमशः ...

पैदल सेना दिवस

नीरज राजपूत

भारतीय सेना आज यानी 27 अक्टूबर को अपना 76वां इन्फैंट्री डे यानी पैदल सेना दिवस मना रही है। इसी दिन 1947 में सेना की सिख रेजीमेंट ने वायुसेना के विशेष डकोटा विमान से श्रीनगर में लैंड कर जम्मू-कश्मीर को पाकिस्तानी सेना और कबायलियों के चंगुल से बचाया था। इसीलिए हर साल 27 अक्टूबर को भारतीय सेना इन्फैंट्री डे के रूप में मनाती है।

भारत के आजादी के बाद 26 अक्टूबर, 1947 को जम्मू-कश्मीर का देश के साथ आधिकारिक तौर पर विलय हुआ था। जम्मू-कश्मीर के राजा हरि सिंह ने भारत में विलय के कागजातों पर हस्ताक्षर किए। उसके बाद भारतीय सेना 27 अक्टूबर, 1947 को बडगाम हवाई अड्डे पर उतरी थी और इस दिन को 'इन्फैंट्री दिवस' के रूप में मनाया जाता है। कुछ सालों बाद 1956 में इसे भारतीय संघ का हिस्सा भी घोषित कर दिया गया।

दरअसल, आजादी के बाद पाकिस्तान ने कश्मीर को हड़पने की योजना बनाई थी। 22 अक्टूबर 1947 को पाकिस्तान ने 5 हजार कबायलियों को कश्मीर में घुसपैठ करके कब्जा करने के लिए भेजा था, तब कश्मीर के तत्कालीन शासक महाराजा हरि सिंह ने भारत सरकार से मदद मांगी। इसके बाद महाराजा

हरि सिंह ने जम्मू-कश्मीर के भारत में विलय के समझौते पर हस्ताक्षर किए।

तब सेना की सिख रेजिमेंट की पहली बटालियन से एक पैदल सेना का दस्ता विमान से दिल्ली से श्रीनगर भेजा गया। 27 अक्टूबर, 1947 को भारतीय पैदल सैनिकों ने कश्मीर को कबायलियों के चंगुल से छुड़ा दिया। यही कारण है कि पैदल सैनिकों की याद में 'इन्फैंट्री दिवस' दिवस मनाया जाता है।

इन्फैंट्री भारतीय सेना की सबसे बड़ी लड़ाकू शाखा है, जिसे युद्ध की रानी के रूप में भी जाना जाता है, यह भारतीय सेना की रीढ़ है और इसके सैनिक किसी भी युद्ध में मुख्य खामियाजा भुगतते हैं। शारीरिक फिटनेस, आक्रामकता और अनुशासन इन पुरुषों में आवश्यक बुनियादी गुण हैं। भारतीय सेना की इन्फैंट्री इकाइयों को आधुनिक, सुसज्जित और प्रशिक्षित किया गया है ताकि भारतीय सेना को दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बनाया जा सके।

इस दिन सिख रेजीमेंट की पहली बटालियन श्रीनगर एयरबेस पहुंची और लड़ाई में असाधारण साहस और दृढ़ संकल्प दिखाया। उस समय, पाकिस्तानी रेंजरों को रोकने के लिए भारतीय सेना की सिख रेजिमेंट एक दीवार बन गई, जिन्होंने कबायली हमलावरों की मदद से कश्मीर में प्रवेश किया था। पाकिस्तानी आक्रमणकारी श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर की ओर बढ़ रहे थे। लिंक रोड के माध्यम से सैनिकों को भेजने में समय लगता और घाटी पाकिस्तानी आक्रमणकारियों के हाथों में आ जाती।

ऐसे में 26 अक्टूबर की रात को एक आपातकालीन बैठक आयोजित की गई और प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने सिख रेजीमेंट को वायुसेना की मदद से सीधे जंग के मैदान में उतारने का फैसला किया। 27 अक्टूबर को तड़के भारतीय वायु सेना के दो विमानों की मदद से सैनिकों के एक हिस्से को एयरलिफ्ट किया गया और शेष को निजी एयरलाइन उड़ानों द्वारा जंग के मैदान में उतार दिया गया। उसी दिन लेफ्टिनेंट कर्नल दीवान रंजीत राय की कमान में बटालियन श्रीनगर में उतरी। तब से, हर साल पैदल सेना के हजारों सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए इन्फैंट्री दिवस मनाया जाता है, जो ड्यूटी के दौरान शहीद हुए थे।

पश्चिम एशिया का संकट और शांति बहाली की कोशिश

अनिल त्रिगुणायत

इस्राइल और हमास में चले रहे युद्ध को पूरे पश्चिम एशिया के संदर्भ में देखा जाना चाहिए, जहां की शांति, सुरक्षा व स्थायित्व, भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। भारत करीब 70 फीसदी तेल और गैस यहीं से आयात करता है। पश्चिम एशियाई देशों में 90 लाख से भी ज्यादा भारतीय रहते हैं, जो करोड़ो डॉलर भारत भेजते हैं। ज्यादातर वैश्विक व्यापार और समुद्री मार्ग पश्चिम एशिया से ही गुजरते हैं। इसलिए, भारत यही चाहेगा कि इस्राइल-हमास युद्ध वैश्विक लड़ाई में तब्दील न होने पाए।

दूसरी बात, युद्ध अभी तीसरे हफ्ते में पहुंचा है और तेल की कीमतें बढ़ने लगी हैं। चूंकि, भारत ज्यादातर तेल का आयात करता है, इसलिए इससे भारत के खर्चे बढ़ेंगे, जिससे महंगाई बढ़ेगी, जो सीधे तौर पर भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित करेगी। तीसरी बात, हमें यह समझना होगा कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) दरअसल ट्रांजिट बिंदु है। वहां हमारी छह-सात हजार कंपनियां हैं, जो भारत में निवेश कर रही हैं। सऊदी अरब भी भारत में निवेश बढ़ाने की कोशिश में है। क्षेत्र में अशांति से ये निवेश निश्चित ही प्रभावित होंगे। चौथी बात, ईरान के साथ हमारे संबंध भी जटिल हो सकते हैं। ईरान के साथ संबंधों में चाबहार बंदरगाह और अंतरराष्ट्रीय नॉर्थ-साउथ कॉरिडोर परियोजनाएं महत्वपूर्ण हैं, जिन पर प्रभाव पड़ सकता है। पांचवीं बात, नई दिल्ली में आयोजित हुए जी-20 शिखर सम्मेलन में जिस भारत-मध्य पूर्व-यूरोप गलियारे (आइमेक) की स्थापना पर, जिसे चीन की बेल्ट ऐंड रोड

पहल (बीआरआई) का जवाब माना जा रहा है, जो स्वीकृति बनी थी, उस पर भी संकट मंडराने लगे हैं।

भारत बेशक यह कह रहा है कि इस युद्ध से आपसी व्यापार में कोई समस्या नहीं आएगी। यूएई और सऊदी अरब हमारे क्रमशः तीसरे और चौथे सबसे बड़े व्यापारिक सहयोगी हैं और इन देशों के साथ भारत के सीधे व्यापार में वाकई कोई भी मुश्किल नहीं है। लेकिन, अगर आइमेक कॉरिडोर की बात करें, तो यह मार्ग सऊदी अरब से जॉर्डन होते हुए इस्राइल जाता है। यह दरअसल रेल और बंदरगाहों को जोड़ने का प्रोजेक्ट है। बंदरगाह तो पहले से जुड़े हुए हैं। प्रधानमंत्री मोदी महाराष्ट्र, गुजरात व दूसरी जगहों पर कुछ नए बंदरगाह निर्मित किए जाने की भी बात कर चुके हैं, इसलिए इसमें भी कोई दिक्कत नहीं है।

लेकिन फिलहाल समस्या यह है कि इस्राइल को लेकर अरब देशों में आक्रोश भरा है। एक बार मान लें कि वहां के राजनेता यदि संबंधों को बहाल करने के लिए राजी भी हो जाते हैं, तो वहां की जनता का क्या, जो इस्राइल के बिल्कुल विरोध में है। यह देखते हुए कि सऊदी अरब के महज दो फीसदी लोग इस्राइल के साथ संबंधों को बहाल करने के पक्ष में हैं, निश्चित ही कि दोनों देशों के बीच रिश्ते सामान्य होने में समय लगेगा। जाहिर है कि इससे कॉरिडोर के बनने में विलंब ही होगा, जिसका नुकसान भारत को भी उठाना होगा। इसके अलावा जिन क्षेत्रीय परियोजनाओं पर बात चल रही थी, वे भी संकट में पड़ सकती हैं। छठी बात, इस्राइल-हमास युद्ध पूरी दुनिया की तरह भारत के मुस्लिम समुदाय को भी प्रभावित कर सकता है। खासकर गाजा में जो स्थितियां हैं, जिस तरह वहां के नागरिकों को निशाना बनाया जा रहा है, उन्हें देखकर भारत के मुस्लिम समुदाय में भी आक्रोश भड़क सकता है। हालांकि, भारत के लिए अच्छी बात यह है कि यहां के ज्यादातर मुसलमान आतंकवाद में भरोसा नहीं करते हैं और यही उनकी भारतीयता है।

इस्राइल पर हमास के हमले के बाद पूरी दुनिया दरअसल, बंटी हुई दिखती है। कुछ आतंकी हमले में मारे गए हजारों इस्राइलियों के साथ सहानुभूति रखते हैं, तो कुछ वर्षों से जुल्म सह रहे फलस्तीनियों के साथ खड़े दिखते हैं। भारत में भी यही हालत है। लेकिन जरूरी यह है कि इस सहानुभूति को शांति और युद्ध विराम के प्रयासों की तरफ मोड़ा जाए। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय का होना जरूरी है। भारत जैसे देशों को आगे आना चाहिए। मेरा मानना है कि इस्राइल-हमास युद्ध में शांति बहाली के प्रयासों की अगुआई भारत को करनी चाहिए। हम इसके लिए एक प्रतिनिधि मंडल बना सकते हैं। पड़ोस के जो देश साथ देना चाहें, उनके साथ मिलकर युद्ध को रोकने की किसी योजना पर काम कर सकते हैं। हम नई दिल्ली के जी-20 सम्मेलन में भी देख चुके हैं कि आज पूरी दुनिया भारत का सम्मान करती है। पश्चिम एशियाई देश भी चाहते हैं कि भारत आगे आए। आज उसकी साख है। भारत जब कहता है, तो दुनिया सुनती है, क्योंकि वह सिद्धांतों की बात करता है। भारत की स्वतंत्रता से पहले महात्मा गांधी ने कहा था कि जैसे इंग्लैंड अंग्रेजों के लिए और फ्रांस फ्रेंच लोगों के लिए है, उसी तरह फलस्तीन फलस्तीनियों के लिए है। 1948 में जब पहली बार वोट हुआ, तब भारत ने फलस्तीन को बांटने के प्रस्ताव के विरोध में मत दिया था। 1950 में भारत ने आधिकारिक तौर पर इस्राइल राज्य को मान्यता दी, लेकिन आधिकारिक राजनयिक संबंध 1992 में जाकर स्थापित किए। दोनों देशों को लेकर फिलहाल भारत का पक्ष दो-राज्य समाधान और शांतिपूर्ण ढंग से दोनों देशों के लिए आत्मनिर्णय के अधिकार के साथ डी-हाईफनेशन की नीति की ओर बढ़ गया है। जब इस्राइल पर हमला हुआ, तो प्रधानमंत्री मोदी ने इस्राइल के लोगों के प्रति सहानुभूति दिखाई। फिर विदेश मंत्रालय ने भी स्पष्ट किया कि भारत दो-राज्य सिद्धांत का हिमायती है। फिर जब गाजा के अस्पताल पर हमला हुआ, जिसमें 500 लोग मारे गए थे, तब प्रधानमंत्री मोदी ने फलस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास से भी बात की थी। भारत दरअसल, बिल्कुल संतुलित रवैया रखते हुए चाहता है कि वहां शांति की स्थापना हो और कोई रास्ता निकले। दोहा, कतर, तुर्किये और मिस्र जैसे देश शांति बहाली के लिए वार्ताएं कर रहे हैं, लेकिन अगर इस्राइल जमीनी लड़ाई पर उतरता है, और जिस तरह से हिजबुल्ला, लेबनान की तरफ से दबाव बनाए हुए है, उससे तो युद्ध का लंबा खिंचना तय लगता है।

हिन्द स्वराज्य

शिक्षा (भाग-6)

गतांक से आगे...

प्रश्न- तब कैसी शिक्षा दी जाय?

उत्तर- उसका जवाब ऊपर कुछ हदतक आ गया है। फिर भी इस सवाल पर हम और विचार करें। मुझे तो लगता है कि हमें अपनी सभी भाषाओं को उज्ज्वल—शानदार बनाना चाहिए। हमें अपनी भाषा में ही शिक्षा लेनी चाहिए—इसके क्या मानी हैं, इसे ज्यादा समझाने का यह स्थान नहीं है। जो अंग्रेजी पुस्तकें काम की हैं, उनका हमें अपनी भाषाओं में अनुवाद करना होगा। बहुत से शास्त्र सीखने का दंभ और वहम हमें छोड़ना होगा। सबसे पहले तो धर्म की शिक्षा या नीति की शिक्षा दी जानी चाहिए। हर एक पढ़े-लिखे हिन्दुस्तानी को अपनी भाषा का, हिन्दू को संस्कृत का, मुसलमान को अरबी का, पारसी को फारसी का और सबको हिन्दी का ज्ञान होना चाहिए। कुछ हिन्दुओं को अरबी और कुछ मुसलमानों और पारसियों को संस्कृत सीखनी चाहिए। उत्तरी और पश्चिमी हिन्दुस्तान के लोगों को तमिल सीखनी चाहिए। सारे हिन्दुस्तान के लिए जो भाषा चाहिए, वह तो हिन्दी ही होनी चाहिए। उसे उर्दू या नागरी लिपि में लिखने की छूट रहनी चाहिए। हिन्दू-मुसलमानों के संबंध ठीक रहें, इसलिए बहुत से हिन्दुस्तानियों का इन दोनों लिपियों को जान लेना जरूरी है। ऐसा होने से हम आपस के व्यवहार में अंग्रेजी को निकाल सकेंगे। और यह सब किसके लिए जरूरी है? हम जो गुलाम बन गये हैं। उनके लिए। हमारी गुलामी की वजह से देश की प्रजा गुलाम बनी है। अगर हम गुलामी से छूट जायँ, तो प्रजा तो छूट ही जायेगी।

प्रश्न- आपने जो धर्म की शिक्षा की बात कही वह बड़ी कठिन है।

उत्तर- फिर भी उसके बिना हमारा काम नहीं चल सकता। हिन्दुस्तान कभी नास्तिक नहीं बनेगा। हिन्दुस्तान की भूमि में नास्तिक फल-फूल नहीं सकते। बेशक, यह काम मुश्किल है। धर्म की शिक्षा का खयाल करते ही सिर चकराने लगता है। धर्म के आचार्य दंभी और स्वार्थी मालूम होते हैं। उनके पास पहुँचकर हमें नम्र भाव से उन्हें समझाना होगा। उसकी कुंजी मुल्लों, दस्तूरों और ब्रह्मणों के हाथ में है। लेकिन उनमें अगर सद्बुद्धि पैदा न हो, तो अंग्रेजी शिक्षा के कारण हममें जो जोश पैदा हुआ है उसका उपयोग करके हम लोगों को नीति की शिक्षा दे सकते हैं। यह कोई बहुत मुश्किल बात नहीं है। हिन्दुस्तानी सागर के किनारे पर ही मैल जमा है। उस मैल से जो गंदे हो गये हैं उन्हें साफ होना है। हम लोग ऐसे ही हैं और खुद ही बहुत कुछ साफ हो सकते हैं। मेरी यह टीका करोड़ों लोगों के बारे में नहीं है। हिन्दुस्तान को असली रास्ते पर लाने के लिए हमें ही असली रास्ते पर आना होगा।

मिजोरम में चमकेगी कांग्रेस की तकदीर ?

समीर चौगांवकर

पांच राज्यों के लिए घोषित विधानसभा चुनाव में मिजोरम भी शामिल है जहां 7 नवंबर को मतदान होगा। मिजोरम में 21 अक्टूबर तक नामांकन की तिथि थी। मिजोरम में कुल 40 विधानसभा सीटों के लिए 174 प्रत्याशियों ने नामांकन किया है। इनमें 16 महिलाएं हैं। इस समय मिजोरम में चुनाव प्रचार चल रहा है और उम्मीद है कि बीजेपी के चुनाव प्रचार के लिए जल्द ही प्रधानमंत्री मोदी भी मिजोरम जा सकते हैं।

गौरतलब है कि मिजोरम कई वर्षो के उग्रवाद के बाद 1987 में अलग राज्य बना। उसके बाद राज्य में या तो मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) की सरकार रही या कांग्रेस की। मुख्यमंत्री जोरामथंगा की अगुवाई वाला सत्तारूढ एमएनएफ 2023 के विधानसभा चुनाव में लगातार दूसरी बार सत्ता में आने के लिए हरसंभव कोशिश कर रहा है। इस कारण मिजो नेशनल फ्रंट ने एचपीसी पार्टी के एक धड़े %हमार पीपुल्स कन्वेशन% से गठबंधन कर लिया है। दोनों दलों ने बीते शनिवार को घोषणा की थी कि यह समझौता केवल विधानसभा चुनाव तक ही नहीं है। आने वाले स्थानीय निकाय चुनाव भी साथ मिलकर लड़ेंगे।

%मिजो नेशनल फ्रंट% इस राजनीतिक गठजोड़ से यह सुनिश्चित करना चाहता है कि हमार पीपुल्स कन्वेशन के प्रभाव वाली सीटों तुइवावल, चलफिल्ह और सेरलुई में मिजो नेशनल फ्रंट के उम्मीदवार को चुनाव जीतने में कोई दिक्कत न हो। मिजो नेशनल फ्रंट को गठबंधन करने के बाद भी सत्ता बरकरार रखना आसान नहीं होगा।

इस बार चार दल मिजोरम में सत्ता के लिए दावेदार हैं। मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ), जोराम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम), कांग्रेस और चौथी पार्टी के रूप में भाजपा चुनाव परिणामों में अपना दखल देने को तैयार है। भाजपा ने केन्द्रीय मंत्री किरण रिजुजू को मिजोरम का चुनाव प्रभारी बनाया है। भाजपा की नजर दूसरे दलों के असंतुष्टों पर है। मिजोरम विधानसभा अध्यक्ष और एमएनएफ नेता लालरिनलियाना सेलो ने विधानसभा से इस्तीफा देकर भाजपा का दामन थाम लिया है।

भाजपा की नजर कांग्रेस के असंतुष्टों पर भी है। असम के मुख्यमंत्री और नार्थ ईस्ट डेमोक्रेटिक अलायंस के प्रमुख हेमंत विस्वसरमा खुद मिजोरम में भाजपा के लिए जगह बनाने में जुटे हैं। हालाकि 87 फीसदी ईसाई आबादी वाले इस राज्य में भाजपा के लिए गुंजाइश न के बराबर है। मिजोरम में धार्मिक और जातीय पहचान बेहद अहम हैं और इसीलिए 79 वर्षीय जोरामथंगा मिजो-कुकी-चिन को

साध रहे हैं।

केंद्र की चेतावनी के बाद भी मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरामथंगा ने संकटग्रस्त म्यांमार के 35,000 चिन शरणार्थियों को शरण दी, जो मिजो मूल के ही हैं। इस साल मणिपुर से बेदखल 12,000 से ज्यादा कुकी-जोमी लोगों को भी शरण मिजोरम में दी गई है। ये भी मिजो जातीय मूल के हैं। जातीय एकजुटता का प्रदर्शन करके मुख्यमंत्री को उम्मीद है कि यह उनके सत्ता में बने रहने का आधार बनेगी।

हालांकि मुख्यमंत्री जोरामथंगा को सबसे बड़ी चुनौती %जोराम पीपुल्स मूवमेंट% से मिल रही है। 2017 में बनी जेडपीएम 2018 के चुनाव में न केवल मिजोरम की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी बल्कि अप्रैल, 2023 में लुंगलेई कस्बे के नगरपालिका चुनावों में सभी 11 वार्ड जीतकर अपनी बढ़ती ताकत से मुख्यमंत्री जोरामथंगा को बता दिया कि उनको फिर से मुख्यमंत्री बनने के लिए जोराम पीपुल्स मूवमेंट से निपटना आसान नहीं होगा।

उधर, 74 वर्षीय लालदुहोमा की अगुआई में जेडपीएम जोरामथंगा के मंसूबों पर पानी फेरने की तैयारी में है। कांग्रेस अपनी पिछली सरकार में वित्त मंत्री ललसावता को नए नेता के तौर पर पेश करके प्रदर्शन सुधारने और सत्ता हासिल करने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस अध्यक्ष की छवि साफ है और ग्रामीणों, किसानों की समस्याओं को उठाकर कांग्रेस के लिए जमीन तैयार कर रहे हैं।

मिजोरम की 40 में से 30 निर्वाचन क्षेत्रों में पुरुषों के मुकाबले महिलाएं बड़ी तादाद में वोट देने आती हैं। परंतु यह दुर्भाग्य है कि 2018 में इस छोटे से राज्य से एक भी महिला विधायक नहीं चुनी गई। मिजोरम विधानसभा का रिकार्ड बताता है कि 1987 में राज्य के गठन होने के बाद यह राज्य महिलाओं को प्रतिनिधित्व देने के मामले में बहुत उदासीन रहा है। मिजोरम में प्रति एक हजार पुरूषों पर 975 महिलाएं हैं। इसके बाद भी शून्य सांसद भेजने और सबसे कम महिला विधायक होने का रिकार्ड भी इसी मिजोरम के नाम है।

मिजोरम में लगभग 36 सालों में मंत्रिमंडल में केवल दो महिलाएं मंत्री बनी। राज्य के मंत्रिमंडल में पहली बार 1987 में लालहलिम्पुई हमार शामिल हुई थी। 2014 में वनलालावम्पुई चावंगथु हांगतुर्जो सीट से चुनाव जीतकर मंत्री भी बनी। कांग्रेस सरकार में पहली बार चुनी गई महिला विधायक को रेशम उत्पादन, मत्स्य पालन और सहकारी विभाग का मंत्री बनाया गया था। 2018 के विधानसभा चुनाव में 18 महिलाए मैदान में थी लेकिन सभी चुनाव हार गईं।

मिजोरम के 8,56,868 मतदाता 07 नवंबर को 40 विधानसभा सीटों के लिए अपने मतदान का प्रयोग करेंगे। 2018 के मिजोरम चुनाव में एमएनएफ ने 26 सीटें, कांग्रेस ने 5, जेडपीएम ने 8 और बीजेपी ने 1 सीट जीती थी। उससे पहले 2013 के चुनाव में कांग्रेस ने 34 सीटें तो एमएनएफ ने 5 सीटें जीती थी।

कांग्रेस इस बार मिजोरम में सरकार बनाने की उम्मीद कर रही है। वहीं भाजपा अपनी सीटों में इजाफा करने और किसी तरह गठबंधन की सरकार बनाने की रणनीति पर काम कर रही है। मिजोरम में सरकार कौन बनाता है यह 3 दिसंबर को सामने आएगा लेकिन मिजोरम में इस बार चार दल एक दूसरे को पटकने के लिए पूरी ताकत झोंक रहे हैं।

इस बार मिजोरम के चुनाव में उसके पड़ोसी राज्य मणिपुर में लंबे समय से चल रही हिंसा का असर भी देखने को मिल सकता है। ऐसे में कांग्रेस के पक्ष में मिजोरम की जनता वोट कर कांग्रेस की सरकार बना सकती है। राहुल गांधी मिजोरम का दौरा कर आये हैं। राहुल गांधी मणिपुर भी गए थे। ऐसे में यहां कांग्रेस के पक्ष में माहौल बन सकता है।

सरकार के नौ साल और विकास के मार्ग पर हरियाणा

मनोहर लाल

हरियाणा में हमारी सरकार के नौ वर्ष पूरे हो रहे हैं। नौ वर्ष पूर्व प्रदेश को नए सिरे से विकास के मार्ग पर लाना असंभव-सा लगता था। भ्रष्टाचार चरम पर था। समाज जातियों में बंटा था। जनता में सरकारी तंत्र और राजनीतिक दलों के प्रति भारी आक्रोश था। अर्थव्यवस्था बेहाल थी, सामाजिक कूरीतियां चरम पर थीं और पूरे देश को भोजन कराने वाला किसान आत्महत्या करने पर मजबूर था। मैं प्रारंभ से ही टेक्नोलॉजी से काफी नजदीक से जुड़ा रहा। इसलिए लगा कि इसकी मदद से ही एक नए हरियाणा का निर्माण किया जा सकता है। हमारी सरकार ने %हरियाणा एक, हरियाणवी एक% की नीति पर चलने का निर्णय लिया। इसमें हमारी फ्लैगशिप स्कीम परिवार पहचान पत्र ने बड़ी भूमिका निभाई। इसके तहत प्रदेशवासियों का पूर्ण विवरण इकट्ठा किया जा रहा है। इससे लोगों को

किसी भी विभाग में कोई भी दस्तावेज जमा करने के झंझट से छुटकारा मिल गया। आज प्रदेश के 96 फीसदी से अधिक परिवारों के पास पीपीपी आईडी है। मैंने तय किया था कि गरीब, पिछड़ों, दलितों व शोषितों को सम्मानित जीवन देना हमारा ध्येय होना चाहिए। हमने बीपीएल परिवारों की न्यूनतम 1.80 लाख रुपये तक सालाना की। ऐसा करने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य बना। मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के तहत हमारा लक्ष्य प्रदेश के एक लाख अति गरीब परिवारों की आय बढ़ाना है। पहले चार चरणों में आयोजित अंत्योदय मेलों में करीब 50 हजार परिवारों को बैंकों से ऋण मुहैया कराए गए। हमने प्रधानमंत्री के आह्वान पर 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान चलाया। आज प्रदेश में लड़कियां उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। लिंगानुपात भी 2014 के 871 से बढ़कर सितंबर, 2023 में 932 हो गया। महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों की सुनवाई के लिए 16 फास्ट ट्रैक अदालतें गठित हुई हैं और 12 वर्ष तक की बच्चियों से बलात्कार में फांसी की सजा का प्रावधान किया गया है। नौकरियों के लिए आवेदन से लेकर चयन तक की प्रक्रिया को ऑनलाइन बनाकर पारदर्शी बना दिया गया है। ग्रुप डी सहित सभी समूहों के लिए सभी लिखित परीक्षाएं आयोजित करने का निर्णय लिया गया। ग्रुप सी और डी पदों के लिए साक्षात्कार रोक दिए गए, जहां पहले परिणामों में हेरफेर किया गया था। कॉमन पात्रता परीक्षा की शुरुआत की, ताकि युवाओं को नौकरी के लिए न तो बार-बार आवेदन करना पड़े और न हर बार फीस देने की नौबत आए। ग्रुप सी के लिए अब तक 11 लाख युवा परीक्षा में बैठ चुके हैं। ग्रुप डी की परीक्षा 22 अक्तूबर को संपन्न हुई, जिसमें 8.51 लाख उम्मीदवार शामिल हुए। बेरोजगारों के लिए भत्ते की व्यवस्था की। नतीजतन राज्य की बेरोजगारी दर पीएलएफएस जुलाई-सितंबर, 2023 के अनुसार, 6.5 प्रतिशत तक सीमित हो गई है, जो राजस्थान और पंजाब से कम है। वर्ष 2014 से पूर्व प्रदेश में नया निवेश आना बंद हो गया था। ऐसे में, नए निवेश के लिए अनुकूल माहौल बनाया गया। भ्रष्टाचार के छिद्रों को बंद करने से राजस्व की हानि भी रोकी गई। राजस्व में उछाल भी दिखने लगा है, जो अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण का भी असर है। प्रदेश की आर्थिक विकास दर सात प्रतिशत के पार है, तो प्रति व्यक्ति आय 2014 के 1.35 लाख रुपये से बढ़कर जून, 2023 में 2.96 लाख रुपये से अधिक हो चुकी है। मुझे किसानों की हरदम चिंता रहती थी। इसमें भी टेक्नोलॉजी का मेरा अनुभव काम आया। 'मेरी फसल मेरा ब्योरा' योजना से न केवल किसान को उपज बेचने की सहूलियत हो गई है, बल्कि उसका पैसा उनके बैंक खाते में ट्रांसफर होने लगा है। अब तक 85 हजार करोड़ रुपये की राशि सीधे किसानों के खातों में ट्रांसफर की जा चुकी है। हम हरियाणा को एक आदर्श, विकसित राज्य की तरफ ले जाना चाहते हैं। हमने जिन योजनाओं की शुरुआत की है, उन्हें अन्य राज्य भी अपनाने लगे हैं। आगामी एक नवंबर को हरियाणा 57 वर्ष का हो जाएगा। प्रधानमंत्री के नए भारत के निर्माण के लक्ष्य को पूरा करने के लिए हम नए हरियाणा को विकसित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। आजादी के अमृत काल के समापन पर वर्ष 2047 में हम हरियाणा को देश के एक अग्रणी विकसित राज्य के रूप में देखना चाहते हैं।

रूठने-मनाने की राजनीति में उलझे अखिलेश यादव

बिक्रम उपाध्याय

कल तक अखिलेश यादव कांग्रेस से नाराज थे, आज मान गए हैं। सपा मुखिया ने खुद यह बयान दिया है कि कांग्रेस के सबसे बड़े नेता का फ़ोन आ गया है वह कोशिश करेंगे कि इंडिया गतवबंधन न टूटे। ख़बरों मे यही कहा गया है कि राहुल गाँधी ने खुद अखिलेश यादव को फ़ोन किया था। दो दिन पहले ही अखिलेश यादव ने कांग्रेस को धोखेबाज पार्टी कहा था और उसके प्रदेश के बड़े नेता को चिरकुट। देखा जाए तो पिछले डेढ़ दशक के करियर में अखिलेश यादव रूठने और मनाने की राजनीति में ज्यादातर उलझे ही रहे। पिता मुलायम सिंह यादव, चाचा शिवपाल यादव, अमर सिंह, मायावती, चौधरी अजित सिंह और राहुल गांधी तक से उनके रूठने मनाने का संबंध रहा है। साल 2012 के उत्तरप्रदेश विधान सभा चुनाव में अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी की सरकार बनी थी। उनकी उम्र, तजुर्बा और उनके स्वभाव को देखते हुए कोई यह मानने के लिए तैयार नहीं हुआ कि उत्तरप्रदेश जैसा बड़ा राज्य वह संभाल सकते हैं। हुआ भी यही, प्रदेश में चार चार सुपर सीएम हो गए। मुलायम सिंह के अलावा अमरसिंह, शिवपाल यादव और आजम खान अपने अपने ढंग से फैसले करने लगे। कई बार सार्वजनिक तौर पर मुलायम सिंह यादव ने मुख्यमंत्री के रूप में अखिलेश यादव की गरिमा का उल्लंघन कर दिया। मुख्य मंत्री के रूप में तीन साल बीत जाने के बाद अखिलेश को होश आया कि अब न संभले तो फिर कभी नेतृत्व का अवसर नहीं मिलेगा। पहली बार अखिलेश ने अपनी हनक दिखाई और अपने मेंटर अमर सिंह को ही सपा से बाहर कर दिया। अखिलेश यादव किसी भी सूरत में अमर सिंह को माफ़ करने को तैयार नहीं हुए, भले ही इसके लिए उन्हें अपने पिता से ही विद्रोह करना पड़ गया। विद्रोह तो उन्होंने चाचा शिवपाल से भी किया। पहले मंत्रिमंडल से हटाया फिर पार्टी से भी जाने पर मज़बूर कर दिया। चाचा और पिता के प्रति उनके रूखे और विद्रोही व्यवहार ने अखिलेश यादव को एक ऐसा ख़राब नाम दे दिया, जिसे सुनकर अखिलेश आज भी तिलमिला उठते हैं। टीपू के नाम से पुकारे जाने वाले अखिलेश को विरोधियों ने औरंगजेब तक कह दिया। अखिलेश यादव अपनी नाराजगी इतना आगे तक ले गए कि सपा में ही दोफाड़ हो गया और किसी की भी कल्पना से परे मुलायम सिंह ने उन्हें और रामगोपाल यादव को ही पार्टी से बाहर कर दिया। अखिलेश और रामगोपाल यादव के सपा से निष्कासन के बाद सपा दो फाड़ होने के कगार पर पहुंच गई थी। चुनाव की दहलीज पर खड़े राज्य में पार्टी की इस हालत ने न केवल विधानसभा चुनाव के घोषित प्रत्याशियों को बेचैन कर दिया, बल्कि आम सपाइयों को भी अपना सियासी भविष्य खतरे में नजर आने लगा। इसके बाद अखिलेश ने ठहराव का संदेश दिया और पिता से सुलह कर सपा के फिर मुखिया बन गए।

मध्यप्रदेश में बागियों को छोटी पार्टियों से उम्मीद

अजय सेतिया

मध्य प्रदेश में बीजेपी और कांग्रेस के बीच हमेशा से सीधा मुकाबला रहा है। 2018 के विधानसभा चुनावों में भाजपा 41.02 फीसदी वोट पाकर भी 109 सीटों पर सिमट गई थी, जबकि कांग्रेस ने 40.89 फीसदी वोटों पर 114 सीटें हासिल कर लीं थी। कांग्रेस के वोट में तीन फीसदी का इजाफा हुआ था, और इसका कारण मुस्लिम वोटों का ध्रुवीकरण था। पिछले चुनावों से पहले कमलनाथ ने एक बैठक में कहा था कि अगर 90 फीसदी मुस्लिम वोट कांग्रेस के पक्ष में हो, तो वे सरकार बना सकते हैं। चुनाव में कांग्रेस के वोट प्रतिशत में बढ़ोतरी का कारण भी मुस्लिम ध्रुवीकरण को माना गया था।

2011 की जनगणना में मध्यप्रदेश में मुसलमानों की आबादी 7 प्रतिशत थी, जो अब बढ़कर 10 प्रतिशत मानी जा रही है। हालांकि वे 40 से ज्यादा सीटों पर बिखरे हुए हैं, लेकिन करीब 22 सीटों में जीत हार तय करते हैं। इस बार भी कांग्रेस की उम्मीद मुस्लिम प्रभाव वाली 22 सीटों पर टिकी है। 2018 में मुस्लिम मतदाताओं की एकतरफा वोटिंग के कारण ही इनमें से 10-12 सीटें 2018 में कांग्रेस के हाथ लग गई थी। वह 230 में से 114 सीटें जीतने में कामयाब हो गई और बसपा के दो और सपा के एक विधायक के समर्थन से सरकार भी बना ली थी, लेकिन 15 महीने बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थक 25 विधायकों के विद्रोह के चलते कमलनाथ सरकार गिर गई थी।

कांग्रेस को यह भी डर है कि असदुद्दीन औवेसी मुस्लिम प्रभाव वाले क्षेत्रों में अपने मुस्लिम उम्मीदवार उतार कर उसका खेल बिगाड़ सकते हैं। कमल नाथ ने जो बात 2018 में बंद कमरे की बैठक में मुस्लिम वोट बैंक के बारे में कही थी, उसके सामने आ जाने के बाद से उन्हें हिंदू ध्रुवीकरण से होने वाले नुकसान का भी डर भी सता रहा

है। मध्यप्रदेश में संघ का व्यापक असर होने के कारण हिंदुत्व का प्रसार ज्यादा है, इसलिए 2018 के अपने बयान की प्रतिक्रिया से बचने के लिए कमलनाथ ने अपना हिन्दू चेहरा दिखाने की कोशिश की है।

हिंदू मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए ही कमल नाथ ने बागेश्वर के धीरेन्द्र शास्त्री को अपने इलाके छिंदवाडा में बुला कर उनकी कथा करवाई और भारत को हिन्दू राष्ट्र घोषित करने में गुरेज भी नहीं किया। इस पर उनकी दिग्विजय सिंह से खुली तकरार भी हुई। हालांकि कमलनाथ और दिग्विजय सिंह दोनों ही कांग्रेस के अर्जुन सिंह कैंप से ताल्लुक रखते थे, लेकिन कमलनाथ को डर है कि दिग्विजय सिंह अपनी खुली मुस्लिम परस्त राजनीति से उनका खेल बिगाड़ भी सकते हैं। इसलिए हाल ही में जब टिकट बंटवारे का विरोध हो रहा था, तो कमलनाथ ने उसका ठीकरा दिग्विजय सिंह पर फोड़ते हुए कहा कि दिग्विजय सिंह के कपड़े फाड़ो। मध्यप्रदेश में भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दलों ने लगभग सभी सीटों पर उम्मीदवारों का एलान कर दिया है। कांग्रेस की सिर्फ एक सीट आमला और भाजपा की गुना-विदिशा की दो सीटों पर उम्मीदवारों का एलान बाकी है। कांग्रेस में 42 सीटों पर और भाजपा में 22 सीटों पर घोषित उम्मीदवारों का विरोध शुरू हो चुका है। दोनों दलों में 6-6 सीटों पर खुली बगावत की स्थिति पैदा हो गई है। दोनों ही दलों के प्रदेश अध्यक्ष, कांग्रेस के कमल नाथ और भाजपा के वी डी शर्मा, कार्यकर्ताओं के रोष का सामना कर रहे हैं। कमल नाथ के बंगले के सामने कांग्रेस के एक कार्यकर्ता ने खुद पर पेट्रोल छिड़क कर आत्मदाह का प्रयास कर लिया था। पूर्व राज्यपाल रामनरेश यादव की बहू रोशनी यादव ने कांग्रेस को धमकी दी है कि उनकी सीट पर उम्मीदवार बदल कर उन्हें टिकट नहीं दिया गया, तो वह निर्दलीय लड़ेंगी। ऐसे संकेत मिले हैं कि कांग्रेस कुछ सीटों पर अपने उम्मीदवार बदलने पर विचार रही है और अखिलेश यादव को संतुष्ट करने के लिए कुछ सीटों पर अपने उम्मीदवार वापस भी ले सकती है। इस बीच दोनों पार्टियों से ठुकराए हुए नेताओं के लिए केजरीवाल और मायावती ने अपनी अपनी पार्टियों के दरवाजे खोल दिए हैं। भाजपा या कांग्रेस का टिकट पाने से वंचित नेताओं ने छोटे दलों के दरवाजों पर दस्तक देना शुरू कर दिया है, कुछ को हाथों हाथ टिकट मिल भी गया है। चाचौड़ा से भाजपा की ममता मीणा आम आदमी पार्टी के टिकट पर चुनावी मैदान में उतर गई हैं, इसी तरह लहार से भी भाजपा के रसाल सिंह ने बसपा से ताल ठोक दी है। पूर्व मंत्री रुस्तम सिंह के बेटे राकेश सिंह भी मुरैना से बसपा की टिकट पर लड़ रहे हैं। टिकट नहीं मिलने पर भिंड से भाजपा विधायक संजीव कुशवाह ने भी चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। रैगांव से पुष्पराज बागरी और रानी बागरी ने भी चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। सीधी के विधायक केदारनाथ ने भी निर्दलीय लड़ने का ऐलान किया है। भाजपा से बड़ी बगावत कांग्रेस में है, क्योंकि कांग्रेसी उम्मीदवारों को लग रहा है कि भाजपा की तरफ से शिवराज सिंह चौहान का चेहरा घोषित नहीं होने से नाराज ओबीसी मतदाताओं का झुकाव कांग्रेस की तरफ होगा और उनकी जीत पक्की है। इसलिए जिन्हें टिकट नहीं मिल रहा वे भड़के हुए हैं। मुरैना की सुमावली सीट से मौजूदा विधायक अजब सिंह कुशवाहा को टिकट नहीं मिला, तो वह अब बसपा की टिकट पर चुनाव लड़ेंगे।

योगी के राज में नारियों के सशक्त होने से समृद्ध हो रहा है उत्तर प्रदेश

ऋचा सिंह

वर्तमान में उत्तर प्रदेश सरकार मिशन शक्ति फेज 4 का प्रारंभ शक्ति वंदन कार्यक्रम के साथ कर रही है। महिला सशक्तिकरण के अंतर्गत नारी सुरक्षा, नारी सम्मान व नारी स्वावलंबन के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं को सशक्त बनाने एवं जागरूक करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। विभिन्न कार्यक्रमों को आयोजित कर महिलाओं, बालिकाओं से वार्ता कर उनके अंदर आत्मविश्वास को बढ़ाने का प्रयत्न किया जा रहा है। बालिकाओं, छात्राओं, महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने के साथ उन्हें सजग, सतर्क एवं निर्भीकता के साथ आत्मनिर्भर बनने एवं सम्मान के साथ अपने क्षेत्र में कार्य करने हेतु प्रेरित और प्रोत्साहित किया जा रहा है। राज्य सरकार का मिशन शक्ति के अंतर्गत महिला स्वावलंबन के लिए उठाया गया कदम महिलाओं में ऊर्जा और उत्साह का संचार कर रहा है। पिछले 6 वर्षों में प्रदेश की महिलाओं की आत्मनिर्भरता एवं श्रम शक्ति में दोगुने से भी अधिक की वृद्धि हुई है। शहरी महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ-साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं में भी उत्साह बढ़ रहा है। ग्रामीण महिलाओ में समूह के द्वारा कार्य करने की भावना पहले की अपेक्षा बढ़ी है।

लगभग 10 लाख स्वयं सहायता समूह बनाकर उससे एक करोड़ महिलाओं का जुड़ना एक बड़ी उपलब्धि की ओर इशारा करती है जो महिलाओं के सम्मान पूर्वक जीने एवं उनके स्वावलंबी बनने का उदाहरण है। यह इस बात को भी दर्शाता है कि आगे चलकर प्रदेश की आर्थिक समृद्धि में महिलाओं की सशक्त भागीदारी होगी। महिलाएं अपने घर एवं परिवार के सभी सदस्यों के पोषण की स्वीकृति के भाव के साथ होती हैं, ऐसी भूमिका में उन्हें परिवार एवं समाज की रीढ़ की हड्डी माना जाता है। यदि समाज व परिवार का यह हिस्सा सम्मान के साथ आत्मनिर्भर हो तो निश्चित रूप से समाज ही समृद्धि की ओर कदम बढ़ाकर स्वावलंबन की ओर बढ़ता है। राज्य सरकार के दिशा निर्देश में मिशन शक्ति फेज 1 के प्रारंभ के साथ ही महिलाओं बालिकाओं की सुरक्षा, शिक्षा, सम्मान एवं आत्मनिर्भरता हेतु कई कदम उठाए गए थे जिसका यह स्वर्णिम प्रतिफल है कि महिलाएं आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा रही हैं एवं बालिकाएं शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति कर रही हैं। राष्ट्रीय सर्वेक्षण के अनुसार 2017-18 में श्रम शक्ति में महिलाओं की भागीदारी 14.9त्न थी जो अब 36.5 प्रतिशत हो गई है।

राज्य सरकार की योजना का ही परिणाम है कि महिलाएं आज प्रदेश में नए कीर्तिमान गढ़ रही हैं। ऐसा दिखाया गया है कि बहुत सारी योजनाएं लागू की जाती हैं लेकिन वह जिनके लिए उपयोगी हैं उस स्तर तक उस व्यक्ति तक वह योजनाएं पहुंच ही नहीं पाती थीं जिनसे उन योजनाओं का लाभ से लाभार्थी व्यक्ति वंचित रह जाता था। मिशन शक्ति के अंतर्गत इन योजनाओं को ग्रामीण अंचल से लेकर के शहरी क्षेत्र में एक समान रूप से लोगों तक जन-जन तक पहुंचाया गया है। वर्तमान में मिशन शक्ति फेस 4 जो नवरात्र के प्रथम दिवस पर प्रारंभ किया गया है इसमें विद्यालय से भी रैली निकाली गई, हर संस्थाओं और विभाग से इसे जोड़ा गया। सुरक्षा, स्वावलंबन के क्षेत्र में अच्छा कार्य करने वाली महिलाओं

को पुरस्कृत किया गया है और यह एक अभियान बनाकर विद्यालय से लेकर के जिला स्तर तक के बड़े कार्यालय से जोड़ा गया है जिससे मिशन शक्ति के अंतर्गत महिलाओं को सशक्त करने हेतु किए गए प्रयास हर महिला तक, हर बालिका तक पहुंच सकें और ज्यादा से ज्यादा महिलाएं इससे लाभान्वित हो सकें।

मिशन शक्ति अभियान कार्यक्रम से महिलाओं और बेटियों को स्वयं के अधिकारों को जानने के साथ उनमें एक चेतना जागृत हुई है। कन्या सुमंगला प्रोग्राम, बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ प्रोग्राम, मिशन शक्ति प्रोग्राम के अंतर्गत बालिकाओं और महिलाओं को एक अवसर प्रदान किया गया जिससे वह सम्मानित और सशक्त महसूस कर सकें। ग्राम पंचायत में बीसी सखी और पीएम सम्मान निधि योजना के तहत 2 लाख से अधिक महिलाओं को लाभान्वित किया जाना ऐसे ही अवसर थे जो महिलाओं को प्रदान किए गए। वर्तमान समय में प्रदेश की महिलाओं ने श्रम शक्ति में मिले अवसरों का उपयोग कर अपने लिए स्वर्णिम भविष्य गढ़ दिया है।

आज कला, विज्ञान, अंतरिक्ष, व्यापार, शिक्षा हर क्षेत्र में बालिकाएं आगे निकल रही हैं ऐसे में किसी अवांछनीय तत्व से बिना डरे मिशन शक्ति अभियान के द्वारा बच्चियां, महिलाएं निडर होकर घर से बाहर निकल रही हैं। मिशन शक्ति के अंतर्गत प्रदेश भर में चल रही महिला संबंधी योजनाएं मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, बीसी सखी, प्रधानमंत्री वंदन योजना आदि का व्यापक प्रचार प्रचार भी किया जा रहा है। जिससे महिलाएं इन योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ उठा सकें। इन योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु कैंप लगाकर भी अभियान चलाए जा रहे हैं। महिलाओं और बालिकाओं को शासन सुरक्षा संबंधी सेवाएं जैसे विभिन्न पावर लाइन, महिला हेल्पलाइन, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, पुलिस आपातकालीन सेवा, चाइल्ड हेल्पलाइन, चिकित्सा संबंधी स्वास्थ्य सेवा, एंबुलेंस सेवा संबंधी जानकारी को जगह जगह पेंट करा कर लिखवाया जा रहा है जिससे जानकारी सभी लोगों तक पहुंच सके। सुरक्षा हेतु विभाग द्वारा गठित महिला सुरक्षा बल गांव में जन चौपाल लगाकर, बस स्टैंड, बाजार, गांव, कस्बा, स्कूल कॉलेज, सार्वजनिक एवं भीड़भाड़ वाले स्थान पर बालिकाओं महिलाओं से वार्ता कर महिला सुरक्षा संबंधी उपायों के बारे में भी जागरूक किया जा रहा है। शक्ति दीदी के रूप में महिलाओं से जुड़कर उन्हें सशक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है। मिशन शक्ति का उद्देश्य प्रत्येक नारी और बच्चियों को सुरक्षा तथा सम्मान का अधिकार दिलाना है, उन्हें सरकार की योजनाओं से अवगत कराते हुए जागरूक करना, मानसिक रूप से सबल व सामान बनाते हुए प्रत्येक क्षेत्र में उन्हें अवसर प्रदान करना है। मिशन शक्ति ने पूर्व में तीन चरणों में अपार सफलता हासिल की तथा इसका सफल क्रियान्वयन पूरे प्रदेश में किया गया है, विभिन्न योजनाओं के माध्यम से नारी वंदन अधिनियम के तहत नारियों को सम्मान व सुरक्षा प्रदान किया गया है। आज महिलाएं सिर्फ चूल्हे चौके तक ही सीमित नहीं हैं, आज ऐसा नहीं है कि वह ग्रामीण अंचल से हैं तो उनको अवर नहीं उपलब्ध हैं। ग्रामीण क्षेत्र में स्वयं सहायता समूह की सदस्य बनकर समाज के पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर आत्मनिर्भर बनते हुए अपने परिवार को आर्थिक एवं सामाजिक सहायता प्रदान कर रही हैं। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत फेज 4 में ऐसी छात्राएं जो विद्यालय से दूर हो रही हैं उन्हें चिन्हित करके उनके अभिभावकों से संपर्क कर उन्हें पावर एंजेल के रूप में प्रशिक्षित किया जा रहा है और सघन अभियान चलाकर छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। बाल अधिकारों के साथ-साथ उन्हें जरूरी कानून के बारे में जानकारी दी जारही एवं सजग एवं सतर्क बनने के लिए दृष्टि प्रदान की जा रही है। आज नए भारत का नया उत्तर प्रदेश सफलता की नई कहानी कह रहा है। सरकार ने समर्थ उत्तर प्रदेश के महिला श्रम शक्ति को सशक्त बना दिया है। इनकी समृद्धि के लिए सरकार संकल्पित है। महिलाओं के उत्थान के लिए सरकार ने नवरात्रि के पावन अवसर पर मिशन शक्ति की चतुर्थ चरण का प्रारंभ किया है। नारी सुरक्षा नारी सम्मान के साथ स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ रही है। शारदीय नवरात्रि से निरंतर अनेक कार्यक्रम अयोजित हो रहे हैं। केंद्र सरकार की महिला संबंधित योजनाओं का प्रदेश सरकार पारदर्शी ढंग से शत प्रतिशत लाभ महिलाओं को मिल रहा है।

कार्तिक माह 29 से

इसमें स्नान-दान का महत्व और नियम, जानें

अश्विन माह के बाद कार्तिक का महीना शुरू हो जाता है । ये माह भगवान विष्णु को समर्पित है। कार्तिक के महीने में स्नान दान और उपवास करने से सभी कष्टों से मुक्ति बहुत आसानी से मिल जाती है। इस महीने में भगवान शिव और विष्णु तथा कार्तिकेय और तुलसी की पूजा का विधान है।

अक्षय पुण्य की प्राप्ति के लिए इस महीने में मां लक्ष्मी की विशेष पूजा की जाती है। आइए जानें साल 2023 में कार्तिक माह कब से शुरू हो रहा है, इसका महत्व और क्या करें, क्या न करें।

कार्तिक माह 2023 कब से शुरू

इस साल कार्तिक माह 29 अक्टूबर 2023 से शुरू हो रहा है। इसका समापन कार्तिक पूर्णिमा पर 27 नवंबर 2023 को होगा। कार्तिक माह में तप और व्रत का माह है, इस माह में भगवान की भक्ती और पूजा अर्चना करने से मनुष्य की सारी इच्छाएं पूर्ण होती हैं।

कार्तिक माह में स्नान का महत्व

मासानां कार्तिक: श्रेष्ठो देवानां मधुसूदन।

तीर्थं नारायणाख्यं हि त्रितयं दुर्लभं कलौ।।

अर्थ - स्कंद पुराण में लिखे इस श्लोक के अनुसार, भगवान विष्णु और विष्णु तीर्थ के समान ही कार्तिक माह भी श्रेष्ठ और दुर्लभ है।कार्तिक पूर्णिमा के दिन महादेव ने त्रिपुरासुरों राक्षस का वध किया था और भगवान विष्णु ने मत्स्यावतार लिया था। कार्तिक महीने में भगवान विष्णु मत्स्यावतार लेकर जल में रहते हैं। ऐसे में कार्तिक के पूरे महीने सूर्योदय से पूर्व नदी या तालाब में स्नान करने और दान करने से बैकुंठ लोक की प्राप्ति होती है। वह पाप मुक्त हो जाता है। कहते हैं स्वंय देवतागण भी कार्तिक माह में गंगा में स्नान करने धरती पर आते हैं।

कार्तिक माह में क्या करें

कार्तिक महीने में सूर्योदय से पहले उठकर पवित्र नदी के जल से स्नान करें। किसी नदी में स्नान भी कर सकेत हैं। इससे मोक्ष प्राप्त होता है। पाप धुल जाते हैं।

ङ्घ खाली पेट पानी के साथ तुलसी के कुछ पत्ते खाएं। मान्यता है इससे सालभर बीमारियों से राहत रहती है।कार्तिक के महीने में रोजाना तुलसी के नीचे दीपक लगाएं और परिक्रमा करें। इससे धन लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।कार्तिक माह में दिया गया दान जैसे अन्न, ऊनी वस्त्र, तिल, दीपदान, आंवला दान करने से हर तरफ से लक्ष्मी की कृपा मिलती है।इस महीने में मूली, कंद, गाजर, गराडू, शकरकंद खाना सेहत के लिए अच्छा होता है। इससे व्यक्ति निरोगी रहता है।

कार्तिक माह में क्या न करें

कार्तिक के महीने में शरद ऋतु शुरू होती है। दो बदलते मौसम के बीच का समय होने से इन दिनों सेहत संबंधी परेशानी भी होने लगती है। ऐसे में कार्तिक महीने के दौरान बैंगन, मट्ठा, करेला, दही, जीरा, फलियां और दालें नहीं खानी चाहिए।कार्तिक के महीने में श्रीहरि जल में निवास करते हैं इसलिए भूलकर भी मछली या फिर अन्य प्रकार की तामसिक चीजें ग्रहण न करें।

कार्तिक मास में तुलसी पूजा का महत्व

दूर होंगी आर्थिक मुश्किलें

कार्तिक मास जल्द ही शुरु होने वाला है इस मास में तुलसी पूजा का विशेष महत्व है । आइये जानते हैं इस मास में तुलसी पूजा के फायदे।

कार्तिक मास 29 अक्टूबर 2023, रविवार से शुरु होने वाला है। इस मास में तुलसी का विशेष महत्व है। कार्तिक मास भगवान विष्णु और तुलसी जी को समर्पित मास है। इस पवित्र महिने का समापन 27 नवंबर 2023 को कार्तिक पूर्णिमा के दिन होगा।

कार्तिक मास में तुलसी पूजा का विशेष महत्व है।इस मास में तुलसी पूजा और विष्णु जी की पूजा करना सवोत्तम माना गया है। कार्तिक मास में आर्थिक समस्या का अगर सामना कर रहे हैं तो तुलसी पूजा का विशेष महत्व बताया गया है।

कार्तिक मास में तुलसी जी पर जल अर्पित करना बेहद ही शुभ माना गया है। इन दिनों में रोजाना सुबह उठकर स्नान कर के तुलसी पर जल जरुर अर्पित करें।

कार्तिक मास में रोज सुबह शाम तुलसी जी पर दिया जरुर जलाएं।

तुलसी पर दीपक शाम 5 से 7 के बीच में जलाएं। साथ ही तुलसी के गमले पर स्वास्तिक का चिन्ह जरुर बनाएं।

तुलसी पर दीपक जलाते समय इस मंत्र का जाप जरुर करें। - शुभम करोति कल्याणं, आरोग्यं धन संपदाम्, शत्रु बुद्धि विनाशाय, दीपं ज्योति नमोस्तुते।।

मंत्रों के जप से दूर होते है ग्रहों के दोष

आपके लिए वरदान है नौ ग्रहों के ये नौ मंत्र

ज्योतिष विज्ञान में नौ ग्रह बताएं गए हैं, जिनकी चाल का सीधा असर व्यक्ति के जीवन पर पड़ता है। किसी व्यक्ति की कुंडली को देखकर ग्रहों की स्थिति का विचार किया जाता है। जीवन की इस आपाधापी में हर आदमी दो पैसे कमाने और बचाने के लिए दिन-रात जुटा रहता है। लेकिन कई बार तमाम कोशिशों के बावजूद मेहनत के मुताबिक न तो धन मिलता है और न ही उसकी बचत हो पाती है। ज्योतिष के अनुसार हमारे जीवन से जुड़े तमाम प्रकार के सुख-दु:ख का हमारी कुंडली के नौ ग्रहों से सीधा संबंध होता है। ग्रहों के दोष को दूर करने के लिए और उनकी शुभता प्राप्त करने के लिए ज्योतिष शास्त्र में कई तरह के उपाय बताये गये हैं। जिन्हें करने पर जीवन से जुड़ी जहां तमाम तरह की समस्याएं दूर होती हैं, वहीं सुख, समृद्धि और सौभाग्य बढ़ता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि जन्मपत्री (कुंडली) में जब ग्रह कमजोर होते हैं तो व्यक्ति को उससे संबंधित बुरे परिणाम प्राप्त होते हैं। वहीं जब ग्रह मजबूत होते हैं तो जातकों को उसका प्रत्यक्ष लाभ भी मिलता है। हालांकि ग्रहों को मजबूत बनाने के लिए उपाय भी बताए गए हैं और इनमें सबसे ज्यादा कारगर उपाय हैं ग्रहों से जुड़े मंत्रों का जाप। आइए जानते हैं ग्रह और उनसे जुड़े मंत्र और उनका लाभ।

सूर्य ग्रह

ज्योतिष शास्त्र में सूर्य ग्रह को ग्रहों का राजा माना जाता है। जीवन में मान-सम्मान, नौकरी और समृद्धिशाली जीवन जीने के लिए सूर्य देव की कृपा जरूरी होती है और उनका आशीर्वाद पाने के लिए सूर्य ग्रह के बीज मंत्र का जप करना चाहिए।

सूर्य बीज मंत्र - ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः।

विधि - मंत्र को रविवार के प्रात: काल के समय स्नान ध्यान के बाद 108 बार जपें।

चंद्र ग्रह

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि किकुंडली में चंद्र दोष होने से कलह, मानसिक विकार, माता-पिता की बीमारी, दुर्बलता, धन की कमी जैसी समस्याएं सामने आती हैं। चंद्रमा मन का कारक ग्रह होता है। कुंडली में चंद्र को मजबूत बनाने के लिए चंद्र ग्रह के बीज मंत्र का जप करना चाहिए।

चंद्र बीज मंत्र - ॐ श्रां श्रीं श्रौं सः चंद्रमसे नमः।

विधि - मंत्र को सोमवार के दिन सायं काल में शुद्ध होकर 108 बार जपें।

मंगल ग्रह

मंगल साहस और पराक्रम का कारक ग्रह है। कुंडली में मंगल के कमजोर होने पर उसके साहस और ऊर्जा में निरंतर कमी रहती है। मंगल को मजबूत करने के लिए मंगल ग्रह के बीज मंत्र का जप करना चाहिए।

मंगल बीज मंत्र - ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः।

विधि - इस मंत्र को मंगलवार के दिन प्रातः स्नान ध्यान के बाद 108 बार जपें।

बुध ग्रह

जीवन में तरक्की और प्रसिद्धि पाने के लिए कुंडली में बुध का मजबूत होना आवश्यक है। बौद्धिक नजरिए से सबसे प्रबल ग्रह होता है। कुंडली में बुध ग्रह को मजबूत करने के लिए बुध ग्रह के बीज मंत्र का जप करना चाहिए।

बुध बीज मंत्र - ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः।

विधि - मंत्र का 108 बार जाप करें।

बृहस्पति ग्रह

वैवाहिक जीवन से जुड़ी समस्याओं के लिए इस मंत्र का जप करना चाहिए। कुंडली में बृहस्पति के शुभ प्रभाव से धन लाभ, सुख-सुविधा, सौभाग्य, लंबी आयु आदि मिलता है। कुंडली में देवगुरु बृहस्पति की मजबूती के लिए जातकों को गुरु बीज मंत्र का जप करना चाहिए।

गुरु बीज मंत्र - ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरुवे नमः।

विधि - नित्य संध्याकाल में 108 बार जपें।

शुक्र ग्रह

कुंडली में शुक्र ग्रह के मजबूत होने पर सभी तरह के ऐशो-आराम की सुविधा मिलती है और इसे मजबूत करने के लिए जातकों को शुक्र बीज मंत्र का जाप करना चाहिए।

शुक्र बीज मंत्र - ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः।

विधि - शुक्रवार के दिन प्रातः काल के समय स्नान ध्यान करने के बाद मंत्र को 108 बार जपें।

शनि ग्रह

ज्योतिष में शनि देव को कर्मफलदाता के नाम से जाना जाता है। यदि कुंडली में शनि ग्रह भारी होता है तो जिंदगी में परेशानियां बनी रहती हैं। इन परेशानियों को दूर करने के लिए शनि बीज मंत्र का जाप करना चाहिए।

शनि बीज मंत्र - ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः।

विधि - शनिवार के दिन संध्याकाल में मंत्र को 108 बार जपें।

राहु ग्रह

राहु एक छाया ग्रह है। तनाव को कम करने के लिए राहु मंत्र का जप करना चाहिए। कुंडली में यदि राहु अशुभ स्थिति में है तो व्यक्ति को आसानी से सफलता नहीं मिलती है। राहु को मजबूत करने के लिए राहु बीज मंत्र का जप करना चाहिए।

राहु बीज मंत्र - ॐ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः।

विधि - इस मंत्र का नित्य रात्रि के समय 108 बार जाप करें।

केतु ग्रह

केतु एक छाया ग्रह ग्रह है, जिसका अपना कोई वास्तविक रूप नहीं है। यदि कुंडली में केतु की स्थिति कमजोर होती है तो यह जिंदगी को बदतर बना देता है। जीवन में कलह बना रहता है। ऐसे में कलह से बचने के लिए इस केतु बीज मंत्र का जाप करना चाहिए।

केतु बीज मंत्र - ॐ स्रां स्रीं स्रौं सः केतवे नमः।

विधि - मंत्र का रात्रि के समय 108 बार जाप करें।

-डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान
जयपुर - जोधपुर

वाल्मीकि जयंती 28 को

जानें रामायण के रचियता का इतिहास और उनसे जुड़ी रोचक बातें

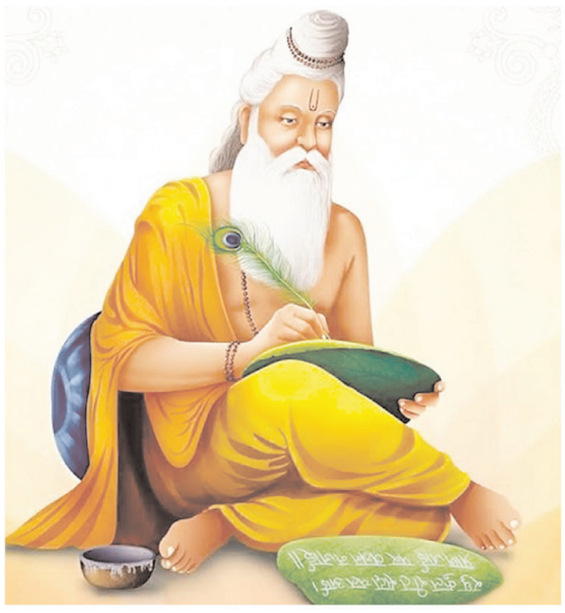

शरद पूर्णिमा का दिन मां लक्ष्मी-चंद्रमा की पूजा के अलावा एक और कारण से महत्वपूर्ण माना जाता है। शरद पूर्णिमा पर महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाई जाती है। महर्षि वाल्मीकि को हिन्दू धर्म में श्रेष्ठ गुरु माना गया है।

वाल्मीकि जी पहले डाकू थे लेकिन फिर एक घटना ने उनका जीवन ऐसा बदला कि उन्होंने भगवान श्रीराम के जीवन पर आधारित रामायण नामक महाकाव्य लिख दिया। आदिकवि माने गए महर्षि वाल्मीकि का जीवन बहुत दिलचस्प रहा है। इस साल वाल्मीकि जयंती 28 अक्टूबर 2023 को है। आइए जानते हैं महर्षि वाल्मीकि जी का इतिहास और उनसे जुड़ी खास बातें।

ऐसे गुजरा महर्षि वाल्मीकि का बचपन

ग्रंथों के अनुसार महर्षि वाल्मीकि का मूल नाम रत्नाकर था। इनके जन्म को लेकर कई मत है, मतानुसार ये ब्रह्माजी के मानस पुत्र प्रचेता की संतान थे। वहीं जानकारों के अनुसार वाल्मीकि जी को महर्षि कश्यप -चर्षणी की संतान माना जाता है। इन्होंने ब्राह्मण कुल में जन्म लिया था लेकिन एक भीलनी ने बचपन में इनका अपहरण कर लिया और भील समाज में इनका लालन पालन हुआ। भील लोग जंगल के रास्ते से गुजरने वालों को लूट लिया करते थे। रत्नाकर ने भी इसी परिवार के साथ डकैती का काम करना शुरू कर दिया।

महर्षि वाल्मीकि के जीवन की खास बातें

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, एक बार नारद मुनि जंगल के रास्ते जाते हुए डाकू रत्नाकर के चंगुल में आ गए। नारद जी ने रत्नाकार से कहा कि इस कुकर्म से उसे कुछ हासिल नहीं होगा। रत्नाकार ने कहा कि वह ये सब परिवार के लिए करता है। तब बंदी नारद मुनि ने रत्नाकर से सवाल किया कि क्या तुम्हारे घरवाले भी तुम्हारे बुरे कर्मों के साझेदार बनेंगे। रत्नाकर ने अपने घरवालों के पास जाकर नारद मुनि का सवाल दोहराया। जिसपर उन्होंने स्पष्ट रूप से इनकार कर दिया। डाकू रत्नाकर को इस बात से काफी झटका लगा और उसका हृदय परिवर्तन हो गया।

महर्षि वाल्मीकि ने लिख दिया महाकाव्य

नारद मुनि के कहने पर रत्नाकार ने राम-नाम का जाप शुरू कर दिया लेकिन उसके मुंह से ङ्गमरा-मराफ ही शब्द निकल रहे थे। नारद मुनि ने कहा कि यही दोहराते रहो इसी में राम छिपे हैं।

फिर रत्नाकार ने राम-नाम की ऐसी अलख जगाई की उन्हें खुद भी ज्ञात नहीं रहा कि उनके शरीर पर दीमकों ने बांबी बना ली है। इनकी तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्माजी ने दर्शन दिए और इनके शरीर पर लगे बांबी को देखा तो रत्नाकर को वाल्मीकि नाम दिया।

यहां से मिली रामायण लिखने की प्रेरण

ब्रह्माजी ने महर्षि वाल्मीकि को रामायण की रचना करने की प्रेरणा दी। इन्होंने रामायण संस्कृत में लिखी थी जिसे सबसे प्रचीन रामायण माना जाता है। इसमें 24,000 श्लोक हैं।

दूसरा प्रदोष व्रत आज

सुखी वैवाहिक जीवन के लिए खास है ये दिन, नोट करें डेट, मुहूर्त

गुरु प्रदोष व्रत बहुत ही मंगलकारी और शुभफलदायी माना जाता है। इस प्रदोष व्रत को करने से भगवान शिव के साथ ही भगवान विष्णु की कृपा का भी लाभ मिलता है। अश्विन माह का शुक्ल पक्ष चल रहा है ऐसे में इस दौरान गुरु प्रदोष व्रत का संयोग बन रहा है।

माना जाता है कि गुरु प्रदोष का व्रत करने वाले को 100 गाय को दान करने के समान फल की प्राप्ति होती है। आइए जानते हैं अश्विन माह के गुरु प्रदोष व्रत की डेट, मुहूर्त और महत्व।

गुरु प्रदोष व्रत 2023 डेट

इस साल अश्विन माह का दूसरा प्रदोष व्रत 26 अक्टूबर 2023 को है। प्रदोष काल के समय महादेव कैलाश पर्वत के रजत भवन में नृत्य करते हैं और देवता उनके गुणों का गुणगान करते हैं। यही वजह है कि प्रदोष व्रत में शाम के समय शिवलिंग का अभिषेक करने पर सारी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती है।

गुरु प्रदोष व्रत 2023 मुहूर्त

पंचांग के अनुसार अश्विन शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि 26 अक्टूबर 2023 को सुबह 09 बजकर 44 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन 27 अक्टूबर 2023 को सुबह 06 बजकर 56 मिनट पर समाप्त होगी।

शिव पूजा समय - शाम 05.41 - रात 08.15

गुरु प्रदोष व्रत महत्व

भगवान शिव शंकर की पूजा आराधना करने से जीवन में कभी भी सुख समृद्धि की कमी नहीं होती है। मान्यता यह भी है कि प्रदोष व्रत करने से साधक और व्रत करने वालों के जीवन का हर दोष मिट जाता है। गुरु प्रदोष व्रत उन लोगों को जरुर करना चाहिए जिनके विवाह में अड़चने आ रही हो, वैवाहिक जीवन से सुख-शांति छिन गई है। कहते हैं शिव और श्रीहरि विष्णु दांपत्य जीवन से जुड़ी हर समस्या का समाधान हैं। इनकी उपासना से भक्तों की समस्त परेशानियां दूर हो जाती है।

प्रदोष व्रत की पूजा विधि

-सुबह स्नान आदि के बाद व्रत का संकल्प लें। शाम को भगवान शिव का अभिषेक करें। पूजा में पंचामृत का उपयोग करना चाहिए। भगवान शिव की धूप व दीपक से आरती करें।

-महादेव को भोग लगाएं, आरती उतारें व नैवैद्य अर्पित करें।-पौराणिक मान्यताओं के अनुसार किसी भी प्रदोष व्रत में भगवान शिव की पूजा सूर्यास्त से 45 मिनट पूर्व शुरू होकर सूर्यास्त के 45 मिनट बाद तक की जाती है। अत: प्रदोष काल में पूजा करते समय इसका विशेष ख्याल रखें।

बुलंद रहे धर्म की पताका

धर्म एक आदत के समान है। इसका स्वयं पालन करना आवश्यक है, लेकिन दूसरों को पालन करवाने के लिए ज़बरदस्तीकरना नहीं चाहिए। धर्म का विस्तार धर्म के अनुसार ही होना आवश्यक है यदि आप धर्म के विस्तार के लिए अधर्म कर रहे हैं तो आपका धर्म पहले ही नष्ट हो चुका है। धर्म का अर्थ है आत्मा का परमात्मा से मिलन। जिस समाज में धार्मिक व्यक्ति निवास करते हैं वहाँ अधर्म अपने आप समाप्त हो जाता है। धर्म व्यक्ति के मष्तिष्क से मोह-माया को समाप्त कर उन्हें जीवन के निर्मल अर्थ से अवगत करवाता है। धर्म विश्वास पर आधारित है कृपया इसका आधार अंधविश्वास को ना बनाएँ। धर्म की उत्पत्ति मानव कल्याण के लिए हुई है मानव हानि के लिए नहीं। अपने कर्त्तव्य का ईमानदारी से पालन करना ही अपने धर्म को निभाना है। मानव धर्म सभी धर्मों से ऊपर है। उपरोक्त बातों पर गहन विचार करने के बाद हमें लगा कि आज-कल के भाग-दौड भरे जीवन में पर्व और तिथियाँ याद रखना चुनौती बन गया है। इसलिए आपकी चुनौती का समाधान करने का बीडा हमने उठाया है। इसके तहत पाठकों को प्रतिदिन के व्रत-त्योहार की जानकारियाँ एक जगह समेट कर आपके समक्ष प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी हम उठा रहे हैं।

– संजना अग्रवाल

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय प्रमुख समाचार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का झारखंड दौरा 15 नंवबर को

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 15 नंवबर को झारखंड दौरे पर आने की सूचना है। यहां वे भगवान बिरसा मुंडा को नमन करने खूंटी के उलिहातू आएंगे। हालांकि, उनके आगमन को लेकर अब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। प्रधानमंत्री का यह दौरा आनेवाले चुनावों के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी इस मौके पर जनजातीय समुदाय के लिए कई योजनाएं भी शुरू करने की घोषणा कर सकते हैं। गौरतलब है कि पिछले वर्ष राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 15 नवंबर को उलिहातू का दौरा किया था। यहां उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा के वंशजों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को जानने की कोशिश की थी। बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी अपने किसी भी संबोधन में भगवान बिरसा मुंडा को याद करना नहीं भूलते हैं। बीते कुछ वर्षों से लगातार उनके जन्मदिन को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसके अलावा 15 नवंबर को झारखंड स्थापना दिवस भी हैं।

प्रधानमंत्री मोदी को भेजे गए निमंत्रण पर भड़का विपक्ष

नई दिल्ली। आयोध्या में 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के लिए पीएम मोदी को निमंत्रण भेजा गया। इस निमंत्रण पर विपक्ष ने हंगामा शुरु कर दिया है। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने इसपर सवाल खड़े करते हुए पूछा कि इस मौके पर पीएम को निमंत्रण देना जरूरी है? ऐसे मौकों पर पीएम को खुद ही उपस्थित होना चाहिए। वह देश के प्रधानमंत्री है। उन्हें वहां जरूर जाना चाहिए। वहीं कांग्रेस नेता सलमान खुर्शिद ने भी पीएम को निमंत्रण देने पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सवाल किया कि क्या ये निमंत्रण केवल एक ही पार्टी को दिया जाएगा? कांग्रेस नेता ने कहा, मैं इस पर कोई बयान नहीं दूंगा कि किसे बुलाना चाहिए और किसे नहीं। लेकिन क्या भगवान केवल एक ही पार्टी के लिए सीमित हो गए हैं। निमंत्रण सभी के लिए होना चाहिए। सलमान खुर्शिद ने इसे सिर्फ एक पार्टी का कार्यक्रम बताते हुए सवाल किया कि क्या ये केवल एक पार्टी या सिर्फ एक व्यक्ति से जुड़ा कार्यक्रम है?

महुआ मोइत्रा को एथिक्स कमेटी ने 31 को बुलाया

नईदिल्ली। लोकसभा की आचार समिति ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा को उनके खिलाफ कैश-फॉर-क्वेरी आरोप के संबंध में 31 अक्टूबर को पेश होने के लिए बुलाया है। सूत्रों ने कहा कि लोकसभा की आचार समिति 31 अक्टूबर को तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा को उनके खिलाफ कैश-फॉर-क्वेरी आरोप पर गवाही देने के लिए बुलाएगी। हालाँकि, पैनल का हिस्से के रूप में मौजूद कुछ विपक्षी सांसद ने कहा है कि संसद सदस्य को केवल तभी बुलाया जाना चाहिए जब वे उपलब्ध हों। पैनल ने गुरुवार को भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और सुप्रीम कोर्ट के वकील जय अनंत देहाद्राई के मौखिक साक्ष्य रिकॉर्ड करने के लिए बुलाई, जिन्होंने मोइत्रा पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उद्योगपति गौतम अडानी पर निशाना साधने वाले प्रश्न पूछने के लिए रिश्वत लेने का आरोप लगाया है। सूत्रों ने बताया कि जय अनंत देहाद्राई, जिन्हें मोइत्रा ने जिल्टेड-एक्स कहा था।

भाजपा मोहम्मद बिन तुगलक की तरह हो गई : ममता बनर्जी

कोलकाता। एनसीईआरटी पैनल ने सभी पाठ्यपुस्तकों में देश का नाम इंडिया से बदलकर भारत करने की सिफारिश की है। बीते बुधवार को जो जानकारी सामने आई उस पर तृणमूल नेता ममता बनर्जी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में ममता ने कहा कि अचानक सर्कुलर भेजकर भारत का नाम काटने की बात कही जा रही है। इतना डर क्यों? एक नाम में 10 बातें हो सकती हैं। अशोक स्तंभ का प्रयोग हर कोई करता है। समस्या क्या है? उन्होंने नोटबंदी और जीएसटी का जिक्र करते हुए आगे कहा कि बीजेपी मोहम्मद बिन तुगलक की तरह हो गई जो कि इतिहास बदलना चाहती है। ममता बनर्जी ने कहा कि बीजेपी कहती है कि वो सबका साथ सबका विकास चाहती है। लेकिन वास्तव में इसका मतलब सबका साथ सबका सत्यानाश है। उन्होंने कहा कि विश्वभारती टैगोर की देन है। फिर भी विश्वविद्यालय को यूनेस्को विरासत का दर्जा मिलने पर पट्टिकाओं में उनका कोई उल्लेख नहीं है।

आजम खां का सीतापुर जेल में अजय से मिलने से इनकार

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव आजम खां को लेकर उत्तर प्रदेश की सियासत गरमा गई है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के गुरुवार को आजम खां से मिलने के लिए सीतापुर जेल जाने की घोषणा के बाद यूपी का सियासी पारा चढ़ गया है। हालांकि कहा जा रहा है कि आजम खां ने अजय राय से मिलने से इनकार कर दिया है। उन्होंने जेल के अधिकारियों से कहा कि वह किसी भी राजनेता से नहीं मिलना चाहते हैं। आजम खां सिर्फ अपने परिवार के सदस्यों से मिलना चाहते हैं। उन्होंने किसी अन्य नेता से मिलने को लेकर मना कर दिया है। बताया जा रहा है कि जेल प्रशासन से कहा था कि आजम खां से पूछने के बाद उनसे नियमों के मुताबिक ही किसी से मुलाकात कराई जाएगी। वहीं अब आजम खां के परिवार के अलावा किसी अन्य से मुलाकात नहीं करने की बात कही जा रही है। हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है।

ईडी छापों को लेकर खड़गे ने केंद्र पर साधा निशाना

बोले- भाजपा के असली पन्ना प्रमुख बन गए हैं ईडी, सीबीआई, आईटी

नईदिल्ली। राजस्थान में प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी को बीजेपी का राजनीतिक प्रतिशोध करार देते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया कि चुनाव आते ही केंद्रीय एजेंसियां बीजेपी की असली पन्ना प्रमुख बन जाती हैं। परीक्षा पेपर लीक मामले में प्रवर्तन निदेशालय राजस्थान में लगभग एक दर्जन स्थानों पर तलाशी ले रहा है, जिसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और कुछ अन्य कांग्रेस नेताओं के आवास भी शामिल हैं। एजेंसी ने मामले के सिलसिले में पिछले हफ्ते इसी तरह की छापेमारी की थी और 12 लाख रुपये नकद और कई आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए थे। वहीं, एजेंसी ने फेमा मामले में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत को भी शुक्रवार को जयपुर या नई दिल्ली स्थित एजेंसी के कार्यालय में बुलाया है।

इसी को लेकर मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स पोस्ट में लिखा कि चुनाव आते ही श्वष्ठ, ष्टक्चढ्ढ, ढ्ढञ्ज आदि भाजपा के असली %पन्ना प्रमुख% बन जाते हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान में अपनी निश्चित हार को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने चला अपना आख़िरी दाँव! श्वष्ठ ने छत्तीसगढ़ के बाद राजस्थान में भी विधानसभा चुनाव अभियान में उतरते हुए कांग्रेसी नेताओं के ख़िलाफ़ कार्रवाई शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की तानाशाही लोकतंत्र के लिए घातक है। हम एजेंसियों के दुरपयोग के ख़िलाफ़ लड़ते रहेंगे, जनता भाजपा को क़रारा जवाब देगी। वहीं, पवन खेड़ा ने कहा कि आज राजस्थान में फिर से श्वष्ठ पहुंच चुकी है। पहले जहां चुनाव होता था, वहां मोदी जी जाते थे। अब जहां चुनाव होता है, वहां श्वष्ठ पहुंच जाती है। राजस्थान के लोग सब देख रहे हैं। वो दिल्ली के आगे ना कभी झुके हैं और ना झुकेंगे।

गोविंद सिंह डोटासरा की संपत्तियों पर ईडी के छापे और वैभव गहलोत को ईडी के समन पर राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि आज स्थिति चिंताजनक है. सवाल किसी का नहीं है, सवाल मेरे बेटे का नहीं है। उन्होंने पूरे देश में आतंक फैला रखा है। उन्होंने कहा कि मैंने सुना है कि ईडी अधिकारी एक साल से अपने परिवारों को छत्तीसगढ़ स्थानांतरित कर चुके हैं और वहां किराए पर रह रहे हैं क्योंकि उन्हें हर दिन छापेमारी करनी पड़ती थी। उन्होंने कहा कि गुंडागर्दी है ये...ऊपर से दबाव के बिना न

तो ईडी आ सकती है और न ही सीबीआई। वहीं, बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने कहा कि राजस्थान में हर कोई जानता है कि कैसे 17 बार पेपर लीक हुआ और सरकार ने प्रमुख संदिग्धों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की। इसमें पैसे का भारी आदान-प्रदान शामिल था...सभी स्वतंत्र एजेंसियाँ अपने स्तर पर कार्यवाही कर रही हैं। सभी को उनका स्वागत करना चाहिए। यदि वे दोषी नहीं हैं, तो पकड़े नहीं जायेंगे और यदि दोषी हैं, तो अवश्य पकड़े जायेंगे।

अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत को ईडी ने 27 को बुलाया

जयपुर। प्रवर्तन निदेशालय ने विदेशी मुद्रा उल्लंघन मामले में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत को तलब किया है। अधिकारियों ने बताया कि गहलोत के बेटे को विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा), 1999 के तहत 27 अक्टूबर को जयपुर में तलब किया गया है। इस साल अगस्त में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की एक टीम ने ट्राइटन होटल्स एंड रिसॉर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड नाम की मुंबई स्थित फर्म के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फेमा के तहत जयपुर, उदयपुर, मुंबई और दिल्ली में विभिन्न स्थानों पर तलाशी ली। फर्म के निदेशक, जिनकी पहचान रतन कांत शर्मा के रूप में की गई है, एक कार रेंटल सेवा में वैभव गहलोत के बिजनेस पार्टनर थे। 2015 में जयपुर के दो निवासियों ने एक शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें कहा गया था कि वैभव गहलोत ने मॉरीशस स्थित शिवनार होल्डिंग्स नाम की कंपनी से अवैध धन की हेराफेरी की थी-यह एक शेल कंपनी होने का संदेह है।

अशोक गहलोत ने ईडी की कार्रवाई को बताया राजनीति से प्रेरित

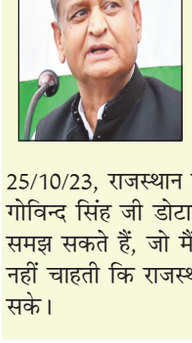

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गुरुवार को एक्स पर पोस्ट किया और बताया कि ईडी ने उनके बेटे वैभव गहलोत को तलब किया है। राजस्थान के मुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि भाजपा सरकार नहीं चाहती थी कि राज्य की कांग्रेस सरकार अपने कल्याणकारी गारंटी कार्यक्रमों को आगे बढ़ाए। मुख्यमंत्री ने ईडी की कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित बताया। राजस्थान सीएम ने गुरुवार को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के आवास पर हुई ईडी छापेमारी का भी जिक्र किया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को वरिष्ठ शिक्षक द्वितीय श्रेणी प्रतियोगी परीक्षा, 2022 पेपर लीक मामले में राजस्थान कांग्रेस प्रमुख गोविंद सिंह डोटासरा के आवास पर छापेमारी की। यह छापेमारी राजस्थान के जयपुर में सिविल लाइंस स्थित डोटासरा के आधिकारिक आवास पर की गई। सीएम गहलोत ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट में लिखा, दिनांक 25/10/23, राजस्थान की महिलाओं के लिए कांग्रेस की गारंटियाँ लॉंच। दिनांक 26/10/23, राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह जी डोटासरा के यहाँ ईडी की रेड, मेरे बेटे वैभव गहलोत को ईडी में हाज़िर होने का समन। अब आप समझ सकते हैं, जो मैं कहता आ रहा हूँ कि राजस्थान के अंदर ईडी की रेड रोज इसलिए होती है क्योंकि भाजपा ये नहीं चाहती कि राजस्थान में महिलाओं को, किसानों को, गरीबों को कांग्रेस द्वारा दी जा रही गारंटियों का लाभ मिल सके।

कांग्रेस पर भाजपा का वार

गहलोत सरकार ने भ्रष्टाचार के कई रिकॉर्ड तोड़े: गजेंद्र शेखावत

जयपुर। राजस्थान विधानसभा चुनाव के बीच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित परीक्षा पत्र लीक मामले की धन शोधन जांच के सिलसिले में बृहस्पतिवार को कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के जयपुर और सीकर स्थित परिसरों पर छापे मारे तथा विदेशी मुद्रा उल्लंघन मामले में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे को तलब किया है। इसको लेकर राजनीति तेज हो गई है। कांग्रेस भाजपा और केंद्र सरकार पर हमलावर है। कांग्रेस पर अब भाजपा की ओर से पलटवार किया गया है। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि राजस्थान की अशोक गहलोत ने भ्रष्टाचार के रिकॉर्ड तोड़ते हुए नए बेंचमार्क बना दिए हैं। राजस्थान के लाखों युवाओं के भविष्य को अंधकारमय बनाते हुए वहां लगातार पेपर लीक हुए।

भाजपा नेता ने दावा किया कि राजस्थान में 19 बार पेपर लीक हुए, जिससे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित हुए राज्य के 70 लाख युवाओं का भविष्य न केवल अंधकारमय हुआ अपितु सरकार द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से भर्ती की व्यवस्था से भी प्रदेश के लोगों का विश्वास समाप्त हो गया है। उन्होंने कहा कि पहले पेपर लीक की घटना से लेकर 19वें पेपर लीक तक लगातार गहलोत सरकार इसपर लीपापोती करते रहे। प्रारंभ के पेपर लीक के समय अशोक गहलोत जी ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि इस तरह की घटनाएं होना सामान्य बात है और अन्य प्रदेशों में भी इस तरह की घटनाएं होती रहती हैं। उन्होंने कहा कि बाद में उन्होंने कहा कि हम इसकी जांच करवाएंगे। लेकिन ये पेपर लीक का क्रम न थमने पर उन्होंने कहा कि इसमें कोई भी अधिकारी और कर्मचारी लिप्त नहीं है।

केंद्रीय मंत्री ने साफ तौर पर कहा कि पेपर लीक की हर घटना के बाद वो हर अधिकारी, कर्मचारी और राजनेताओं को क्लीनचिट देते रहे। उन्होंने कहा कि पेपर लीक के इस प्रकरण में ईडी की जांच के बाद इसके सरगना की गिरफ्तारी हुई और सरगना की गिरफ्तारी के बाद जो साक्ष्य मिले, उनके चलते ईडी ने जो हालिया कार्रवाई की, उसके कारण आज गहलोत सरकार बैकफुट पर है और बौखलाई हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रचंड आंदोलन और मीडिया के दबाव में आकर गहलोत सरकार को कुछ कार्रवाई करनी पड़ी। जिसके बाद आरपीएससी के एक सदस्य जेल गए और कांग्रेस सरकार द्वारा मंत्री का दर्जा प्राप्त एक व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया गया।

शेखावत ने कहा कि अब जब इस प्रकरण से जुड़ी हुई बड़ी मछलियों पर ईडी ने कार्रवाई करनी शुरू की है, तब गहलोत सरकार को अपनी कुर्सी खिसकती हुई दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि आज पेपर लीक से प्रभावित हुए 70 लाख युवाओं और उनके परिजनों में इस कार्रवाई के चलते न्याय की उम्मीद जागी है। अशोक गहलोत जी को बताना चाहिए कि यदि गोविंद सिंह डोटासरा के तार पेपर लीक से जुड़े मिलते हैं, तो क्या वो उन पर कार्रवाई

खेल
प्रमुख समाचार

पाकिस्तान का दक्षिण अफ्रीका के साथ मुकाबला आज

चेन्नई। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पाकिस्तान के लिए 'करो या मरो' का मुकाबला है। पाक टीम 4 अंक के साथ 5वें स्थान पर है। हारने पर नॉकआउट के रास्ते तो बंद होंगे ही, बाबर आजम की कप्तानी पर भी गाज गिर सकती है। पाक टीम 3 मैच हार चुकी है।

दक्षिण अफ्रीका टीम पूरे फॉर्म में है। 8 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। मैच 27 अक्टूबर को एमए चिदम्बरम स्टेडियम, चेन्नई में भारतीय समयानुसार दोपहर 2.00 बजे से होगा।

दूसरी ओर, दक्षिण अफ्रीका को केवल एक हार का सामना करना पड़ा है। नीदरलैंड ने उलटफेर किया था। वनडे विश्व कप 2023 में अब तक खेले गए तीन टॉस में से दो में पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका दोनों कप्तान शीर्ष पर रहे। दोनों टीमों के बीच अब तक खेले गए 82 मुकाबलों में दक्षिण अफ्रीका ने 51 जीते हैं। पाकिस्तान 30 मैचों में विजयी रहा, जबकि एक मैच बिना नतीजे के समाप्त हुआ।

पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन के कारण आलोचना झेल रहे बाबर को पता है कि इस मैच में हारने का हश्र क्या हो सकता है। अब से पाकिस्तान को हर मैच जीतना है और यह दुआ भी करनी है कि आस्ट्रेलिया बाकी चार में से कम से कम दो मैच हारे। क्रिकेट जगत में कहा जाता है कि पाकिस्तान टीम कब क्या कर गुजरे, कोई नहीं जानता। एक दिन वह विश्व विजेता नजर आती है तो अगले ही दिन कमजोर सी टीम से हार भी सकती है। विश्व कप जैसे टूर्नामेंट में पाकिस्तान का फॉर्म में होना जरूरी है और बाबर को पता है कि जबर्दस्त प्रदर्शन कर रही दक्षिण अफ्रीका को हराने के लिये चमत्कार से कम पर गुजारा नहीं होगा। दक्षिण अफ्रीका को भले ही धर्मशाला में नीदरलैंड ने हरा दिया था लेकिन दोनों टीमों के बीच जमीन आसमान का अंतर है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/ प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 900 अंक टूटकर 64 हजार के नीचे आया

नईदिल्ली। ग्लोबल मार्केट से मिले कमजोर रुझानों के बीच हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन यानी गुरुवार को भारी बिकवाली से घरेलू शेयर बाजार लगातार छठे दिन लाल निशान पर बंद हुए। आज के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 900 अंक कमजोर हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 265 अंक की गिरावट दर्ज की गई। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 900.91 अंक यानी 1.41 फीसदी की भारी गिरावट के साथ 63,148.15 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 63,774.16 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 63,092.98 तक आया। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी में भी 264.90 अंक यानी 1.39 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 18,857.25 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,041.70 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 18,837.85 तक आया।

हाउसिंग सेक्टर में संस्थागत निवेश 71 प्रतिशत बढ़ा

नईदिल्ली। देश में चालू कैलेंडर साल की जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान आवासीय संपत्तियों में संस्थागत निवेश 71 प्रतिशत बढ़कर 29.83 करोड़ डॉलर हो गया है। रियल एस्टेट सलाहकार वेस्टियन की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। एक साल पहले समान अवधि में हाउसिंग सेक्टर में संस्थागत निवेश का आंकड़ा 17.43 करोड़ डॉलर था। वेस्टियन की गुरुवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र को 2023 कैलेंडर वर्ष की तीसरी तिमाही में कुल मिलाकर 67.99 करोड़ डॉलर का संस्थागत निवेश मिला है, जो पिछले साल की समान अवधि के 37.43 करोड़ डॉलर से 82 प्रतिशत अधिक है। हालांकि, विदेशी कोषों के प्रवाह में उल्लेखनीय गिरावट की वजह से जुलाई-सितंबर की अवधि में इससे पिछली तिमाही की तुलना में कुल संस्थागत निवेश में 57 प्रतिशत की गिरावट आई है।

सिलिकॉन वैली की एआई कंपनी ने बिहार में रखा कदम

नईदिल्ली। सिलिकॉन वैली की एक कृत्रिम मेधा (एआई) कंपनी ने बिहार में ऑफिस खोला है, जिससे यह अमेरिका से राज्य में प्रवेश करने वाली पहली आईटी कंपनी बन गई है। सांता क्लारा मुख्यालय वाली टाइगर एनालिटिक्स ने इस महीने पटना में अपना पहला ऑफिस खोला है। टाइगर एनालिटिक्स के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी महेश कुमार ने हाल में एक इंटरव्यू में कहा, हम उम्मीद कर रहे हैं कि हमने जो शुरुआती कदम उठाए हैं, उनसे आगे चलकर काफी प्रगति हो सकती है। फिलहाल कंपनी के भारत में लगभग 4,000 कर्मचारी हैं। इनमें से ज्यादातर चेन्नई, बेंगलूरु और हैदराबाद में हैं। कुमार, जो खुद बिहार से आते हैं, ने कहा कि कोविड महामारी के दौरान कंपनी के ज्यादातर कर्मचारी बिहार अपने घर चले गए और उन्होंने वहीं से काम करना शुरू किया। उन्होंने कहा,' अभी हमारे पास बिहार और झारखंड में लगभग सौ लोग हैं।

पी-नोट्स के जरिए निवेश 1.33 लाख करोड़ रुपये बढ़ा

नईदिल्ली। भारतीय पूंजी बाजार में पार्टिसिपेटरी नोट्स (पी-नोट्स) के जरिये निवेश सितंबर के अंत तक छह साल के उच्चस्तर 1.33 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। यह लगातार सातवां महीना है जबकि पी-नोट्स के जरिये निवेश में मासिक आधार पर बढ़ोतरी हुई है। यह वृहद आर्थिक बुनियाद की मजबूती को दर्शाता है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के आंकड़ों से पता चलता है कि यह जुलाई, 2017 के बाद पी-नोट्स के जरिये निवेश का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। उस समय पी-नोट्स के जरिये निवेश 1.35 लाख करोड़ रुपये पर था। ताजा आंकड़ों में शेयरों, बॉन्ड और हाइब्रिड प्रतिभूतियों में निवेश का ब्योरा शामिल है। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि भारत में पी-नोट्स के जरिये निवेश में वृद्धि की मुख्य वजह यह है कि अनिश्चित वैश्विक आर्थिक परिदृश्य के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था स्थिर बनी हुई है।

तेल भंडार की खोज पर संभावनाएं अपार

अजय कुमार

भारत कई दशकों से अपने तेल भंडार का पता लगाने में विफल रहा है, लेकिन अब एक तेल आयातक से निर्यातक बनने की राह तैयार की जा रही है। यूरोपीय संघ और चीन के बाद भारत कच्चे तेल का दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा आयातक है। भारत के उपभोग में तेल आयात का हिस्सा वर्ष 2022-23 में बढ़कर 87.3 प्रतिशत हो गया, जो भारत के कुल आयात का 23.6 प्रतिशत है। तेल एवं गैस आयात से न केवल विदेशी मुद्रा भंडार कम होता है बल्कि इससे रणनीतिक स्तर पर असुरक्षा की स्थिति बनती है और यह इराक युद्ध, ईरान पर लगाए गए प्रतिबंध और मौजूदा रूस-यूक्रेन संघर्ष जैसे भू-राजनीतिक संकट से भी जाहिर होता है। इस वजह से भारत को रूस के तेल के लिए चीनी युआन में भुगतान करने को कहा जा रहा है।

बड़े तेल भंडार पर नियंत्रण से किसी एक देश की स्थिति अन्य देशों के मुकाबले बेहतर हो सकती है विशेष रूप से उन देशों की जो तेल आयात पर बहुत अधिक निर्भर हैं। तेल भंडार से समृद्ध देश, उत्पादन की मात्रा, कीमतों में नियंत्रण करने के साथ ही इस तक पहुंच में प्रतिबंध लगाकर अन्य तेल आयातक देशों के मुकाबले फायदा उठा सकते हैं। तेल के लिए भारत की अन्य देशों पर निर्भरता इसलिए है कि यहां सीमित स्तर पर तेल क्षेत्र की खोज की गई है। हालांकि भारत ने अपतटीय क्षेत्रों में तेल खोज के संदर्भ में अपेक्षाकृत अधिक सफलता देखी है, जैसे कि 1970 के दशक में बंबई हाई और बेसिन तेल क्षेत्रों की खोज की गई और बाद में 2000 के दशक में कृष्णा-गोदावरी बेसिन और खंभात की खाड़ी में तेल उत्पादन का पैमाना, हिंद महासागर के अन्य हिस्सों या सऊदी अरब,

पश्चिम में कतर और ओमान और पूर्व में मलेशिया, इंडोनेशिया और वियतनाम जैसे देशों की तुलना में मामूली बना हुआ है।

वर्ष 2022 में, बांग्लादेश को बंगाल की खाड़ी में खरबों घन फुट गैस भंडार मिला और यह भंडार एक सदी तक की अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए पर्याप्त था। केन्या और सोमालिया के तट से एक लाख वर्ग किलोमीटर के दायरे में एक विशाल तेल भंडार की खोज की गई थी।

भारत का करीब 23.6 लाख वर्ग किलोमीटर के विशाल क्षेत्र वाला विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड), समान भू-स्तर साझा करता है और इसमें अब तक खोजे गए तेल भंडार की तुलना में बहुत अधिक भंडार मिलने की संभावना है।

कुछ असत्यापित रिपोर्ट के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में 30 अरब टन तेल (बीटीओई), इराक के भंडार का 2.5 गुना और सऊदी अरब के लगभग बराबर है। अगर मोटे अनुमानों पर गौर करें तो इसके अनुसार, भारत के ईईजेड में अब तक नहीं खोजे गए तेल संसाधन 7.4 बीटीओई से अधिक है, जो 50 से अधिक वर्षों तक की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। हालांकि भारत इन तेल-गैस भंडारों का पता लगाने में अब तक विफल रहा है और उसने लगातार तेल आयात पर जोर दिया है जिससे गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

तेल की खोज के संभावित क्षेत्रों के नजदीक जुड़े बड़े क्षेत्रों का आवंटन जरूरी हो जाता है। यह भूवैज्ञानिकों को भूवैज्ञानिक संरचनाओं को समझने, संभावित तेल जाल और उसके भंडार स्थल की पहचान करने में मददगार होता है। इसके साथ ही यह भूकंपीय सर्वेक्षणों का उपयोग करके सतहों की अधिक सटीक तस्वीरें लेने और संभावित तेल भंडार की कनेक्टिविटी और सीमा को बेहतर ढंग से समझने में कारगर होता है। इसके अलावा महत्त्वपूर्ण बात यह भी है कि आर्थिक रूप से व्यावहारिक और तकनीकी रूप से बेहतर खोज के लिए ऐसे तेल भंडार क्षेत्र के आसपास एक बड़े क्षेत्र के आवंटन की आवश्यकता होती है।

हालांकि, यह भारतीय ईईजेड में संभव नहीं हो पाया है क्योंकि लगभग 42 प्रतिशत ईईजेड, यानी 10 लाख वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र को विभिन्न सरकारी एजेंसियों द्वारा 'नो गो जोन' क्षेत्र घोषित किया गया है। यह ऐसा क्षेत्र है जहां किसी भी तरह की गतिविधि की अनुमति नहीं है।

भाजपा चुनाव कार्यालय के उद्घाटन में पहुंचा पूरा उत्तर

रायपुर। तैयारी पूरी है, पुरंदर मिश्रा जरूरी है..., इस नारे के शोर के बीच लगभग 5 हजार से अधिक लोगों की भीड़ की मौजूदगी में गुरुवार को रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी पुरंदर मिश्रा के भव्य एवं आकर्षक मुख्य चुनाव कार्यालय का उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी पुरंदर मिश्रा मिश्रा के साथ ही विशेष रूप से सांसद सुनील सोनी, पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, पूर्वमंत्री चंद्रशेखर साहू, उत्तर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र सिंह तोमर, भाजपा जिला अध्यक्ष जयंती पटेल, वरिष्ठ भाजपा नेता सच्चिदानंद उपासने, राजीव अग्रवाल, अशोक बजाज, गौरीशंकर श्रीवास, पार्षद डॉ. प्रमोद साहू, पार्षद राम प्रजापति व पार्षद विश्वदिनी पांडेय मौजूद थे।

बताते चलें कि रायपुर के सिटी सेंटर मॉल के सामने, एक्सप्रेस हाईवे ढालान, पुराना बस स्टैंड के पास पंडरी स्थित छत्तीसगढ़ वॉच कांप्लेक्स में भाजपा प्रत्याशी पुरंदर मिश्रा का मुख्य चुनाव कार्यालय खोला गया है। कार्यालय के उद्घाटन अवसर पर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के लोगों की जोरदार भीड़ उमड़ी। इस दौरान पटाखे फोड़कर आगंतुकों का स्वागत किया गया। इसी तरह बड़ी संख्या में समर्थक और क्षेत्रवासी भी ढोल-नगाड़े के साथ कार्यालय पहुंचे। वहीं रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी पुरंदर मिश्रा ने गले में भाजपा का गमछा पहनाकर कार्यक्रम में आए लोगों का ससम्मान आत्मीय स्वागत किया।

अपने समर्थकों और भाजपा कार्यकर्ताओं की भीड़ के उत्साह से घिरे रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी पुरंदर मिश्रा ने इस अवसर पर मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि प्रदेश की जनता कांग्रेस के झूठ और घोटाले से त्रस्त हो चुकी है। कांग्रेस का कार्यकाल भ्रष्टाचार के आतंक जैसा है। ये लूट व कुशासन से सरकारें चलाती है। जनता के दुख-दर्द से कोई लेना-देना नहीं है।

बहुमत से चुनाव जीतने की तैयारी: पुरंदर

मुख्य चुनाव कार्यालय के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए भाजपा प्रत्याशी पुरंदर मिश्रा ने कहा कि रायपुर उत्तर विधानसभा में बहुमत के साथ जीत हासिल करने के लिए चारों मंडल की कार्ययोजना अब इसी मुख्य चुनाव कार्यालय में बनाई जाएगी। इसके लिए नियमित रूप से बैठकें की जाएगी और सभी की राय और सहमति से चुनावी तैयारी की रूपरेखा बनाई जाएगी।

सांसद सुनील बोले, इस बार कांग्रेस को नमस्ते कर दें...

भाजपा के रायपुर उत्तर विधानसभा के मुख्य चुनाव कार्यालय के शुभारंभ के मौके पर सांसद सुनील सोनी कहा कि आज यहां से कार्यकर्ता संकल्प लेकर घर जाएं कि आगामी 19 दिनों में दीपावली तक एक कार्यकर्ता 100 घरों में जाकर भाजपा प्रत्याशी पुरंदर मिश्रा को जिताने के लिए लोगों से वोट देने की अपील करें। लोगों को यह जरूर बताएं कि, भाजपा सरकार ने शहर में एक्सप्रेस-वे का निर्माण करवाया। सड़कें चौड़ी कराई और नहर के ऊपर भी सड़कें बनवाई। लेकिन कांग्रेस ने शहर के गरीबों को उजाड़ने का काम किया है। रायपुर की चारों विधानसभा प्रदेश की आवाज उठाती है, इसीलिए इस बार जरूरी कि कांग्रेस को नमस्ते कर दिया जाए।

सांसद सुनील सोनी ने कहा कि कोरोना काल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबके लिए वैक्सीन दिया, लेकिन कुछ लोग अपना फोटो लगाकर वाहवाही लूट रहे थे। आज गांव की गरीब माताएं व बहनें पूछ रही हैं कि पीएम आवास का 11 हजार करोड़ रूपए का पहला किस्त का पैसा कहां गया। इसके अलावा केंद्र सरकार द्वारा शुरु की गई नल-जल योजना के तहत वर्ष 2023 के अंत तक हर घर में लगना था, वह भी अधूरा रह गया है। कई जगह आरोप लगे तो टेंडर निरस्त कर दिए गए। इससे स्वत: ही भ्रष्टाचार साबित हो रहे हैं।

सांसद सोनी ने कहा कि भाजपा की कथनी और करनी में अंतर नहीं है। लेकिन, सीएम भूपेश बघेलजी आप दंभ मत भरिए। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल शराबबंदी और बेरोजगारी की मूल बात कभी नहीं करते हैं। उन्होंने कांग्रेस के कर्जमाफी पर तंज कसते हुए कहा कि किसानों का कर्ज माफ करना एहसान नहीं है।

ममता बेनर्जी की कार्बन कॉपी बन गए है भूपेश: सिद्धार्थनाथ

रायपुर। भाजपा मीडिया विभाग के केन्द्रीय संयोजक एवं प्रयागराज विधायक सिध्दार्थनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का सिंध्दात है कि किसान खुशहाल होता है तो राष्ट्र समृध्द बनता है इसलिए केन्द्र सरकार ने बड़ा निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के सभी किसानों को 22000 करोड़ की राहत दी है जिसमें फर्टीलाइजर सब्सिडी चलती रहेगी और इनके दाम भी नहीं बढ़ेंगे इससे छत्तीसगढ़ के करीब 35 लाख किसानों को लाभ मिलेगा।

भाजपा मीडिया विभाग के केन्द्रीय संयोजक सिध्दार्थनाथ सिंह ने कांग्रेस पर नक्सलियों से साठ-गांठ कर चुनाव प्रभावित करने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस सरकार के एजेंट के रूप में काम कर रहे नौकरशाहों को स्पष्ट चेतावनी दी है कि वे निष्पक्ष चुनाव के लिए तैनात किए गए है तो निष्पक्षता के साथ निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े रहे अन्यथा ऐसे कई आईएएस और आईपीएस अफसरों के खिलाफ हमारी शिकायत पर निर्वाचन आयोग द्वारा कार्यवाही की जा चुकी है और अब भी जो अधिकारी कांग्रेस के पक्ष में काम कर रहे हैं उनकी सूची भी तैयार है।

भाजपा मीडिया विभाग के केन्द्रीय संयोजक सिध्दार्थनाथ सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने अपनी हार की पटकथा ढाई साल पहले ही लिख ली थी उसी का वृहद रूप अब चुनाव में सामने आ रहा है। जब ढाई साल पहले टीएस सिंहदेव और भूपेश बघेल के बीच अंदरूनी खींचतान शुरू हुई उसने आज बगावत का रूप ले लिया है। कांग्रेस के लोग जिनका टिकट कटा है वे या तो निर्दलीय चुनाव लड़ रहे है या फिर अजीत जोगी वाली पार्टी में जा रहे हैं। इनमें विनय जायसवाल, किस्मतलाल नंद, अनूप नाग है और बृहस्पत सिंह के बारे में भी बहुत चर्चा हुई है।

भाजपा मीडिया विभाग के केन्द्रीय संयोजक सिध्दार्थनाथ सिंह ने कहा कि तमाम सर्वे में भाजपा की मजबूती से कांग्रेस भयभीत है हार के भय से नक्सलियों से साठ-गांठ की गई है। उसके लिए एक रणनीति बनाई है। दिग्विजय सिंह से प्रेरणा लेते हुए नक्सलियों को क्रांतिकारी कहने लगे है और ममता बेनर्जी की कार्बन कॉपी बन गए है। छत्तीसगढ़ में जिस तरह से नक्सली सक्रियता बढ़ गई है वह सबके सामने है। नेशनल हाईवे पर नक्सलियों का आईईडी ब्लास्ट हुआ, गांव के गांव खाली कराये जा रहे हैं पर्चे फेंके जा रहे है।

मारने की धमकी देने वाले पर अब तक एफआईआर क्यों नहीं?: केदार

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता केदारनाथ गुप्ता ने नक्सल हिंसा को लेकर प्रदेश सरकार पर जमकर हमला बोलते हुए कांग्रेस और नक्सलवादियों के रिश्ते पर सवाल उठाया है। श्री गुप्ता ने कहा कि भाजपा लगातार यह मुद्दा उठा रही है कि छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आदिवासी क्षेत्रों सहित पूरे प्रदेश में अपना राजनीतिक वर्चस्व और भरोसा खो चुके हैं। अब वर्चस्व की लड़ाई में राजनीतिक हत्याएँ तक हो रही हैं। भाजपा सीधे-सीधे राजनीतिक हत्या इसलिए कह रही है क्योंकि कुछ महीने पहले ही कांग्रेस की सभा में कांग्रेस विधायक इंद्रशाह मंडावी की मौजूदगी में खुलेआम सरजू टेकाम ने यह धमकी दी थी कि जो भी इस क्षेत्र में भाजपा का प्रचार करने आएगा, उसे काट डाला जाएगा, हत्या करके फेंक दिया जाएगा। श्री गुप्ता ने हैरानी जताई कि सरजू टेकाम पर न तो कोई एफआईआर हुई, न ही कोई कार्रवाई हुई और इस राजनीतिक संरक्षण के चलते हाल ही वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता बिरझू तारम की नृशंस हत्या कर दी गई। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री गुप्ता ने गुरुवार को एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में प्रेस ब्रीफ में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि बिरझू तारम की हत्या को भाजपा राजनीतिक हत्या बताती रही, लेकिन सरकार की ओर से कोई बयान नहीं आया और तीन दिनों के बाद नक्सलियों ने पर्चा फेंका जिसमें स्पष्ट रूप से यह कहा गया है कि मना करने के बाद भी भाजपा का प्रचार-प्रसार करने की सजा बिरझू तारम को दी गई है। श्री गुप्ता ने सवाल किया कि क्या भाजपा का प्रचार-प्रसार करने पर हत्या होगी और कांग्रेस या दीगर पार्टी का प्रचार-प्रसार करने पर सुरक्षा दी जाएगी? क्या नक्सलवाद छत्तीसगढ़ में इसीलिए पनप रहा है? नक्सली लगातार भाजपा के नेताओं, पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को टारगेट कर रहे हैं।

प्रत्याशियों को निर्वाचन व्यय की जानकारी देना अनिवार्य

रायपुर । छत्तीसगढ़ में विधानसभा का चुनाव लड़ रहे सभी प्रत्याशियों को चुनाव के दौरान किए जाने वाले सभी खर्चों का पूरा हिसाब व्यय लेखा प्रेक्षक के समक्ष अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करना होगा। अभ्यर्थी को यदि किसी व्यक्ति या फर्म को नकद भुगतान करना हो तो वह बैंक से राशि आहरित कर 20 हजार रुपये तक निकाल सकता है।

इससे ज्यादा की राशि का भुगतान चेक, ड्राफ्ट अथवा आरटीजीएस, एनईएफटी द्वारा करना होगा। इसके लिए निर्वाचन के दौरान किए गए सभी खर्चों को निर्धारित प्रारूप के रजिस्टर (लेखा रजिस्टर) में बनाकर निर्धारित तिथि तक निर्वाचन व्यय प्रेक्षक के समक्ष प्रस्तुत करना होगा।

अभ्यर्थी द्वारा रिटर्निंग आफिसर के समक्ष अपना नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत करते समय चुनाव के व्यय के लिएअलग से खोले गए बैंक खाते की जानकारी भी दी जाती है। चुनाव में सभी प्रकार के खर्चों के लिए बैंक में खोले गए खाते से ही राशि खर्च करना है। इसमें नाम निर्देशन की तिथि से निर्वाचन के परिणाम की घोषणा की तिथि तक किए गए निर्वाचन व्यय की जानकारी देना अनिवार्य है।

निर्वाचन का हिसाब रखने के लिए पृथक बैंक खाते में अभ्यर्थी द्वारा स्वयं की राशि अथवा किसी और स्त्रोत से प्राप्त राशि को जमा कर उसी में से खर्च करेगा। यह बैंक खाता अभ्यर्थी का स्वयं का या अपने निर्वाचन अभिकर्ता के साथ संयुक्त रूप से खोला जा सकता है। व्यय लेखा परीक्षण के लिए प्रस्तुत व्यय रजिस्टर के साथ अभ्यर्थी को बैंक खाते के विवरण की एक स्व-अभिप्रमाणित प्रति व्यय लेखा प्रेक्षक के समक्ष पेश करना होगा।

चुनाव खत्म होने के बाद निर्वाचन की घोषणा के 30 दिनों में अभ्यर्थी को व्यय लेखा की सत्य प्रति रिटर्निंग आफिसर के पास जमा करनी है। निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण के बारे में अनुदेशों का संग्रह, 2017 भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट में भी उपलब्ध है।

आबकारी विभाग कर रहा संवेदनशील स्थानों की सघन जांच

रायपुर। राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिये आदर्श आचार संहिता के दौरान आबकारी विभाग द्वार रेल्वे स्टेशन, बस स्टैण्ड, होटल ढाबा सहित अन्य संवेदनशील स्थानों में सघन जांच की जा रही है।

सचिव सह आबकारी आयुक्त महादेव कावरे के निर्देशानुसार आबकारी टीम के द्वारा विधान सभा निर्वाचन 2023 में अवैध मदिरा के धारण / विक्रय / परिवहन की सूचना पर त्वरित विधिवत प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में रेल्वे स्टेशन, बस स्टैण्ड, होटल ढाबा सहित अन्य संवदनशील स्थानों में भी सघन जांच की जा रही है। आबकारी विभाग एवं रेल्वे सुरक्षा बल की संयुक्त टीम द्वारा सोमवार को रायपुर रेल्वे स्टेशन एवं स्टेशन से गुजरने वाली गाडियों की सघन जांच की गई। इसी कड़ी में आबकारी विभाग की संयुक्त टीम द्वारा भाठागांव स्थित बस स्टैण्ड में बसों की सघन जांच की गई। आचार संहिता के दौरान होटल एवं ढाबों में लगातार छापा मार कार्यवाही कर प्रकरण कायम किये जा रहे है। श्री ढाबा (रीवा/लखोली). खुशी ढाबा (रसनी), हाईवे फैमिली ढाबा (हीरापुर), इंडियन डाबा (केन्द्री). यारा द ढाबा (अभनपुर), गुरू कृपा ढाबा (अमनपुर), महराजिन ढाबा (तिल्दा), ओम साई बाबा (भनपुरी), चौधरी ढाबा (आरंग). पांडेय ढाबा (तिवरैया / धरसींवा). बंजारा होटल (नायकांड / खरोरा), राकेश निषाद होटल (समोदा) में छापामार कार्यवाही करते हुये आबकारी अधिनियम के विभिन्न धाराओं के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है।

आदर्श आचार संहिता लगने के पश्चात से आबकारी विभाग द्वारा कुल 77 प्रकरण पंजीबद्ध कर कुल 79 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनसे कुल 577॰16 बल्क लीटर मदिरा (जिसका बाजार मूल्य लगभग 353461 रुपये) तथा 12 दोपहिया वाहन (जिसका बाजार मूल्य 554000 रूपये) जप्त किया गया है। जिले में शराब एवं मादक पदार्थों के अवैध विक्रय परिवहन एवं धारण पर रोकथाम हेतु शिकायत दर्ज कराये जाने हेतु टेलीफोन नंबर 0771-2428201 एवं टोल फ्री नंबर 14405 जारी किया गया है जिसमें कोई भी आम नागरिक शिकायत कर सकते हैं ।

छत्तीसगढ़/राजधानी प्रमुख समाचार

केंद्रीय जांच एजेंसियां भाजपा की संगठन बन गयी : बैज

रायपुर। राजस्थान के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ में मारे गये ईडी के छापे भाजपा की घबराहट को बताने के लिये पर्याप्त है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव हार रही है। इसलिये वह केन्द्रीय एजेंसियो और केन्द्रीय सुरक्षा बलो का दुरूपयोग करना शुरू कर चुकी है। भाजपा तानाशाही और अलोकतांत्रिक गतिविधियों पर उतर आई है। उसके पास कांग्रेस के खिलाफ मुद्दे नहीं बचे है तो वह ईडी के माध्यम से गलत कार्यवाहियां करवा कर भ्रष्टाचार के भ्रामक आंकड़े प्रस्तुत कर रही है। 2014 में केंद्र में बीजेपी के सत्ता में आने के बाद से प्रमुख विपक्षी नेताओं को घेरने के लिए जांच एजेंसियों का ज्यादा इस्तेमाल किया गया है। मोदी सरकार के 8 साल के शासन में 95 फीसदी मामले केवल विपक्षी दल के नेताओं के खिलाफ़ किए गए हैं। जो नेता भाजपा में शामिल हो गये उनके खिलाफ भाजपा ने जांच बंद करवा दिया। नारायण राणे, मुकुल राय, हेमंत बिसवा सरमा, येदुरप्पा, एकनाथ शिंदे जैसे दर्जनों नेता जिनके खिलाफ ई डी, आई टी और सीबीआई की कार्यवाही चल रही थी, बकायदा एफआईआर दर्ज है, भाजपा में शामिल होते ही सदाचारी हो गए सारे आरोपों से मुक्त हो गये। देश में जब से मोदी सरकार बनी है वह केंद्रीय एजेंसियों का मनमाने दुरुपयोग कर रही है।

चुनाव में भाजपा की करारी हार के संकेत से बौखला रहे हैं: ठाकुर

रायपुर। भाजपा के छत्तीसगढ़ मीडिया प्रभारी सिद्धार्थ नाथ सिंह के द्वारा चुनाव में लगे अधिकारियों कर्मचारियों को धमकाने की निंदा करते प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा की विधानसभा चुनाव में भाजपा की करारी हार के संकेत मिलने से भाजपा के नेता बौखला रहे हैं। बोखलाहट में भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी सिद्धार्थ नाथ सिंह तड़ीपार की भाषा बोल रहे है। सुरक्षा में लगे पुलिस के अधिकारी कर्मचारियों को धमका रहे है। बेहद निंदनीय है। भाजपा नेता कभी किसानों को धमकाते हैं कभी नौजवानों को धमकाते हैं उल्टा लटकाने की बात करते हैं हाथ पैर काटने की बात करते हैं अब तो अधिकारी कर्मचारी को भी धमका रहे। भाजपा की गुंडागर्दी प्रदेश में नहीं चलेगी यहां संविधान का राज है संविधान सम्मत काम होगी भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव को सिद्धार्थ नाथ सिंह के धमकी भरे बयान के लिए प्रदेश के अधिकारी कर्मचारियों से माफी मांगना चाहिए। प्रदेश के शासकीय कर्मचारी भाजपा के इस धमकी का जवाब 7 नवंबर और 17 नवंबर को जरूर देंगे और इस प्रकार की नफरत भरी भाषा बोलने वाले भाजपा नेताओं को सबक सिखाएंगे। प्रदेश में कांग्रेस 75 से अधिक सीट जीतकर पुन: सरकार बनाने जा रही है। कांग्रेस के चार बड़े वादों के आगे भाजपा का षड्यंत्र विफल हो गया। किसानों की कर्ज माफी, जातिगत जनगणना, 17 लाख गरीबों को आवास और 20 क्विंटल धान प्रति एकड़ खरीदने की घोषणा के बाद भाजपा की बची खुची राजनीति भी खात्मे की ओर है। कांग्रेस की घोषणा का पूरे प्रदेश में स्वागत हो रहा है।

राहुल छत्तीसगढ़ को आपने एटीएम बनाया: सुनील सोनी

रायपुर. राहुल गांधी के दौरे और घोषणा को लेकर सांसद सुनील सोनी ने कांग्रेस पर तंज कसा है. राहुल गांधी घोषणा वीर हैं, कई बार आए थे. राहुल गांधी के समाने आपने गंगाजल हाथ में लेकर 36 कसमें खाई थी, कहां है राहुल गांधी से पूछिए ना. मैं राहुल गांधी से पूछना चाहता हूं, जिस प्रदेश में आप आ रहे हो उस प्रदेश को आपने एटीएम बनाया. यहां की जनता का पैसा लूटकर आपने अपने खजाने में डाला, उसका हिसाब दो.सीएम भूपेश बघेल के बयान पलटवार करते हुए सुनील सोनी ने कहा कि आधा अधूरा कर्ज माफ करके दम न ठोकें. पीएम ने कांग्रेस हो या बीजेपी सबको वैक्सीन लगाया है और सीएम फोटो लगाने में मस्त हैं. गरीब जनता आज पूछ रही है कि उनका आवास और पैसा कहां गया. जल जीवन मिशन के तहत भ्रष्टाचार हुआ. बीजेपी की कथनी और करनी में अंतर नहीं है. सांसद ने कहा कि शराब बंद कर दूंगा, बेरोजगारी भत्ता दे दूंगा, अब यह बात क्यों नहीं कर रहे हैं. आधा अधूरा कर्जा माफ कर अहसान नहीं किया आपने, आएगा हमारा घोषणा पत्र, बेहतर से बेहतर काम किसानों के लिए करेंगे.

रमन सिंह पर घोटालों की जांच ईडी क्यों नहीं करती: राधिका

राजनादगांव। कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर और छत्तीसगढ़ मीडिया प्रभारी राधिका खेड़ा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राजनांदगांव विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह पर तीखा प्रहार किया है. उन्होंने रमन सिंह पर नान घोटाला, पनामा पेपर लीक सहित अन्य घोटालों का आरोप लगाया है.विधानसभा चुनाव का दौर चलते ही कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह को उनके विधानसभा क्षेत्र में ही घेरने घोटाले के आरोपों का पिटारा खोला है. कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर और छत्तीसगढ़ मीडिया प्रभारी राधिका खेड़ा ने गुरुवार को राजनांदगांव में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करते राजनांदगांव भाजपा प्रत्याशी डॉ. रमन सिंह पर नान घोटाला, पनामा पेपर लीक, चिटफंड सहित कई आरोप लगाये.कांग्रेस नेत्री राधिका खेड़ा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पनामा पेपर लीक में जो पता है, वह डॉ. रमन सिंह का पैतृक निवास है. उन्होंने कहा कि पनामा में अभिषाक सिंह ही अभिषेक सिंह है. नान घोटाले के मुख्य आरोपी ने नारको टेस्ट में डॉ रमन सिंह सहित उनके अन्य मंत्रियों को रुपये देने की बात कही है. नान डायरी की सीएम मैडम कौन है यह रमन सिंह जी को बताना चाहिए. इन सभी घोटालों की ईडी जांच क्यों नहीं करती है. वहीं कांग्रेस की सरकार जब जांच करना चाही तो बीजेपी ने इन मामलों में स्टे ले लिया. डॉ रमन सिंह और उनके पुत्र अभिषेक सिंह पर घोटालों आरोप लगाते हुए ईडी को भी इन मामलों की जांच नहीं करने पर घेरा है।

कांग्रेस विधायक किस्मत लाल ने छोड़ी पार्टी, जनता कांग्रेस से लड़ेंगे चुनाव

रायपुर। कांग्रेस के एक और बागी विधायक किस्मत लाल नंद ने जनता कांग्रेस में प्रवेश कर लिया है। अमित जोगी ने आज जोगी बंगले में किस्मत लाल नंद को जनता कांग्रेस की सदस्यता दिलायी। किस्मत लाल नंद कांग्रेस की टिकट पर 2018 में सरायपाली से चुनाव लड़े थे।पुलिस विभाग में डीएसपी के पद से रिटायर हुए किस्मत लाल नंद को पार्टी ने टिकट दिया था। वो सरायपाली से चुनाव जीते भी थे, लेकिन पिछले दिनों कांग्रेस की जारी हुई लिस्ट में किस्मत लाल नंद को पार्टी ने टिकट नहीं दिया। चर्चा थी कि किस्मतलाल नंद अपना पाला बदल सकते हैं। कयास आज सच साबित हुए हैं। किस्मतलाल नंद को जनता कांग्रेस ने अपनी पार्टी में शामिल कराया है। खबर है कि वो सरायपाली से ही जोगी कांग्रेस के प्रत्याशी भी बनेंगे।

बलौदाबाजार की नामांकन रैली में सीएम भूपेश बोले

कर्ज माफी के चलते भाजपा के लोग भी कांग्रेस को देंगे वोट

रायपुर। विधानसभा चुनाव से पहले कर्ज माफी के मुद्दे पर सियासत तेज हो गई है। गुरुवार को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इंटरनेट मीडिया एक्स पर लिखा कि इस बार भाजपा के लोग भी कांग्रेस को ही वोट करेंगे, क्योंकि वे जानते हैं कि कर्ज तो उनका भी माफ होता है, 20 क्विंटल प्रति एकड़ धान तो उनका भी खरीदा जाएगा। इसके अलावा मुख्यमंत्री बघेल ने बलौदाबाजार में कांग्रेस प्रत्याशी शैलेष नितिन त्रिवेदी के नामांकन दाखिल प्रक्रिया के दौरान आयोजित रैली व सभा को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं का भी है भरोसा बरकरार फिर से कांग्रेस सरकार है। मुख्यमंत्री ने कहा की कांग्रेस किसानों का कर्ज माफी करती है भाजपा अदाणी-अंबानी का कर्ज माफी करती है। मुख्यमंत्री ने केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार को आड़े हाथों लेते हुए छत्तीसगढ़ में धान खरीदी सहित कई मुद्दों पर अपनी बात रखी। आगे कहा कि हमने पहले साल में 82 लाख टन धान खरीदी की शुरुआत की जो आज 130 लाख टन तक पहुंच गई है।

मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने चावल का कोटा 86 लाख टन से घटाकर इसे 61 लाख टन कर दिया है। वहीं महंगी बिजली के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि अदाणी से अधिक दामों में कोयला खरीदने के चलते बिजली की कीमत बढ़ गई है।

कांग्रेस की इस नामांकन रैली में बलौदाबाजार जिले के तीनों सीट बलौदाबाजार विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी शैलेश नितिन त्रिवेदी, भाटापारा विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी इंद्र कुमार साव, कसडोल विधानसभा से संदीप साहू ने अपना नामांकन दाखिल किया है। नामांकन रैली के दौरान मुख्यमंत्री बघेल के समक्ष बलौदाबाजार विधानसभा के विधायक प्रमोद शर्मा ने कांग्रेस प्रवेश किया। पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद गुरुवार को तीन दिन के छत्तीसगढ़ दौरे पर राजधानी पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री बघेल के कर्जमाफी सहित अन्य घोषणाओं पर कहा कि 2018 के चुनाव में भी ऐसी ही कहा था।

दीपावली में दो घंटे ही फूटेंगे पटाखे, सीरीज पटाखे और लड़ियों की बिक्री बैन

- **दीपावली, छठ पूजा, गुरु पर्व तथा नया वर्ष/क्रिसमस के लिए उच्चतम न्यायालय तथा नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देश**

रायपुर। राज्य में केवल हरित पटाखों का उपयोग एवं विक्रय ही हो सकेगा। साथ ही दीपावली, छठ, गुरू पर्व, नया वर्ष/ क्रिसमस के अवसर पर पटाखों को फोडने् के लिए दो घंटे की अवधि निर्धारित की गई है। उच्चतम न्यायालय तथा नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की मार्गदर्शिका के मुताबिक पटाखों के उपयोग के संबंध में निर्देशों का कड़ाई से पालन करने जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देशित किया है। दीपावली, छठ पूजा, गुरु पर्व, नया वर्ष/क्रिसमस के मौके पर दो घंटे की अवधि पटाखे फोडने् के लिए निर्धारित की गई है। दीपावली के लिए रात्रि 8 बजे से रात्रि 10 बजे तक, छठ पूजा के लिए सुबह छह बजे से सुबह 8 बजे तक, गुरु पर्व के लिए रात 8 बजे से रात 10 बजे तक समय निर्धारित किया गया है। क्रिसमस/नया वर्ष के लिए रात्रि 11 बजकर 55 मिनट से रात्रि 12 बजकर 30 मिनट का समय निर्धारित किया गया है। शीत ऋतु में प्रदूषण की स्थिति को देखते हुए वायु (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम 1981 की धारा 19 की उपधारा 5 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य सरकार द्वारा रायपुर, बिलासपुर, भिलाई-दुर्ग, रायगढ़ एवं कोरबा के नगरीय क्षेत्रों में 1 दिसंबर से 31 जनवरी तक की अवधि में पटाखों का जलाया जाना प्रतिबंधित किया गया है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.